मूल्य : 5/-
2 दिसंबर से 8 दिसंबर, 2024
वर्ष - 3, अंक - 33

शौर्य न्यूज इंडिया

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

सोच वही, ऊर्जा नई...

www.shauryanewsindia.co.in

बनारस, चंदौली, आजमगढ़, जौनपुर, मीरजापुर, सोनभद्र, सिंगरौली, राजगढ़, भदोही, बलिया, मऊ, प्रयागराज, देवरिया, मथुरा, अयोध्या, आगरा, महोबा, बांदा, मुरादाबाद, बहराइच और गोरखपुर से प्रसारित

पेज 5
बोले मलाइका-अर्जुन, हमारे...

पेज 5
फिल्म मिस्टर एंड मिसेज...

हाईकोर्ट के आदेश तक ट्रायल कोर्ट कार्रवाई न करे

संभल मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने दिया अहम निर्देश, हिन्दू पक्ष बोला– पूर्व में यहां हरिहर मंदिर था

नई दिल्ली। संभल हिंसा पर सुप्रीम कोर्ट ने अहम निर्देश देते हुए निचली अदालत से संभल जामा मस्जिद मामले पर सुनवाई न करने को कहा है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने प्रशासन को कानून व्यवस्था को दुरुस्त करने की भी हिदायत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट जाने को कहा है और कहा कि अब हाईकोर्ट के निर्देश पर ही कोई कार्रवाई हो सकेगी।

दरअसल, मस्जिद समिति ने सुप्रीम कोर्ट ने याचिका दायर कर मस्जिद का सर्वे कराने के निचली अदालत के फैसले को चुनौती दी थी। इस पर मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने याचिकाकताओं से पूछा कि वह उच्च न्यायालय क्यों नहीं गए। पीठ ने कहा कि यह मामला उचित मंच पर उठाया जाना चाहिए। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में कुछ अहम निर्देश दिए, जिनके मुताबिक निचली अदालत को इस मामले पर सुनवाई करने से रोक दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि निचली अदालत के फैसले से उन्हें कुछ आपत्तियां हैं। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई उच्च न्यायालय द्वारा किए जाने का निर्देश दिया है। साथ ही सर्वोच्च अदालत ने उच्च न्यायालय से याचिका दायर होने के बाद तीन दिनों में याचिका पर सुनवाई करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि जिस जल्दबाजी में मामले पर ट्रायल कोर्ट ने सुनवाई की और सर्वे के आदेश दिए गए, उससे स्थानीय लोगों के मन में शक हुआ, जिसकी वजह से वे घरों से बाहर निकले। रिपोर्ट्स के अनुसार, पुलिस ने उन पर फायरिंग की, जिससे मासूम लोगों की जान गई और कई घायल हुए। मस्जिद समिति की तरफ से वरिष्ठ वकील हुजैफा अहमदी अदालत में पेश हुए। वहीं प्रतिवादी पक्ष की तरफ से वकील विष्णु शंकर अदालत में पेश हुए। दरअसल हिंदू पक्ष ने ट्रायल कोर्ट में याचिका दायर कर दावा किया कि संभल की जामा मस्जिद एक मंदिर को तोड़कर बनाई गई है। हिंदू पक्ष का कहना है कि पूर्व में यहां हरिहर मंदिर था, जिसे साल 1526 में मुगल बादशाह बाबर ने तुड़वाकर वहां मस्जिद का निर्माण कराया था, जिसे आज संभल की जामा मस्जिद के नाम से जाना जाता है। इस याचिका पर ट्रायल कोर्ट ने बीती 19 नवंबर को मस्जिद का सर्वे एडवोकेट कमिश्नर से कराने का आदेश दिया था। इस सर्वे के दौरान 24 नवंबर को संभल में हिंसा भड़क गई, जिसमें चार लोगों की जान चली गई।

एडवोकेट कमिश्नर की सर्वे रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में रखने का आदेश

निचली अदालत के आदेश के बाद एडवोकेट कमिश्नर द्वारा संभल जामा मस्जिद का सर्वे किया गया। इस सर्वे के दौरान ही बीते दिनों संभल में हिंसा भड़की, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने हालात को देखते हुए एडवोकेट कमिश्नर की रिपोर्ट को सीलबंद लिफाफे में रखने और जारी न करने का भी निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश प्रशासन को हिदायत दी है कि शांति और सद्भाव का माहौल कायम रखा जाए। अदालत ने प्रशासन से शांति समिति गठित कर सद्भाव कायम करने का भी निर्देश दिया।

ऑस्ट्रेलियाई डॉलर छापने के आरोप में चार अरेस्ट

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में नकली ऑस्ट्रेलियाई डॉलर छापने के आरोप में पुलिस ने एक ऑस्ट्रेलियाई नागरिक सहित चार लोगों को पकड़ा है। वटवा के एक गोदाम से नकली नोट मिले हैं। अहमदाबाद पुलिस के स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप को अहमदाबाद के वेजलपुर में नकली करेंसी सकुर्लेशन के बारे में सूचना मिल थी। जिसके बाद इस नकली करेंसी रैकेट का भंडाफोड़ किया गया। 24 साल के मजदूर रौनक राठौड़ को सबसे पहले 50 डॉलर के 119 नकली ऑस्ट्रेलियाई नोट बदलने की कोशिश करते समय गिरफ्तार किया था। राठौड़ ने बताया कि उसे नकली नोट 24 साल के खुश पटेल से मिले थे, जिसे गिरफ्तार किया गया। खुश ने पुलिस को कथित मास्टरमाइंड 36 साल के मौलिक पटेल तक पहुंचाया, जो एक ट्रांसपोर्ट कारोबारी है। एसओजी को पता चला कि मौलिक 20 साल के छात्र ध्रुव के साथ मिलकर वटवा के कारखाने में नकली ऑस्ट्रेलियाई डॉलर छापने का काम करता है।

डीएम, एसपी, एसएचओ की गिरफ्तारी की मांग, हाईकोर्ट में एक और याचिका

प्रयागराज। संभल में शाही जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुई हिंसा को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक और जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई है। इस पीआईएल में संभल के जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक और इलाके के एसएचओ की गिरफ्तारी की मांग की मांग की गई है। लाइव लॉ वेबसाइट के अनुसार याचिका के जरिए यूपी सरकार को इस बारे में निर्देश देने की मांग की गई है। इससे पहले एक अन्य याचिका में संभल पुलिस प्रशासन पर भेदभाव पूर्ण रवैया अपनाते हुए कार्रवाई करने का आरोप लगाया गया था। उस याचिका में मांग की गई थी कि हाईकोर्ट के रिटायर जज की अध्यक्षता में एसआईटी से जांच कराई जाए। आनंद प्रकाश तिवारी की जनहित याचिका में फायरिंग, बर्बरता में शामिल पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की गई है। कहा गया है कि हाईकोर्ट हिंसा में संभल के डीएम व एसपी के साथ संबंधित अधिकारियों की भूमिका की जांच एसआईटी से कराए। याचिका में सर्वे से लेकर हिंसा की पूरी घटना की विस्तृत जांच सीबीआई से कराने की मांग भी की गई है। वहीं, शुक्रवार को ही सुप्रीम कोर्ट में संभल को लेकर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने मामले को हाईकोर्ट में लेकर जाने का निर्देश दिया। इसके साथ ही संभल की जिला अदालत को अब इस मामले में कोई कार्यवाही नहीं करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को इलाके में शांति और सद्भाव बनाए रखने का निर्देश भी दिया है। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और संजय कुमार की पीठ ने आदेश दिया कि यदि कोई पुनरीक्षण आवेदन दाखिल किया जाता है तो उसे हाईकोर्ट के समक्ष तीन दिनों के अंदर सुनवाई की जानी चाहिए। शीर्ष अदालत ने यह भी आदेश दिया कि अधिवक्ता आयुक्त की रिपोर्ट की सर्वेक्षण रिपोर्ट को सीलबंद लिफाफे में रखी जाए। पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह भी कहा कि हम नहीं चाहते कि इस बीच कुछ भी हो...उन्हें (शाही जामा मस्जिद समिति) उचित उपाय करने दें। हम इसे लंबित रखेंगे।

जांच के लिए न्यायिक आयोग का गठन

लखनऊ । प्रदेश सरकार ने बीती 24 नवंबर को संभल में जामा मस्जिद के सर्वेक्षण के दौरान हुई हिंसा की जांच के लिए तीन सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग के गठन की घोषणा की है। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।अपर मुख्य सचिव (गृह) दीपक कुमार की ओर से बृहस्पतिवार देर रात को जारी अधिसूचना में कहा गया कि उत्तर प्रदेश की राज्यपाल ने जनहित में और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए गहन जांच करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसमें कहा गया कि जांच आयोग की अध्यक्षता इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश देवेंद्र कुमार अरोड़ा करेंगे और अन्य सदस्यों में भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी अमित मोहन प्रसाद और भारतीय पुलिस सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी अरविंद कुमार जैन शामिल हैं। जांच में पता लगाया जाएगा कि यह घटना अचानक हुई या किसी सुनियोजित आपराधिक साजिश का हिस्सा थी और घटना के दौरान व्यवस्था बनाए रखने के लिए स्थानीय कानून प्रवर्तन और प्रशासन की तैयारियों की भी जांच की जाएगी। अधिसूचना के मुताबिक, आयोग चार प्रमुख पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करेगा, जिसमें यह निर्धारित करना भी शामिल है कि क्या यह घटना किसी सुनियोजित आपराधिक साजिश का परिणाम थी। आयोग जिला प्रशासन और पुलिस द्वारा की गई कानून-व्यवस्था की तैयारियों की जांच करेगा, घटना की परिस्थितियों और कारणों का विश्लेषण करेगा और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के उपायों की सिफारिशें करेगा।

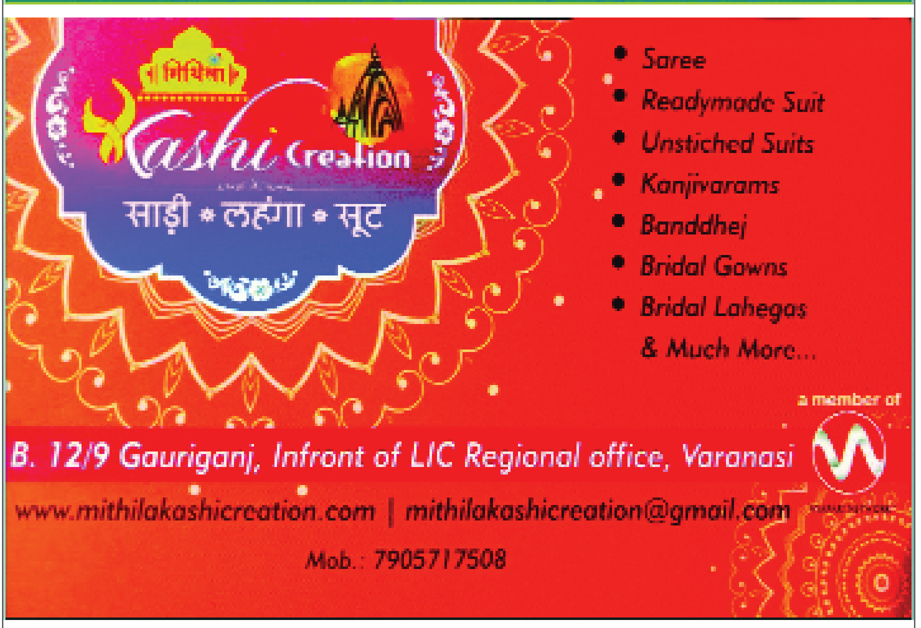

जीत हासिल करने वाले विधायकों ने ली शपथ

लखनऊ। यूपी में नौ विधानसभा सीटों पर जीत हासिल करने के वाले नवनिर्वाचित विधायकों को शुक्रवार को विधानसभा में शपथ दिलाई गई।

शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विजयी प्रत्याशियों को शुभकामनाएं देते हुए इसे प्रदेश के विकास और जनता की आस्था की जीत बताया। जिन नवनिर्वाचित विधायकों ने शपथ ली उनमें कुंदरकी से रामवीर सिंह, फूलपुर से दीपक पटेल, खैर से सुरेंद्र सिंह, गाजियाबाद से संजीव शर्मा, कटेहरी से धर्मराज निषाद, मझवां से सुचिस्मिता मौर्य और मीरापुर से रालोद की मिथलेश पाल शामिल हैं। इन सभी ने एक स्वर में 'राष्ट्र प्रथम' के संकल्प को दोहराया, साथ ही मोदी-योगी के नेतृत्व के प्रति अपनी निष्ठा जताई।

हेमंत सोरेन झारखंड के बने सीएम

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) की अगुवाई वाले इंडिया गठबंधन को बड़ी जीत मिली थी। चुनाव नतीजे आने के पांच दिन बाद झारखंड को अब नई सरकार मिल गई है। राज्यपाल संतोष गंगवार ने हेमंत सोरेन को झारखंड का मुख्यमंत्री नियुक्त कर दिया है। हेमंत सोरेन ने रांची में आयोजित भव्य कार्यक्रम में झारखंड के 14वें मुख्यमंत्री के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। हेमंत चौथी बार झारखंड के मुख्यमंत्री बने हैं। सीएम के साथ छह से आठ मंत्रियों के भी शपथ लेने की चर्चा थी लेकिन ऐसा हुआ नहीं। सीएम के साथ किसी मंत्री ने शपथ नहीं ली। हेमंत के शपथ ग्रहण में उनके पिता और तीन बार के पूर्व

मुख्यमंत्री शिबू सोरेन भी मौजूद रहे। हेमंत सरकार के गठन के मौके पर इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने भी शामिल होकर शक्ति प्रदर्शन किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव, यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव भी मौजूद रहे। गौरतलब है कि झारखंड विधानसभा चुनाव में जेएमएम, कांग्रेस, आरजेडी और लेफ्ट के साथ गठबंधन के साथ मैदान में उतरी थी। जेएमएम की अगुवाई वाले गठबंधन को 56 सीटों पर जीत मिली थी। झारखंड विधानसभा की कुल सदस्य संख्या 81 है और बहुमत के लिए जरूरी जादुई आंकड़ा 41 विधायकों का है। इंडिया ब्लॉक का नंबर बहुमत के लिए जरूरी आंकड़े से भी 15 ज्यादा है। जेएमएम को ही 34 सीटें मिली हैं। कांग्रेस को 16, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) को चार और लेफ्ट को दो सीटो सीटों पर जीत मिली थी। चुनाव नतीजों के बाद अगले ही दिन सोरेन ने राज्यपाल संतोष गंगवार से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया था।

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के घर पर ईडी का छापा

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के घर पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छापा मारा है। छापे की वजह उनके पति राज कुंद्रा हैं। इससे पहले ईडी ने शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा को भी नोटिस भेजा था। पोर्नोग्राफी में ईडी ने उनके घर पर छापेमारी की है। अधिकारियों ने शुक्रवार सुबह 6 बजे मुंबई के सांताक्रूज स्थित शिल्पा शेट्टी के घर पर छापेमारी की।

राज कुंद्रा को पहले पोर्नोग्राफी मामले में गिरफ्तार किया गया था। पोर्नोग्राफी मामले में सिर्फ राज कुंद्रा ही शामिल नहीं हैं, बल्कि उनके साथ कुछ और लोग भी शामिल हैं। उन अन्य लोगों के घर की भी जांच चल रही है। यह सारी जांच मोबाइल ऐप की मदद से अश्लील सामग्री तैयार करने और उसे हर जगह प्रसारित करने के बारे में है।

उपकार इंस्टिट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेज में फेयरवेल

वाराणसी। सुंदरपुर स्थित उपकार इंस्टिट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेज में शनिवार को फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि शहर दक्षिणी के विधायक नीलकंठ तिवारी रहे। उन्होंने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इसके साथ ही छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उपकार फाउंडेशन के डायरेक्टर डॉ. ममता पटेल और मैनेजिंग डायरेक्टर स्नेहिल पटेल ने सभी का आभार जताया। रंगारंग सास्कृति कार्यक्रम के माध्यम से सभी ने अतिथियों का मन मोह लिया। समारोह में मिस्टर फेयरवेल ऋषिराज, मिस फेयरवेल रक्षा सिंह और रागिनी कुमारी रही। संचालन वाइस प्रिंसिपल शुभम सिंह ने किया। यह जानकारी मैनेजर पीएन यादव ने दिया।

शेरनी संसद में आ गई : राउत

पोस्ट सोशल मीडिया पर वायरल, लाखों बार देखा गया

नई दिल्ली। केरल के वायनाड से लोकसभा सदस्य निर्वाचित हुईं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने गुरुवार को निचले सदन की सदस्यता की शपथ ली। इस दौरान, शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने उन्हें 'शेरनी' बताया। शपथ के बाद प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा कि जनता के जरूरी मुद्दों को उठाना, देश और पार्टी के लिए काम करना ही उनकी प्राथमिकता रहेगी तथा वह संविधान के उसूलों के लिए लड़ाई लड़ेंगी। प्रियंका ने हिंदी भाषा में शपथ ली और इस दौरान उन्होंने संविधान की एक प्रति अपने हाथ में ले रखी थी।

प्रियंका गांधी की शपथ के बाद शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने एक्स पर पोस्ट किया, "शेरनी संसद में आ गई।" उन्होंने यह पोस्ट कांग्रेस के उस पोस्ट पर किया, जिसमें प्रियंका गांधी के शपथ लेने के समय का वीडियो था। कुछ ही देर में संजय राउत का यह पोस्ट वायरल हो गया और गुरुवार शाम पांच बजे तक साढ़े चार लाख से भी ज्यादा बार इसे देखा जा चुका है। यूजर्स तरह-तरह के कमेंट्स कर रहे हैं।

जब प्रियंका गांधी शपथ लेने के लिए खड़ी हुईं तो

कांग्रेस सांसदों ने जोड़ो-जोड़ो, भारत जोड़ो के नारे लगाए। महाराष्ट्र के नांदेड़ से लोकसभा सदस्य निर्वाचित हुए कांग्रेस नेता रवींद्र बसंतराव चव्हाण ने भी सदन की सदस्यता की शपथ ली।

उन्होंने मराठी भाषा में शपथ ली। चव्हाण के पिता बसंतराव चव्हाण के निधन के कारण नांदेड़ में उपचुनाव हुआ था। शपथ ग्रहण करने के बाद 52 वर्षीय प्रियंका गांधी वाद्रा ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का हाथ जोड़कर अभिवादन किया।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा संभल जामा मस्जिद मामला

नई दिल्ली। संभल जामा मस्जिद से जुड़ा मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। मस्जिद कमेटी ने गुरुवार 28 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर

मस्जिद के सर्वेक्षण के लिए निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी है। इस मामले की सुनवाई कल मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ द्वारा की जाएगी। पिछले हफ़्ते संभल के सिविल जज (सीनियर डिवीजन) ने मस्जिद का एडवोकेट कमिश्नर से सर्वेक्षण कराने का एकपक्षीय आदेश पारित किया था। याचिका में दावा किया गया था कि चंदौसी में शाही जामा मस्जिद का निर्माण मुगल बादशाह बाबर ने 1526 में वहां मौजूद एक मंदिर को तोड़कर करवाया था।

संसद में पांचवें दिन भी बवाल और हंगामा

अडानी व संभल पर सरकार को घेरा, चार दिन में कुल चालीस मिनट चली कार्यवाही

नई दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र की कार्यवाही 5वें दिन शुक्रवार को भी हँगामें की भेंट चढ़ी। अडानी ग्रुप, सम्भल और अन्य मोदड़ों को लेकर विपक्ष की नारेबाजी और शोरगुल के चलते दोनों सदनों की बैठक 2 दिसम्बर तक स्थगित कर दी गई। संसद की बैठक की शुरूआत 25 नवंबर को हुई थी। 4 दिन में सदन की कार्यवाही सिर्फ 40 मिनट चली। हर दिन औसतन दोनों सदनों में करीब 10 - 10 मिनट ही काम हुआ। लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष ने अडाणी और संभल मुद्दा उठाया। विपक्षी सांसद कार्यवाही के दौरान लगातार हंगामा करते रहे। स्पीकर ने कई बार उन्हें बिठाने की कोशिश की, मगर विपक्ष शांत नहीं हुआ।

शुक्रवार को स्पीकर ओम बिरला ने कहा- सहमति-असहमति लोकतंत्र की ताकत है। मैं आशा करता हूं सभी सदस्य सदन को चलने देंगे। देश की जनता संसद के बारे में चिंता व्यक्त कर रही है। सदन सबका है, देश चाहता है संसद चले। लोकसभा और राज्यसभा की कार्यवाही सोमवार (2 दिसंबर) तक स्थगित कर दी गई।

राहुल ने बुधवार को संसद के बाहर कहा था कि अडाणी पर अमेरिका में 2 हजार करोड़ की रिश्वत देने का आरोप है। उन्हें जेल में होना चाहिए। मोदी सरकार उन्हें बचा रही है। संसद के दोनों सदनों के स्थगित होने पर कांग्रेस सांसद कार्ति चिदंबरम ने कहा, मुझे उम्मीद है कि सरकार बड़ा दिल दिखाएगी और विपक्ष को महत्वपूर्ण मुद्दे उठाने का मौका देगी। सरकार को ऐसा तरीका खोजना चाहिए, जिससे विपक्ष अपनी बात कह सके और सरकार अपनी बात रख सके। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा, सरकार को स्पष्ट करना चाहिए कि वह कौन सा मुद्दा उठाना चाहती है और कब। क्या सरकार ने कहा था कि अडाणी, मणिपुर, संभल, चीन और विदेश नीति पर चर्चा होगी? सरकार की तरफ से कुछ नहीं आया। उन्होंने न तो विषय स्पष्ट किया और न ही तारीख। जिस दिन वे विषय और तारीख स्पष्ट कर देंगे, हम सदन चला पाएंगे। लेकिन हम सरकार में एक नया अहंकार देख रहे हैं। राज्यसभा में विपक्षी सांसदों की लगातार नारेबाजी के बीच सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा, इसे जायज नहीं ठहराया जा सकता। हम बहुत खराब मिसाल कायम कर रहे हैं। हमारे काम जनता-केंद्रित नहीं हैं। हम अप्रासंगिकता की ओर बढ़ रहे हैं। इसके बाद राज्यसभा की कार्यवाही 2 दिसंबर को सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

पुलिस ने चारों आरोपियों के नाम चस्पा किया नोटिस

मारपीट के बाद कार क्षतिग्रस्त कर असलहा लूट का मामला

चंदौली। बलुआ थाना क्षेत्र के मरकनिया गांव के समीप पिछले दिनों दो पक्षों में मारपीट के बाद फार्च्यूनर का शीशा तोड़ने और लाइसेंसी असलहा लूटने के मामले बलुआ पुलिस ने क्षेत्र के चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर इनाम घोषित के बाद अब जनपद के हर थानों व सार्वजनिक स्थलों पर फरार आरोपितों की तलाश में नोटिस चस्पा किया है। डेरवा गांव के रहने वाले अभिषेक सिंह अपने फार्च्यूनर गाड़ी से बीते शुक्रवार की रात में निमंत्रण करके घर लौट रहे थे। फार्च्यूनर से ही पीछा कर रहे आधा दर्जन लोग मरकनिया गांव के समीप ओवरटेक कर रोक लिया। आरोप लगाया कि मारपीट के साथ ही अभिषेक की गाड़ी का शीशा तोड़ दिया। वही पैसा व लाइसेंसी असलहा लूट ले गये थे। अभिषेक ने चार लोगों को पहचान लिया था। मामले के बाद अभिषेक ने बलुआ थाने में तहरीर दिया। पुलिस ने सराय गांव के विकास सिंह, सराय के रामू गुप्ता, कैथी फुलवरिया के अभय सिंह व सराय के अभिषेक सिंह टिंकू के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया। जिन पर एसपी द्वारा 15-15 हजार का इनाम घोषित किया है। अब पुलिस जनपद के सभी थानों व सार्वजनिक स्थलों पर इनकी तस्वीर लगी नोटिस चस्पा कर तलाश कर रही है। इस संदर्भ बलुआ इंस्पेक्टर डॉ. आशीष मिश्रा ने बताया कि ये सभी फरार है। बताने वालों को इनाम की राशि दी जायेगी। उनका नाम पता गुप्त रखा जायेगा।

एसपी ने पुलिसकर्मियों की कराई औचक परेड

चंदौली। महेंद्र टेक्निकल इंटर कॉलेज के मैदान में शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक आदित्य लांग्हे ने परेड की सलामी ली। शारीरिक मानसिक रूप से फिट रहने के लिए पुलिस कर्मियों से दौड़ लगवाई गई। एसपी ने यूपी -112 के वाहनों की गहनता से जांच की। पुलिस कर्मियों ने दंगा नियंत्रण स्कीम का पूर्वाभ्यास किया। एसपी ने पुलिस कर्मियों को विधि विरूद्ध भीड़ को तितर-बितर करने के लिए रबर बुलेट गन, लाठी चार्ज, आंसू गैस के गोले, एंटी राइट गन, टीयर गैस गन, हैंड ग्रेनेड आदि शस्त्रों के संबंध में जानकारी साझा करते हुए बलवा ड्रिल का अभ्यास कराया। पुलिस कर्मियों को दंगाइयों/ बलवाइयों पर एंटी राइट गन, टीयर गैस गन, हैंड ग्रेनेड, टीयर स्मोक सेल आदि के प्रयोग के समय बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में अवगत कराया गया। आम-जन को आश्वस्त कराया गया कि जनपद पुलिस व प्रशासन शांति, सौहार्द व कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है।

अघोरेश्वर अध्यात्म की परम व ईश्वरीय अवस्था

डीडीयू नगर। परम पूज्य अघोरेश्वर भगवान राम जी का 32वां महानिर्वाण दिवस पूज्य माँ श्री सर्वेश्वरी सेवा संघ के प्रांगण में शुक्रवार को मनाया गया। शुक्रवार की प्रातः काल माँ गंगा का पूजन एवं कलश यात्रा निकाली गई। जो अघोरान्ना परो मंत्रो नास्ति तत्वं गुरोरू परम का जाप करते हुए परम पूज्य श्री अघोरेश्वर के चरण पादुका तक पहुंच कर सम्पन्न हुई। इसके बाद परम पूज्य श्री अघोरेश्वर महाप्रभु के शिष्य पूज्य श्री गुरु बाबा और पूज्य श्री अनिल बाबा जी के द्वारा दिग्बन्धन किया गया। उसके पश्चात हवन और खट्वांग कपाल पूजा की गयी। दिन में भंडारे का कार्यक्रम चलता रहा और सायंकाल अघोरेश्वर गुरुकुल के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर विचार-गोष्ठी में पूज्य श्री गुरु बाबा जी ने अपने आशीर्वचन में कहा कि हम लोग शुक्रवार को श्री अघोरेश्वर भगवान राम जी का महानिर्वाण दिवस मनाते हैं। आज के दिन हम अपने गुरुजी अवधूत भगवान रामजी का इस संसार में मानव शरीर रूप में होने का स्मरण करते हैं। अपितु वे अपने हर पूर्व जन्म में किसी न किसी रूप में, किसी न किसी स्थान पर इस धरती पर उपस्थित रहे हैं। उन्होंने मानव शरीर में उपस्थित हो अपने पूर्व जन्मों के सार-तत्वों को चैतन्य कर युवावस्था में ही अघोरेश्वर की अवस्था को प्राप्त किया। अघोरेश्वर अध्यात्म की परम एवं ईश्वरीय अवस्था हैं। मानव जाति की सहायता एवं सही दिशा दिखाने के उद्देश्य से उनका मानव रूप में अवतरण हुआ सपनों की इस संसार में। उनके द्वारा दिखाया गया मार्ग सार्वभौमिक और सभी बाधाओं से परे हैं। जो कोई भी उनके द्वारा दी गई शिक्षा एवं उपदेशों का अनुसरण करने के लिए प्रेरित होता हैं। इस अवसर पर मुख्य रूप से डॉ. आर के सिंह, डॉ. पी. के. सिंह, श्री बी. एन. सिंह, डॉ. अशोक मिश्रा, डॉ राजेश चौहान, ओम प्रकाश सिंह, सुनीता चौहान और श्री अघोरेश्वर गुरुकुल के बच्चे एवं शिक्षकगण उपस्थित थे।

नगर के लोगों पर कहर बरपा रहे बंदर, दहशत में लोग

चंदौली। नगर पंचायत के पूरे क्षेत्र में इस वक्त बंदरों का झुंड लोगों पर अपना कहर बरपा रहे हैं। आलम ये है कि नगर में इस समय बंदरों की संख्या इतनी अधिक है। कि इन बंदरों ने लोगों का जीना दुश्वार कर दिया है। बंदरों के झुंड ने अब तक 50 से अधिक लोगों को काटकर घायल कर चुके हैं। जिसको लेकर पूरे नगर में दहशत का माहौल बना हुआ है। यदि जल्द ही उनका समाधान नहीं हुआ तो किसी बड़ी दुर्घटना से इनकार नही किया जा सकता है। नगर में बंदर घर की छतों पर लगे एंटीना,पानी की टंकी,टीवी की छतरी आदि को नुकसान पहुंचा रहें हैं। इतना ही नहीं उत्पाति बंदरों के डर से लोग छतों पर अपने कपड़े या कोई अन्य सामान नहीं रख पा रहें हैं। छतों पर धूप में खेल रहे बच्चे व महिलाओं पर अचानक हमलावर हो जाते हैं। जिससे वो गिरकर चोटिल हो जाते हैं। लोगों का कहना है कि नगर में बंदर के काटने के कई लोग घायल हो गए हैं। नगर पंचायत अधिकारी व वन विभाग को कई बार इसकी शिकायत की गई। लेकिन विभाग द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। जिसका खामियाजा सभी नगर के लोगों को उठाना पड़ रहा है।

अचेत अवस्था में पड़े अधेड़ की कंदवा पी आर वी ने बचाई जान : कंदवा। थाना क्षेत्र के कन्दवा गांव के पास अचेत अवस्था में विहोश पड़े अधेड़ को पी आर वी 3141कंदवा ने इन्हें सी पी आर दें कर जान बचाई। कंदवा गांव निवासी नारायण राम 50 वर्ष ने किसी कार्य के लिए कंदवा चौराहे पर गया था। लौटते समय कंदवा गांव के पास अचेत अवस्था में विहोश हो गया तभी इस मार्ग से जा रहें पी आर वी 3141कंदवा द्वारा उन्हें देख कर रूक गये तब तक मौके पर ग्रामीणों का काफी भीड़ जूट गई। अचेत अवस्था में विहोश पड़े अधेड़ को पी आर वी कंदवा शैलेन्द्र यादव ने समय रहते सी पी आर दें कर अधेर ब्यक्ति की जान बचाई।

राजनीति को व्यवसायीकरण ठीक नहीं है

सैयदराजा उपचुनाव को लेकर सैयदराजा के पूर्व विधायक ने किया जन संवाद

चंदौली। सैयदराजा नगर पंचायत अध्यक्ष के उपचुनाव के शंखनाथ के साथ ही समाजवादी पार्टी सक्रिय हो गयी है। सैयदराजा में बैठकों के दौर के साथ ही अब स्थानीय लोगों से मुलाकात व संवाद का सिलसिला पर जोर पकड़ने लगा है। इसी कड़ी में सपा के राष्ट्रीय सचिव मनोज सिंह डब्लू ने शुक्रवार की सुबह नगर क्षेत्र में भ्रमण किया।

इस दौरान उन्होंने लोगों से स्थानीय मुद्दों पर बात की। साथ ही नगर पंचायत चुनाव को लेकर जनता के मन-मिजाज को भी टटोला। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रीय लोगों का आह्वान किया कि सैयदराजा नगर के विकास के लिए यह जरूरी है कि जमीन से जुड़े नेता को चुनें। क्योंकि जनता के दर्द को सही मायनों में वही जनप्रतिनिधि समझ सकता है, जो जनता के बीच का हो। जो सर्वसुलभ है और जिससे हम सभी बिना हिचक से मिलकर अपनी समस्याएं गिना सके और जो आपके सुख-दुख का भागीदार हो। कहा कि आज भ्रष्टाचार को इस कदर बढ़ाया दिया जा रहा है, जिससे आम जनता की मुश्किलें हर दिन बढ़ रही है। कतिपय लोगों ने राजनीति का व्यवसायिककरण करने का प्रयास किया है और कर रहे हैं। आगामी चुनाव में सैयदराजा की जनता व्यवसायिक सोच के साथ चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों को नकार संविधान द्वारा प्रदत्त वोट के अधिक की ताकत का ऐहसास कराएं। कहा कि आज संविधान की बुनियाद को क्षति पहुंचाने का षड्यंत्र हो रहा है, ताकि देश की जनता को फिर से गुलाम बनाया जा सके। लिहाजा इस षड्यंत्र को नाकाम करने में भागीदार बने और एकजुट होकर धन बल और बाहुबल को नकारें। इस अवसर पर संदीप बरनवाल, अजीत केशरी, रविन्द्र जायसवाल, मंसूर अंसारी, रामानंद यादव, समीर अंसारी, संतोष उपाध्याय आदि उपस्थित रहे।

15 वर्षों से मिल रहा सिर्फ आश्वासन

डीडीयू नगर। नगर स्थित फल सब्जी व्यवसायी वेलफेयर एसोसिएशन कार्यकारिणी की बैठक कैंप कार्यालय पर किया गया। बैठक में स्थाई फल सब्जी मंडी के लिए चर्चा किया गया। बैठक में कहा गया कि लगभग 15 वर्षों से फल सब्जी मंडी की मांग करते आ रहे हैं। आज तक मंडी नहीं बन पाया ।अध्यक्ष चौधरी नारायण प्रसाद सोनकर ने कहा कि पत्रक के माध्यम से अनेकों बार शासन प्रशासन को अवगत कराया गया। आज तक केवल आश्वासन मिलता रहा।आज रोड चौड़ीकरण होना है न मंडी बना और न ही वेडिंग जोन बना हजारों व्यवसायियों के रोजी रोटी पर खतरा पैदा हो गया है। जिससे व्यवसाई में जबरदस्त रोष व्याप्त है। व्यवसायियों ने विचार व्यक्त किए की शासन प्रशासन हम लोगों की समस्याओं का जल्द से जल्द निवारण हेतु तत्परता से कार्य कराये। जो जनहित का मुद्दा भी है। अन्यथा व्यापारी मजबूरी में हाईकोर्ट के शरण में जाएंगे। बैठक में महेंद्र प्रसाद सोनकर, विष्णु प्रसाद सोनकर, बृजमोहन प्रसाद, राजकुमार सोनकर मनोज जायसवाल, असगर अली, रामबाबू सोनकर आदि लोग मौजूद रहे।

संक्षेप समाचार...

तीन दिवसीय योग विज्ञान शिविर आरंभ

डीडीयू नगर। पतंजलि योग पीठ एव भारत स्वाभिमान न्यास, के तत्वावधान में आज ३दिवसीय योग विज्ञान शिविर श्री अहिरा बाबा ग्राम बरौली जन्सो की मड़ई मे जिला मुख्य संयोजक योगाचार्य श्री राजेश योगी जी के द्वारा शुभारम्भ किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि आज जहा जीवन के मुल आधार अन्न जल वायू दूषित हो चुके है। ऐसी स्थिति में निरोगी जीवन जीना एक चायलेन्ज है। स्वस्थ तन, स्वस्थ मन स्वस्थ बुद्धि के लिए एक मात्र औषधि योग है। जो नि:शुल्क और शुद्ध है। इसको अपने नित्य दिनचर्या मे शामिल कर स्वास्थ्य व जीवन सफल बनाये। आसन, प्राणायाम, व्यायाम क्रिया कर के उसका लाभ भी बताए कार्यक्रम आयोजकों मे श्री ओम प्रकाश जायसवाल, त्रिभुवन विन्द, सुनिल, मुन्ना सिंह, राम जनम पाल, विनोद सिंह, अशोक विन्द, राजू विन्द, जोगेन्द्र पाल, फुल चन्द बिन्द, बसन्त लाल, विजय आदि रहे।

प्रायोजित हिंसा के खिलाफ कल होगा प्रतिवाद मार्च

चंदौली। पिछले दिनों 24 नवंबर को संभल में राज्य प्रायोजित हिंसा हुई। जिसके लिए भाजपा प्रदेश की सरकार और आरएसएस सीधे तौर पर जिम्मेदार है। इस राज्य प्रायोजित हिंसा में पुलिस की गोलियों से पांच मुस्लिम नौजवानों की हत्या हुई। दंगा भड़काने की कोशिश की गई। पांच लोगों की हत्या के बावजूद पूरे मुस्लिम समाज के ऊपर फर्जी मुकदमे दायर किए गए। उक्त बातें भाकपा माले के जिला सचिव कामरेड अनिल पासवान ने कही उन्होंने कहा की राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित हिंसा के खिलाफ भाकपा (माले) के राज्यव्यापी आह्वान पर 30 नवंबर को जिला मुख्यालय पर सैकड़ो की संख्या में भाकपा (माले) कार्यकर्ता बिछिया धरना स्थल पहुंचेंगे और जिलाधिकारी कार्यालय तक मार्च कर राष्ट्रपति के नाम 7 सूत्रीय ज्ञापन सौंपेंगे।

शराब तस्कर गिरफ्तार

डीडीयू नगर। स्थानीय रेलवे स्टेशन पर रुटीन चेकिंग के दौरान प्लेटफार्म नंबर 1/2 पर राजकीय रेलवे पुलिस ने एक ट्राली में देशी शराब के साथ एक व्यक्ति को पकड़ा। पुलिस ने उसके खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत मुकदमा पंजीकृत कर जेल भेज दिया। बिहार प्रदेश के दानापुर जिले के पुलिस कॉलोनी लेन नंबर 1 निवासी तरुण राजपूत मुगलसराय से देसी शराब खरीद का बिहार जा रहा था तभी चेकिंग के दौरान राज की रेलवे पुलिस ने उसे पड़कर जेल भेज दिया।

तीन दिवसीय योग विज्ञान शिविर हुआ समापन

नियामताबाद। पतंजलि योग समिति एव भारत स्वाभिमान न्यास के तत्वावधान मे तीन दिवसीय नि:शुल्क योग विज्ञान शिविर बरहुली में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर आरपी सिंह अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक रेलवे व विशिष्ट अतिथि डॉ विनय वर्मा, इंद्रजीत शर्मा रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉक्टर आर पी सिंह ने कहा कि योग से पूरी दुनिया में ऊर्जा का संचार हुआ है आजकल दिनचर्या में लोग योग को विशेष महत्व देते हैं। वहीं स्वास्थ्य में भी अच्छा सुधार आया है। योग को सीखने की अलख अब गांवों में भी पहुंच चुकी है। करें योग रहे निरोग का नारा अब जन जन में देखने को मिल रहा है। वहीं जिला मुख्य संयोजक योगाचार्य राजेश योगी ने ग्राम बरहुली के सभी सम्मानित पदाधिकारियों का गठन करते हुए संकल्प दिलाया कि अपने अपने दायित्व के प्रति समर्पित भाव से योग सेवा नि: स्वार्थ, नि:शुल्क करना है। ग्राम प्रभारी त्रिभुवन,मंत्री सुनील गुप्ता, वरिष्ठ सरक्षक ओम प्रकाश जायसवाल, योग शिक्षक मुन्ना सिंह, युवा प्रभारी राजू बिन्द, किसान प्रभारी राम जनम पाल सहित रमेश पाल शंकर पाल, रमेश पासवान, इत्यादि रहे। कार्यक्रम का समापन जिला संगठन मंत्री ब्रिजेश कुमार बिन्द ने किया।

पत्रकार ने पुत्र के जन्मदिन पर किया रक्तदान

चंदौली। जन सहयोग संस्था के सदस्य व रक्तदान के क्षेत्र में बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाने वाले पत्रकार शमशाद अंसारी ने अपने पुत्र असद इब्राहिम के दूसरे जन्मदिन अवसर पर शुक्रवार को 16वीं बार रक्तदान दिया। इस दौरान उन्होंने जन सहयोग संस्था के अध्यक्ष अजीत कुमार सोनी व अंकित सिंह ब्लड बैंक चंदौली में उपस्थित होकर हौसला बढ़ाया। वहीं समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता दिलीप पासवान भी इस मौके पर मौजूद रहे। शमशाद अंसारी ने रक्तदान को अपने पुत्र के जन्मदिन जैसे अवसर को समर्पित किया। कहा कि इस प्रयास से जरूरतमंदों की मदद होगी। साथ ही लोगों की दुआएं भी मेरे पुत्र को मिलेंगी। इस दौरान अध्यक्ष अजीत कुमार सोनी ने कहा कि रक्तदान को बढ़ावा देने के लिए संस्था निरंतर प्रयास कर रही है। तमाम पावन व शुभ अवसरों पर लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया जा रहा है, जिसका सकारात्मक असर जनपद चंदौली में देखने को मिल रहा है। फिलहाल संस्था से जुड़े पदाधिकारी व उनके सदस्यों तथा परिवार व रिश्तेदार जन्मदिन व अन्य शुभ अवसरों पर रक्तदान कर समाज को प्रेरित करने का काम कर रहे हैं।

हथियानी विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष रामाज्ञा

चंदौली। विद्यालय प्रबंध समिति का नवीन गठन हेतु शुक्रवार को कंपोजिट स्कूल हथियानी में बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान रामाज्ञा तिवारी को अध्यक्ष एवं विजय कुमार को उपाध्यक्ष के रूप में सभी सदस्यों एवं अभिभावकों ने सर्वसम्मति से चुना। इस दौरान सचिव बीपी सिंह ने विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का माल्यार्पण कर स्वागत किया। साथ ही नवीन चयनित टीम से विद्यालय के विकास में अहम योगदान देने की मंशा अभिव्यक्त की। कहा कि विद्यालय का विकास, यहां पढ़ने वाले बच्चों का विकास है। लिहाजा इसमें सभी लोग मिलकर योगदान दें, ताकि हथियानी कंपोजिट स्कूल में पढ़ने वाले बच्चे आगे चलकर सफलता को स्पर्श करें, जिससे हथियानी का नाम रौशन हो सके। इस अवसर पर अजीत सिंह, सउद, रविन्द्र मिश्र, स्वाति, दीया, नीलम, निधि, ममता, सरिता आदि उपस्थित रहे।

किसानों की बैठक में हंगामा

शौर्य न्यूज इंडिया

नियामताबाद। क्षेत्र के सरेसर गांव स्थित हिंदुस्तान पेट्रोलियम के विस्तारीकरण को लेकर लगभग 200 किसानों से 21 बीघा जमीन अधिग्रहण किया जाना प्रस्तावित है। इसको लेकर कई बार अधिकारियों द्वारा बैठक के माध्यम से किसानों से सहमति बनाने का प्रयास किया गया। एक बार फिर शुक्रवार को पंचायत भवन के प्रांगण में किसानों के साथ बैठक की गई। बावजूद इसके कोई सहमति नहीं बन पाई। किसानों के आक्रोश के आगे अधिकारियों को मांग पत्र लेकर वापस लौटना पड़ा।

क्षेत्र के हिंदुस्तान पेट्रोलियम के साथ-साथ इंडियन ऑयल व भारत पेट्रोलियम पहले से स्थापित है। जिसमें सरेसर गांव के तमाम किसानों की जमीन अधिग्रहण हो चुकी है। एक बार फिर हिंदुस्तान पेट्रोलियम के विस्तारीकरण के लिए जमीन अधिग्रहण की जानी है। जिसको लेकर कई बार किसानों के साथ अधिकारियों की बैठक की गई। लेकिन कोई सहमति नहीं बन पाई। एक बार फिर शुक्रवार को पंचायत भवन के प्रांगण में एसडीएम न्यायिक विकास मित्तल की अध्यक्षता में की गई। जिसमें यहां की बैठक किसानों के हंगामा की भेंट चढ़ गई। किसानों ने प्रभावित किसान के परिवार को नौकरी, 2013 एक्ट के तहत मुआवजा पहले से अधिग्रहण की गई जमीन का तत्काल मुआवजा के अलावा हाईकोर्ट में चल रहे मुकदमा को वापस करना सहित चार सूत्री मांगों को लेकर किसानों ने पत्रक सौपा। किसानों का आरोप है कि यहां की जमीन आवासीय है। जबकि सरकार द्वारा कृषि रेट के हिसाब से मात्र 280000 विश्वा के हिसाब से दिया जा रहा है। जबकि यहां 10 से 12 लाख रुपए विश्वा जमीन खुले बाजार में बिक रही है। अगर हम लोगों की मांगे पूरी नहीं की गई तो हम लोग जान देंगे पर जमीन नहीं देने की दर तर्ज पर आगे की लड़ाई लड़ने का काम करेंगे। बैठक में मुख्य रूप से हिंदुस्तान पेट्रोलियम के प्रबंधक, परिचालक आकाश शांडिल्य, नायब तहसीलदार अमित कुमार, ब्लॉक से जेई सीएमआई चंद्रशेखर सिंह, लेखपाल अविनाश कुमार, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि भानु प्रकाश यादव, श्याम नारायण यादव, पूर्व प्रधान रामविलास यादव, शीतल यादव, पंकज गुप्ता, दशरथ गुप्ता, तिलकधारी यादव ,राजाराम यादव, पारस, मुन्नीलाल ,सतीश गुप्ता, फूलचंद, उदय मौर्य, उमाशंकर मौर्य सहित सैकड़ो किसान मौजूद रहे।

नगर पंचायत अध्यक्ष पद के लिए पांच ने भरा पत्र

चंदौली। नगर पंचायत सैयदराजा के अध्यक्ष पद के लिए शुक्रवार को दूसरे दिन भी कलेक्ट्रेट में नामांकन पत्र की खरीदारी की गई। नगर पंचायत अध्यक्ष पद के भले ही चुनाव के सर गर्मी तेज हो, लेकिन इसका असर अभी दिखाई नहीं दे रहा है। अब तक कुल चार लोगों की ओर से पांच नामांकन पत्र खरीदे गए। जनपद में नगर पंचायत अध्यक्ष के निधन के बाद नगर पंचायत अध्यक्ष सैयदराजा का पद रिक्त हो गया है। उक्त अध्यक्ष पद के लिए चुनाव कराने के लिए शासन की ओर से अधिसूचना जारी कर दी गई है। लेकिन अब तक किसी ने नामांकन नहीं किया है। हालांकि दूसरे दिन भी किसी संभावित उम्मीदवार ने अपना नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया। सैयदराजा नगर पंचायत के अध्यक्ष पद के लिए जिला प्रशासन की ओर से चुनाव की अधिसूचना जारी करने के बाद चुनावी माहौल गरमा गया है। सत्ता पक्ष के साथ प्रमुख विपक्षी पार्टियों की ओर से अपने उम्मीदवार उतारने को लेकर गहमा गहमी बढ़ गई है।

सात दिसंबर को साइंस एग्जीबिशन कार्यक्रम

नियामताबाद। साइंस एग्जीबिशन का कार्यक्रम का आयोजन एस एस गुरुकुलम एकेडमी जमालपुर में 7 दिसंबर को आयोजित किया गया है। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर राकेश शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम के तहत बच्चों को हम यह संदेश देने का प्रयास करते हैं कि बच्चे विज्ञान के प्रति रुचि रखें जिससे कि वैज्ञानिक सोच, खोज, लगन व उत्साह से किसी भी किसी भी कार्यक्रम में अच्छा प्रदर्शन करने का मौका मिले, विद्यालय परिवार की तरफ से अध्ययनरत बच्चों को विद्युत चुंबकीय प्रेरण, ऊर्जा संरक्षण, पर्यावरण, जंतु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान व खाद्य श्रृंखला सहित विभिन्न प्रकार के मॉडल प्रदर्शित करने के बारे में उनका जानकारियां देते हैं मुख्य अतिथि के रूप में काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर राजेश कुमार शर्मा उपस्थित होंगे सइस आशय की जानकारी विद्यालय के प्रबंधक बी,एन यादव ने मीटिंग के दौरान दी। इस अवसर पर विद्यालय के सीनियर कोऑर्डिनेटर बबलू पांडे ,मृत्युंजय मिश्रा,अमित पांडे, दिव्या सोनकर, शुभम सिन्हा, शिवांगी, आसमा खातून, पुष्पा विश्वकर्मा, शीला यादव, ज्योत्स्ना पांडे निशा सिंह व श्रेष्ठ अग्रवाल उपस्थित रहे।

मानव जीवन के लिए करें रक्तदान, निफा ने चलाया अभियान

चंदौली। पं. दीन दयाल उपाध्याय नगर में नेशनल इंटीग्रेटेड फोरम ऑफ आर्टिस्ट्स एंड एक्टिविस्ट्स (निफा) चंदौली के जिलाध्यक्ष और 15 वर्षों से समाज सेवा में जुड़े हुए, 31 बार के रक्तदाता सतनाम सिंह (सोशल ऐक्टिविस्ट) और एचडीएफसी बैंक मुगलसराय शाखा के प्रबंधक अंकित त्रिपाठी, जो कई वर्षों से समाज सेवा के क्षेत्र में समर्पित हैं, के नेतृत्व में आयोजित रक्तदान शिविर अत्यंत सफल रहा। इस शिविर का संयुक्त सहयोग एचडीएफसी बैंक द्वारा प्राप्त हुआ।

शिविर में 25 लोगों ने पंजीकरण किया, जिनमें से 21 लोगों ने सफलतापूर्वक रक्तदान किया। विशेष रूप से, रवनीत सिंह (ड निगेटिव रक्तदाता), जो एक अत्यंत दुर्लभ रक्त समूह है, ने रक्तदान किया। इसके अलावा, धर्मेंद्र कुमार तिवारी, मुकेश जायसवाल, विनोद कुमार, अंकित श्रीवास्तव, मुकेश अग्रवाल, पवन कुमार जायसवाल, अलमास अफताब, गुरबीर सिंह, गुरप्रीत सिंह सोनू, गुरदीप कौर और अन्य सम्मानित रक्तदाताओं ने भी इस पुण्य कार्य में अपना योगदान दिया।

इस रक्तदान शिविर में एकत्र किया गया रक्त विशेष रूप से कैंसर रोगियों को उनकी मदद के लिए प्रदान किया जाएगा। होमी बाबा कैंसर हॉस्पिटल और महामना पंडित मदन मोहन मालवीय कैंसर सेंटर वाराणसी (जो टाटा मेमोरियल सेंटर मुंबई की इकाइयाँ हैं) की टीम ने इस रक्तदान में मेडिकल सपोर्ट प्रदान किया और रक्त की इकाइयाँ एकत्र की।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि सीएमओ चंदौली श्री युगल किशोर ने बच्चों से व्यक्तिगत रूप से एक-एक करके बातचीत की और उनके सवालों के जवाब दिए। उन्होंने रक्तदान के महत्व को समझाया और बच्चों को इस दिशा में प्रेरित किया। उन्होंने यह भी कहा कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी जनसंख्या वाला देश है, लेकिन रक्तदान में हम बहुत पीछे क्यों हैं? उन्होंने युवाओं को प्रेरित किया कि वे इस जागरूकता अभियान का हिस्सा बनें, रक्तदान के लाभों को फैलाएं और समाज में इसके प्रति जागरूकता बढ़ाएं।

इस आयोजन में विशिष्ट अतिथि के रूप में एसडीएम अविनाश कुमार, डॉ. डीपी सिंह (पूर्व मुख्य चिकित्सा निदेशक) ने भी अपना सहयोग दिया। इस कार्यक्रम में चंद्र भूषण मिश्रा (पिता संस्था के संरक्षक), आशुतोष सिंह, धनंजय सिंह, अंकित कुमार पांडेय, मनोज श्रीवास्तव, चढ़दीकला कार सेवा संस्था के सदस्य मनमीत सिंह राजन, बलबीर सिंह लकी, सुरजीत सिंह, रोहित सचदेवा भी उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि एसडीएम अविनाश कुमार ने रक्तदान के महत्व पर प्रकाश डाला और इस सामाजिक पहल की सराहना की। उन्होंने रक्तदान को एक महान कार्य बताया और समाज में इसके महत्व को फैलाने के लिए सभी को प्रेरित किया। डॉ. डीपी सिंह जी (पूर्व मुख्य चिकित्सा निदेशक) ने भी इस अभियान को समर्थन दिया और बताया कि रक्तदान से जुड़े जागरूकता कार्यक्रम उनके स्थान पर आयोजित किए गए हैं। अगला रक्तदान शिविर फरवरी 2025 में आयोजित किया जाएगा। हम सभी से इस नेक कार्य में पुनः शामिल होने और इसे और अधिक सफल बनाने की अपील करते हैं।

सड़क हादसे में युवती की मौत, आधा दर्जन घायल

बाइक सवार को बचाने में पलटी सवारियों से भरी ऑटो, पुलिस ने सभी को भिजवाया अस्पताल

बेल्थरारोड। उभांव थाना क्षेत्र के बेल्थरारोड-नगरा राजमार्ग पर मालीपुर में शुक्रवार की प्रातः करीब 8.30 बजे नौरंगिया मोड़ के पास बाइक सवार को बचाने में सवारियों भरा टेम्पो पलट गया। इससे जहां करीब आधा दर्जन लोग चोटिल हो गए, वहीं शिल्पा मौर्या (21) की मौत हो गई। घटना के बाद हाहाकार मच गया। आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे और चोटिलों को टेम्पो से बाहर निकालकर एंबुलेंस से उनको सीएचसी सीयर पहुंचाया। इधर, घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल में जुट गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, घटना के बाद टेम्पो चालक फरार हो गया।

जानकारी के अनुसार नगरा की तरफ से सवारी लेकर टेम्पो चालक बेल्थरारोड के लिए चला था। मालीपुर में नौरंगिया मोड़ पर एक बाइक को बचाने में टेम्पो कई बार पलट गई। घटना होते ही चीख-पुकार मच गई। आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे और चोटिलों को टेम्पो से बाहर निकाल कर एंबुलेंस से सीएचसी सीयर पहुंचाया। चिकित्सक ने जहां भीमपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम शंकरपुर मझौवा निवासी चोटिल ओमप्रकाश गोंड (45) पुत्र रामाशंकर गोंड तथा वशिष्ठ गोंड (20) पुत्र रामप्रताप को प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया, वहीं जांचोपरांत कुमारी शिल्पा मौर्या (21) पुत्री विक्रमा मौर्य निवासी ग्राम छितौनी गौवापार, थाना नगरा को मृत घोषित कर दिया। मृतका अपनी तीन बहनों में दूसरे स्थान पर थी। अन्य घायलों में कालेज जा रही कु. प्रीति (17) पुत्री रमेश निवासी ग्राम परसिया, सानिया परवीन (16) निवासी मोहम्मदपुर परसिया, आलिया खातून (17) पुत्री मो. समीर निवासी मोहम्मदपुर परसिया को नगरा पीएचसी में उपचार के लिए रवाना किया गया। मृतका के भाई विकास मौर्य ने बताया कि बेल्थरारोड में किसी व्यावसायिक प्रतिष्ठान पर नित्य की भांति काम करने के लिए शिल्पा घर से निकली थी। घटना की सूचना पाकर विकास मौर्य अपनी मां मीरा देवी को लेकर अस्पताल पहुंचे। पिता विक्रमा मौर्य गुजरात में इलेक्ट्रिशियन की नौकरी करते है। घटना के बाद परिजनों में हाहाकार मच गया। मृतका के मां का रोते-रोते बुरा हाल हो गया है।

इलाज के दौरान सड़क दुर्घटना में घायल युवक की मौत : बांसडीह। बलिया-बांसडीह मार्ग पर शिवरामपुर चट्टी के पास बीते 22 नवंबर को सड़क दुर्घटना में घायल युवक की गुरुवार रात वाराणसी ट्रामा सेंटर में उपचार के दौरान मौत हो गयी। मृतक नीतीश चौबे बाइक से विगत 22 नवंबर को बांसडीह से अपने दोस्त संदीप राजभर के साथ टंडवा अपने घर जा रहा था। इसी बीच शिवरामपुर चट्टी पर बलिया की तरफ से आ रही तेज रफ्तार टेंपो से उसकी भिड़ंत हो गयी। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद उसे सीएचसी बांसडीह से जिला चिकित्सालय बलिया रेफर किया गया, जहां से उसे गंभीर हालत में वाराणसी ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। वहां उसका इलाज चल रहा था। इसी दौरान गुरुवार की रात उसकी उपचार के दौरान ही मौत हो गयी। युवक की मौत की खबर गांव पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया।

योजना से बालिकाओं को करें लाभांवित

मऊ। मुख्य विकास अधिकारी प्रशांत नागर की अध्यक्षता में महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना की मासिक समीक्षा बैठक विकास भवन सभागार में संपन्न हुई। बैठक के दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी डॉक्टर श्वेता त्रिपाठी ने महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। जिसमें उन्होंने बताया कि समेकित बाल संरक्षण योजना के अंतर्गत 195 आवेदन स्वीकृत किया गया है, तथा उप जिलाधिकारी एवं खंड विकास अधिकारियों के स्तर पर 342 आवेदन सत्यापन हेतु लंबित है। उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना के अंतर्गत जिला प्रोबेशन अधिकारी ने बताया कि 31 आवेदनों को स्वीकृति हो चुकी है तथा उप जिलाधिकारी एवं खंड विकास अधिकारी स्तर पर 75 आवेदन एवं 66 आवेदन जिला प्रोबेशन कार्यालय स्तर पर लंबित है। इसी प्रकार मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना के अंतर्गत उन्होंने बताया कि इस योजना के प्रारंभ से अब तक 51434 आवेदनों के सापेक्ष 27412 आवेदनों को निदेशालय महिला कल्याण उत्तर प्रदेश लखनऊ को अग्रसारित किया जा चुका है तथा 23184 आवेदनों को संबंधित उप जिलाधिकारी एवं खंड विकास अधिकारी द्वारा सत्यापन कर अपात्र किया गया। इसके अलावा 209 आवेदन सत्यापन हेतु उप जिलाधिकारी एवं खंड विकास अधिकारी स्तर पर लंबित बताया गया।

मुख्य विकास अधिकारी ने जिला प्रोबेशन अधिकारी को निर्देश दिए कि संबंधित उप जिलाधिकारी एवं खंड विकास अधिकारियों से समन्वय स्थापित करते हुए लंबित आवेदनों का सत्यापन करना सुनिश्चित करें। इसके अलावा मुख्य विकास अधिकारी ने जिला प्रोबेशन अधिकारी को निर्देशित किया कि बाल संरक्षण समिति के साथ नियमित बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश जारी करते रहने को कहा। पति की मृत्यु हो जाने पर निराश्रित पेंशन योजना के अंतर्गत जनपद में 26589 महिलाओं को पेंशन दिलाकर लाभान्वित किया जा रहा है। वन स्टाप सेंटर के अंतर्गत संध्या सिंह वन स्टाफ सेंटर मैनेजर ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत माह अप्रैल 2024 से नवंबर 2024 तक कुल 314 प्रकरण प्राप्त हुए जिसमें सभी प्रकरणों का निस्तारण कर दिया गया है। बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष रुद्र प्रताप ने बताया कि समिति द्वारा माह जनवरी 2024 से अक्टूबर 2024 तक समिति के समक्ष 233 बच्चे, जिसमें 28 बालक व 205 बालिका प्रस्तुत हुए। जिसमें कुल 232 को बाल हित परिवार में समायोजित किया गया।

तीन लाख 90 हजार बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाने का लक्ष्य

मीरजापुर। जनपद में सघन पल्स पोलियों का अभियान 08 से 16 दिसम्बर तक चलेगा। जिला महिला चिकित्सालय में नवजात शिशुओं को पोलियो ड्राप पिलाकर अभियान का शुभारम्भ होगा। अभियान की शत प्रतिशत सफलता के लिये रणनीति बनाने के लिए अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डाक्टर अनिल कुमार ओझा की अध्यक्षता में सीएमओ कार्यालय स्थित विवेकानन्द सभागार में जिला टास्क फोर्स की बैठक हुई।

बैठक में जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉक्टर अनिल कुमार ओझा ने बताया कि शून्य से पांच वर्ष तक के कुल तीन लाख नब्बे हजार बच्चों को इस दौरान पोलियो ड्राप पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। जनपद में कुल 1862 पोलियों बूथ बनाये गये हैं। इस अभियान में पांच लाख घरों पर निर्धारित छह दिनों तक पोलियों टीम घर घर सम्पर्क करके छूटे हुये बच्चों को पोलियो ड्राप पिलाने का कार्य करेगी। इसके लिए कुल 65 ट्राजिट व मोबाइल टीम का गठन किया गया है। स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा रोडवेज, रेलवे स्टेशन, ईट भट्ठो, टैम्पों स्टैण्ड एवं मुख्य चैराहों पर पोलियो का खुराक पिलाने का कार्य किया जायेगा। इसके लिए कुल 7772 स्वास्थ्य कर्मी एवं 257 पर्यवेक्षक लगाये गये हैं, अभियान की निगरानी के लिए पर्यवेक्षकों की तैनाती की गई है। यूएनडीपी के मायाशंकर मिश्र ने बताया कि पोलियो अभियान को सफल बनाने के लिए विभाग की ओर से 8 अपर मुख्य चिकित्साधिकारियों व प्रभारी चिकित्साधिकारियों को जिम्मेदारी सौंप दी गई है। पोलियो ड्राप सभी 19 सामुदायिक केन्द्रों व 53 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर पर्याप्त मात्रा में व्यवस्था कर दी गई है। जहां पर स्वास्थ्य कर्मियों की टीम के अलावा पहुंचने वाले बच्चों को पोलियों ड्राप पिलाने के लिए एक सीनियर स्टाफ की भी तैनाती की गई है।

दर्दनाक हादसे में पिता की मौत, बेटी घायल

अतरौलिया (आजमगढ़)। स्थानीय थाना क्षेत्र के केसरी चैक के समीप बेटी को बाइक से घर लेकर जा रहा व्यक्ति पिकअप की चपेट में आ गया जिससे उसकी मौत हो गयी। बाइक पर पीछे बैठी बेटी के सिर में चोट आयी। घटना के बाद चालक पिकअप लेकर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अन्त्य परीक्षण के लिए भेज दिया। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

अतरौलिया थाना क्षेत्र के भिउरा गांव निवासी गदाधर तिवारी 50 वर्ष पुत्र चिंतामणि तिवारी अपनी बेटी को बाइक से लेकर घर जा रहे थे। केसरी चैक के समीप लगभग 12 बजे दिन में अंबेडकर नगर की तरफ से आ रही तेज रफ्तार अज्ञात पिकअप ने टक्कर मार दी और उनके ऊपर चढ़ गयी। मौका देख पिकअप सवार फरार हो गया जबकि बाइक पर पीछे बैठी उनकी पुत्री पल्लवी के सिर में चोट आई है। सूचना मिलते ही मौके पर थानाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार सिंह भी पहुंच गए और घायल को नजदीकी सौ शैय्या अस्पताल पहुंचाया जहां डाक्टरों ने गदाधर तिवारी को मृत घोषित कर दिया। मृतक के पास दो लड़के विक्रांत, सत्यम व एक लड़की पल्लवी है। मृतक तीन भाइयों में बीच के थे तथा घर पर रहकर खेती-बाड़ी का कार्य देखते थे। पत्नी सुषमा समेत

परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। मृतक के पुत्र की तरफ से अज्ञात के खिलाफ थाने में तहरीर दे दी गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

जमीन की खातिर अपनों ने रेत दिया वृद्ध का गला : आजमगढ़। रानी की सराय थाना क्षेत्र में 26 नवंबर को हुई वृद्ध की गला रेतकर हत्या मामले का पुलिस ने शुक्रवार को राजफाश किया। हत्या में शामिल पत्नी और बहू सहित चार लोगों को गिरफ्तार कर लिया। अपनों द्वारा ही जमीन की लालच में हत्या की घटना को अंजाम दिया गया था। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त चाकू बरामद कर लिया है।

अपर पुलिस अधीक्षक नगर शैलेंद्र लाल ने बताया कि 26 नवंबर को रानी की सराय थाना में चंद्रकला देवी पत्नी मणिलाल यादव निवासी चकसेठवल ने प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उनके पति नशे के आदी थे और पुश्तैनी जमीन को बेचते थे। जिसमें परिवार व जमीन खरीदारों से रंजिश चल रही थी। इसी बात को लेकर अज्ञात व्यक्तियों ने उनके पति की हत्या कर दी। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी। पुलिस की विवेचना में सुभाष यादव निवासी काजीभीटी, रवि यादव निवासी चक सेठवल, रवि यादव की पत्नी चंदना यादव निवासी चक सेठ सेठवल, चंद्रकला देवी पत्नी स्व. मणिलाल यादव निवासी चक सेठवल का नाम प्रकाश में आया।

पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि मृतक मणिलाल अपनी पैतृक संपत्ति बेचकर शराब पीता और पिलाता था और अपने ऊपर खर्च करता था। इसी कारण हम लोगों में विवाद होता था। शेष जमीन को बचाने की नीयत से 26 नवंबर को मृतक की पत्नी चंद्रकला देवी शेष जमीन को अपने नाम से बैनामा कराना चाहती थी। जिसका मृतक मणिलाल ने विरोध किया और रजिस्ट्री करने के लिए सहमत न होने पर मणिलाल की पत्नी चंद्रकला, पुत्र रवि यादव व बहू चंदना यादव तथा साला सुबाष यादव ने शेष जमीन को बचाने और चंद्रकला के नाम स्थानांतरित कराने के उद्देश्य से हत्या करने का फैसला कर लिया।

संक्षेप समाचार...

युवक की मौत के बाद ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

गाजीपुर। शहर कोतवाली के मिश्रौलिया निवासी विशाल की मौत को लेकर शुक्रवार की सांय परिजनों को गुस्सा फुट पड़ा। रौजा तिराहे पर पुलिस की लापरवाही एवं जांच की मांग को लेकर परिजनों सहित ग्रामीण चक्का जाम कर प्रदर्शन करने लगे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को समझा-बुझाकर शांत कराया। परिजनों का आरोप है कि ठेकेदार ने विशाल की हत्या किया है। मालूम हो कि मिश्रौलिया (पंचवटियां) गांव निवासी विशाल बिंद (19) शटरिंग का काम करता था। वह सुबह 11 बजे काम के लिए काली नगर कॉलोनी गया था। दोपहर में वहीं उसका शव फंदे से लटकता मिला। घटना की जानकारी होने पर मृतक के पिता जितेंद्र बिंद, मां पुष्पा देवी रोते- बिलखते मौके पर पहुंचे। मौत के कारण का अभी पता नहीं चल सका है।

ज्योति ने यूजीसी-जेआरएफ परीक्षा उत्तीर्ण की

जमानियाँ। स्टेशन बाजार स्थित हिन्दू पीजी कालेज की छात्रा ज्योति सिंह ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की यूजीसी-जेआरएफ की परीक्षा उत्तीर्ण कर गुरुजनों के सपनों को साकार करते हुए विद्यालय सहित क्षेत्र का मान बढ़ाया। क्षेत्र के ग्राम बहादुरपुर निवासी प्यारेलाल सिंह की पुत्री ज्योति सिंह ने स्नातक की परीक्षा स्टेशन बाजार के हिन्दू पीजी कालेज से उत्तीर्ण कर बीएचयू से अंग्रेजी विषय में परास्नातक करने के बाद दो बार नेट की परीक्षा उत्तीर्ण कर जून 2024 में आयोजित जेआएफ की परीक्षा में सफलता प्राप्त कर क्षेत्र सहित कालेज का मान बढ़ाया। आपको बता दें कि वर्तमान समय में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से पीएचडी कर रही है। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने शिक्षकों, शुभचिन्तकों और परिजनों को दिया है। उनका लक्ष्य एक प्रोफेसर के रूप में उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कार्य करने की है। हिन्दू पीजी कॉलेज के अंग्रेजी शिक्षक डॉ. राकेश सिंह ने पुरा छात्रा के उज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि इस सफलता से विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को एक नई उर्जा मिलेगी तथा बेहतर भविष्य का निर्माण होगा।

थानाध्यक्ष ने नहीं लिखा एफआईआर, एसपी से गुहार

गाजीपुर। रामपुर मांझा थाना क्षेत्र के बासूचक निवासी अरविंद सिंह ने बीते 23 नवंबर को हुए मारपीट के मामले में अब तक मुकदमा नहीं लिखे जाने पर शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाई है। अरविंद सिंह ने बताया कि बासूचक में मेरी आबादी की पुस्तैनी जमीन है। जिस पर 40 वर्षों से छप्पर व टीन शेड डालकर रहन सहन के रूप में प्रयोग करता आ रहा हूं। बीते शनिवार को ग्राम प्रधानपति राकेश सिंह व उनके परिवार के लोग मेरी जमीन जबरदस्ती कब्जा करने लगे। जब मेरी भाभी शर्मा उम्र 60 वर्ष मना करने गई तो उनके साथ गाली गलौज करने लगे और मारपीट कर घायल कर दिया। बीच बचाव में मुझे भी लात घुसों से जमकर पीट दिया। जब थानाध्यक्ष को मारपीट का मुकदमा दर्ज करने के लिए प्रार्थना पत्र दिया तो उल्टा मुझ पर ही मुकदमा करने की धमकी देकर व डांटकर भगा दिया। उन्होंने बताया कि पूरे मारपीट की घटना वहां लगे सीसीटीवी में कैद है। आरोप लगाया कि थानाध्यक्ष विपक्षी के साथ मिले हुए है। बतादें, उप जिलाधिकारी न्यायिक सैदपुर ने मुकदमे में प्रधानपति के दादा सूर्यबली सिंह द्वारा कब्जे की जमीन को ये कहते हुए निरस्त कर दिया कि यह मामला सिविल न्यायालय का है। बावजूद 23 नवम्बर को प्रधानपति ने अपने परिवार के साथ जबरदस्ती जमीन कब्जा करने लगे। अरविंद ने पुलिस अधीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर मारपीट में शामिल लगभग आधा दर्जन लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर दिया है।

गाजीपुर हैंडबॉल संघ के चेयरमैन बने विपिन बिहारी

रेवतीपुर। स्थानीय गाँव निवासी एवं बीएसडी पब्लिक स्कूल के प्रबंधक विपिन बिहारी राय को उत्तर प्रदेश हैंडबाल संघ ने गाजीपुर हैंडबाल संघ का चेयरमैन नियुक्त किया है।इसकी जानकारी इलाके के खेल प्रेमियों और ग्रामीणों सहित परिजनों को हुई तो सभी खुशी में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। लोगों अपने गाँव के इस लाल को खेल को बढ़ावा देने के लिए मिली बड़ी जिम्मेदारी पर हर्ष जाहिर करते हुए इसका जमकर जश्न मनाया। लोगों ने इस दौरान गाजीपुर के हैंडबाल के नव नियुक्त चेयरमैन को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना किया। उम्मीद जताया कि अब जिले और ग्रामीण अंचलों में भी अन्य खेलों के साथ हैंडबाल को भी बढ़ावा मिल सकेगा। जिससे कि इस खेल में रूची रखने वाले प्रतिभावान युवा खिलाड़ियों को एक सुनहरा अवसर मिलेगा। मालूम हो कि हैंडबाल के नव नियुक्त जिला चेयरमैन विपिन बिहारी राय की प्राथमिक से लेकर इंटर तक की शिक्षा गाँव पर उसके बाद बीए गरूआ-मकसूदपुर से,जबकि एमए और बीएड पीजी कालेज गाजीपुर से करने के बाद वह 1999 में अग्रेजी माध्यम से विद्यालय की नींव रखी,वह रंगमच के बेहतर कलाकार भी है। विद्यालय के कार्यक्रम आकाशवाणी और दूरदर्शन पर प्रसारित भी हो चुके है।

जनपद स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन

जमानियां। क्षेत्र के कसेरा पोखरा स्थित सन शाइन पब्लिक स्कूल में दो दिवसीय जनपद स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन 29-30 नवंबर को किया गया है। जिसमें 29 नवंबर को ब्वायज और 30 नवंबर को गर्ल केटेगरी की प्रतियोगिता आयोजित कराई जाएगी। गाजीपुर पब्लिक स्कूल एसोसिएशन के तत्वावधान में विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिताओं का आयोजन विभिन्न विद्यालयों में किया जा रहा है। इसी क्रम में, सनशाइन पब्लिक स्कूल कसेरा पोखरा जमानियां को जनपद स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता आयोजित करने का सुअवसर प्राप्त हुआ है।

खो-खो प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्री सवार्नंद सिंह जी ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रतियोगिता में मां शारदा चिल्ड्रेन स्कूल, जलालाबाद ,गाजीपुर, शाह फैज पब्लिक स्कूल, गाजीपुर, श्री धनेश्वर इंटरनेशनल स्कूल,कुसुम्हीं खुर्द ,सिरगिथा, गाजीपुर, एस.एस.देव पब्लिक स्कूल, जमानियां, एम.जे.आर.पी.स्कूल, गाजीपुर, लालसा इंटरनेशनल स्कूल, रायपुर ,गाजीपुर, डिवाइन ग्लोबल स्कूल, जमानियां, रामदूत इंटरनेशनल स्कूल, गाजीपुर, क्रिसेंट कान्वेंट स्कूल, दिलदार नगर, सेन्ट्रल पब्लिक स्कूल, जमानियां, डी.डी.पब्लिक स्कूल, कादीपुर ,गाजीपुर और मेजबान सनशाइन पब्लिक स्कूल कसेरा पोखरा जमानियां के खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया।इस अवसर पर विद्यालय के संस्थापक चेयरमैन सवार्नंद सिंह, अध्यक्ष चन्द्रशेखर सिंह, प्रबन्धक अमित कुमार सिंह, राजेश, प्रबन्धक एम.जे.आर.पी.स्कूल गाजीपुर, प्रकाश, प्रबन्धक डिवाइन ग्लोबल स्कूल हरपुर, जमानियां, राजेश कुमार वर्मा प्रबन्धक संत राम आचार्य कावेंट स्कूल भदौरा, शैलेन्द्र कुमार सिंह प्रधानाचार्य, प्राइमरी विंग प्रभारी, पूजा सिंह एवं समस्त शिक्षकगण उपस्थित रहे।

शैक्षिक विकास का सरकारी नारा महज ढोंग

माध्यमिक शिक्षक संघ का जिला सम्मेलन, 16 स्थानांतरित शिक्षक सम्मानित

शौर्य न्यूज इंडिया

मीरजापुर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ का जिला सम्मेलन शुक्रवार को श्री शिवाजी नेशनल इंटर कालेज हांसीपुर में आयोजित हुआ, जिसमें शिक्षा की वर्तमान चुनौतियां और माध्यमिक शिक्षक विषय पर विचार विमर्श हुआ। इस मौके पर दूसरे जनपदों से स्थानांतरित 16 शिक्षकों को सेवानिवृत्त शिक्षकों और प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया गया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष डा0 प्रमोद कुमार मिश्र ने कहा कि सरकार का शैक्षिक विकास का नारा महज एक ढोंग है। प्रदेश सरकार और सरकारी मशीनरी शिक्षकों को अपमानित कर रही है। शिक्षकों की 14 परिलब्धियां छीन ली गईं। आठवें वेतन आयोग का गठन नहीं किया जा रहा।

शिक्षकों को धोखे में रखकर धारा 18 और 21 हटा दिया गया। इसके लिए उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड के स्थान पर शिक्षा सेवा आयोग गठित कर दिया गया। मंडल अध्यक्ष केदार नाथ दूबे ने कहा कि शिक्षक अपनी समस्याओं को लेकर यदि सरकार के समक्ष गंभीरता से नहीं खड़े होंगे तो सरकार माध्यमिक शिक्षा का अस्तित्व समाप्त कर देगी। जिलामंत्री का प्रतिवेदन देते हुए डॉ0 रमा शंकर शुक्ल ने कहा कि आंदोलन संगठन की आत्मा और खुराक है। सम्मेलन में चुनाव अधिकारी अनिल कुमार उपाध्याय, मंडलीय मंत्री गणेश प्रसाद सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ0 यशवंत सिंह, सोनभद्र जिलाध्यक्ष अनिल कुमार राव, रमाकांत सिंह, राम सकल सिंह, उदय सिंह, सुप्रिया पांडेय, जितेंद्र बहादुर सिंह, कौशल सिंह, रश्मि, डॉ. धर्मराज सिंह, पूनम उपाध्याय आदि रहे।

तम्बाकू सेवन समाज के लिये अभिशाप : अपर जिला जज : मीरजापुर। जनपद न्यायाधीश अरविन्द कुमार मिश्रा-।। के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में तहसील सदर के राजकीय पॉलटेक्निक कालेज के परिसर में शराब, तम्बाकू व मद्यपान निषेध तथा उपभोक्ता फोरम विषय पर विधिक साक्षरता, जागरूकता कार्यक्रम का शुभारम्भ डीएलएसए सचिव विनय आर्या एवं उपस्थित अध्यापकों ने किया। कार्यक्रम का संचालन लवकेश कुमार पाल रिर्सोस पर्सन ने किया। डीएलएसए सचिव, अपर जनपद न्यायाधीश विनय आर्या ने उपस्थित छात्र एवं छात्राओं को सम्बोधित करते हुए बताया कि तम्बाकू सेवन समाज के लिये अभिशाप है। सचिव ने यह भी जानकारी दी की तम्बाकू के सेवन से हम कैसे खुद को तथा अपने परिवार के सदस्यों को बचा सकते है।

उन्होंने बताया कि उपभोक्ता फोरम क्या है और इसका हमें लाभ कैसे मिल सकता है। परिसर में उपस्थित सभी छात्र एवं छात्राओं ने सचिव के साथ जागों ग्राहक जागो का नारा भी लगाया। शिविर में उपस्थित डा0 राजेश कुमार यादव ने परिसर में उपस्थित छात्र एवं छात्रों को तम्बाकू व मद्यपान सेवन से होने वाली गम्भीर बिमारियों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकरी दी। कार्यक्रम में रंजीत कुमार, डॉ. माण्डवी देवी, सविता कुमारी, पवन कुमार विश्वकर्मा, जयकेश यादव, विजय बहादुर सिंह, जंग बहादुर पटेल, जय प्रकाश सरोज, कृष्ण कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

झाड़ियों में मिला नाबालिग का शव, मची सनसनी

भदोही। कोतवाली भदोही क्षेत्र अंतर्गत ग्राम याकूबपुर में शुक्रवार को चार दिन पूर्व घर से गायब हुई 11 वर्षीय बालिका का क्षत- विक्षत शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर भदोही पुलिस दल बल के साथ मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुट गई। पुलिस अधीक्षक डॉ. मीनाक्षी कात्यायन व अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. तेजवीर सिंह ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का मुआयना किया।

घटना के सम्बंध में बताया जाता हैं कि 24 नवम्बर की रात्रि में थाना भदोही क्षेत्र अंतर्गत ग्राम याकूबपुर निवासी ओम प्रकाश पाल पुत्र जगतपाल के पुत्री कंचन की शादी थी, जिसमें लक्ष्मी उम्र करीब 11 वर्ष पुत्री राजकुमार विश्वकर्मा निवासी याकूबपुर भी शादी में आई थी, किंतु वापस अपने घर नहीं पहुंची। परिजनों द्वारा दी गई सूचना पर तत्समय ही भदोही कोतवाली में थाना स्थानीय पर मुकदमा संख्या 250/24 धारा-137(2) बी.एन.एस. का अभियोग पंजीकृत करते हुए अपहता की तलाश की जा रही थी। शुक्रवार को वादी मुकदमा के घर से करीब 150 मीटर दूर खेत में अपहता लक्ष्मी का क्षत-विक्षत शव बरामद हुआ है।

एएसपी डॉ. तेजवीर सिंह ने बताया कि घटना के हर पहलू की जांच की जा रही हैं। शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

गसराफा की दुकान में सेंध लगाकर नगदी सहित 50 हजार की चोरी

जफराबाद। क्षेत्र के भुलेमऊ बाजार में स्थित एक सरार्फा की दुकान में गुरुवार रात को सेंध लगाकर चोर नगदी सहित 50 हजार का गहना व सामान चुरा ले गए। एक हफ्ते के भीतर हुई इस दूसरी घटना से स्थानीय दुकानदारों मे दहशत व्याप्त है। नगर कोतवाली क्षेत्र के वाजिदपुर उत्तरी निवासी गोरखनाथ सेठ की उक्त बाजार में सूरज ज्वेलर्स के नाम से दुकान है। प्रतिदिन की भांति दुकान बंद करके वह घर चला गया। चोर रात को दुकान के पीछे की दीवार में सेंध काटकर अंदर गए। वहां पर रखी अलमारी को तोड़ दिया। उसके बाद उसमें रखी कुछ सोने की कील, चांदी की कुछ पायल व आर्टिफिशियल गहना उठा ले गए। सुबह किसी ने दुकानदार को घटना की जानकारी दिया। घटना की जानकारी होने पर पहले 112 डायल पुलिस आयी। उसके बाद थाना प्रभारी जयप्रकाश यादव, एसआई धनुषधारी पाण्डेय मय फोर्स मौके पर पहुंच गए। उन्होंने दुकानदार से रखे गए सामानों की जानकारी लिया। पुलिस जांच पड़ताल करने में जुट गयी है। वहीं दूसरी तरफ स्थानीय लोग तथा दुकानदारों का कहना है कि 21 नवम्बर को बाजार में ही स्थित सरार्फा की दुकान से नगदी सहित एक लाख की चोरी हुई थी। उसके बाद भी हल्के के एस आई व सिपाही इस तरफ ध्यान नही दिए। घटना के पदार्फाश की बात तो दूर एक नई घटना हो गयी। पुलिस मात्र बाइक चेकिंग में अपनी पहचान व दहशत बनाये हुए है।

मैजिक वाहन से 11 मवेशी बरामद, दो शातिर गिरफ्तार

सोनभद्र। पशु तस्करों के विरूद्ध पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा के निर्देश पर चलाए गए अभियान के क्रम में सदर कोतवाली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मैजिक में लदे 11 पशुओं को बरामद कर दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई सुकृत इलाके के सुकृत बैरियर हरैया के पास की गई है। एसएचओ ने बताया कि सुकृत चौकी इंचार्ज बृजेश कुमार मय हमराह सुकृत में गश्त पर निकले थे। तभी मुखबिर के जरिए सूचना मिली कि तस्कर मैजिक पर कुछ पशुओं को घोरावल से लादकर आ रहे हैं जो चैनपुर जायेंगे। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम सुकृत बैरियर के पास पहुंच वाहनों की चेकिंग करने लगी। इस दौरान एक मैजिक आती दिखाई दी। नजदीक आने पर उसे रुकने का इशारा किया गया तो वह भागना चाहा। लेकिन पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए वाहन को ब्रेकर के पास रोकवाते हुए दो आरोपियों को पकड़ लिया।

वाहन फिटनेस सेंटर का निर्माण शुरू

डिजिटल व ऑटोमैटिक मशीनों से होगी वाहनों की टेस्टिंग

सोनभद्र। जनपद में पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल पर एक वाहन फिटनेस सेंटर बनकर तैयार हो रहा है। जल्द ही वाहनों के फिटनेस टेस्ट के लिए अब डिजिटल और ऑटोमैटिक मशीनों की टेस्टिंग से गुजरना पड़ेगा। फिटनेस से जुड़े सारे काम अब ऑटो मेटिक तरीके से होंगे। इसके लिए एआरटीओ कार्यालय से करीब 15 किमी की दूरी पर वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग के पसही में ऑटोमेटिक व्हीकल फिटनेस सेंटर तैयार हो रहा है।

इसकी इमारत तैयार हो गई है। हालांकि अभी इसमें कई तरह के तकनीकी और इलेक्ट्रिक काम होने हैं। जिसके बाद इसका संचालन दिसम्बर तक कर दिया जाएगा। परिवहन विभाग के एआरटीओ प्रशासन धनवीर यादव ने बताया कि दिसंबर माह से फिटनेस सेंटर से ही वाहनों का फिटनेस होगा। यह

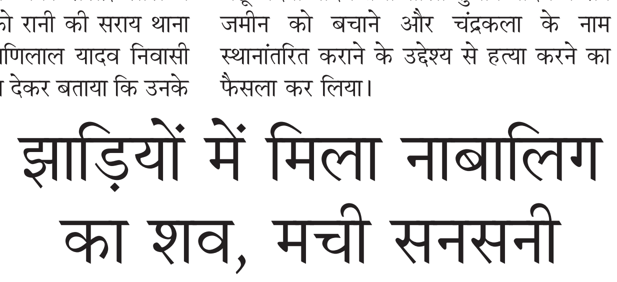

स्वचालित उपकरणों के माध्यम से वाहनों का फिटनेस परीक्षण की प्रक्रिया होगा। डिजिटल प्रक्रिया से वाहनों की जांच होगी।

प्रमाण पत्र ऑनलाइन होगा। ऑटोमेटिक व्हीकल फिटनेस सेंटर में जिले के सभी वाहनों की जाँच डिजिटल प्रक्रिया से की जाएगी।शासन की गाइड लाइन के अनुसार टेस्टिंग का काम होगा। मशीनों के जरिए आठ प्रकार की जांचें हो सकेंगी। मशीनों के जरिये जांच होने पर काम में पारदर्शिता तो आएगी साथ ही वाहन खराबी दूर की जा सकेगी। फिटनेस सेंटर में टायरों की जांच, लाइटिंग की व्यवस्था, पहियों की गति, इंजन की आवाज, सीटों की जांच, प्रेशर हार्न, हेड लाइट से लेकर इंडिकेटर, बैक लाइट समेत अन्य कई प्रकार की जांचें हो सकेंगी। इसके आधार पर प्रणाम पत्र जारी किए जाएंगे। दिसंबर से जिले में भी वाहन स्वामियों को ये सुविधा मिल सकेगी। एआरटीओ ने बताया कि परिवहन विभाग में अभी तक वाहनों की मैनुअल जांच होती थी। इससे विभाग पर आरोप लगते थे। वाहनों में तकनीकी दिक्कतों के कारण दुर्घटनाएं भी हो रही थी।

संपादकीय

हंगामे बाजी की भेंट चढ़ता संसद का शीतकालीन सत्र

संसद के शीतकालीन सत्र में सियासी गर्मी को साफ-साफ महसूस किया जा सकता है। संसद में अडानी के खिलाफ आरोपों की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन की मांग और संभल हिंसा सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण बुधवार को कार्यवाही बाधित रही। संसद का शीतकालीन सत्र बीती 25 नवंबर से शुरू हुआ, लेकिन कार्यवाही शुरू होते ही यह विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ गई।

नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तो अडानी को लेकर हंगामा खड़ा करने की कोशिश की। विपक्ष के हंगामे के बीच लगातार संसद का कामकाज प्रभावित हो रहा है। संसदीय प्रक्रिया को नजरअंदाज करते हुए विपक्ष विभिन्न मुद्दों पर पर तत्काल चर्चा करने पर अड़ा हुआ है। 20 दिसंबर तक चलने वाले शीतकालीन सत्र को 20 दिसंबर तक चलना है, लेकिन विपक्ष के हंगामे के कारण ऐसा प्रतीत होता है कि बिलों को पास कराने में सरकार को खासी मशक्कत करनी पड़ेगी।

संसद के सत्र के दौरान 16 विधेयक पेश किए जाने हैं। वक्फ (संशोधन) विधेयक, मुस्लिम वक्फ (निरसन) विधेयक, भारतीय वायुयान विधेयक, आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक, गोवा राज्य के विधानसभा क्षेत्रों में अनुसूचित जनजातियों के प्रतिनिधित्व का पुनर्समायोजन विधेयक, बिल ऑफ लैडिंग विधेयक, समुद्री मार्ग से माल ढुलाई विधेयक, रेलवे (संशोधन) विधेयक, बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक और तेल क्षेत्र (विनियमन और विकास) संशोधन विधेयक, बॉयलर्स बिल, राष्ट्रीय सहकारी विश्वविद्यालय बिल, पंजाब न्यायालय (संशोधन) बिल, मर्चेंट शिपिंग बिल, तटीय शिपिंग बिल और भारतीय बंदरगाह बिल सूची में शामिल हैं।

पिछले कई सत्रों में यह देखने में आ रहा है कि विपक्ष योजनाबद्ध तरीके से सत्र से पूर्व किसी न किसी मुद्दे को बेवजह खड़ा करता है। कांग्रेस लगातार अडाानी का मुद्दा उठा रहे हैं। संसद के हर सत्र से पहले किसी विदेशी एजेंसी के माध्यम से अडानी ग्रुप पर कोई ने कोई आरोप लगाया जाता है, जिसे लेकर संसद में विपक्ष खासकर कांग्रेस खूब हंगामा मचाती है। संसद सत्र खत्म होने और संसद का कीमती समय नष्ट करने के बाद कांग्रेस और विपक्ष अडानी के मुद्दे को भुला देता है। इस बार भी ऐसा ही हुआ है। संसद का सत्र शुरू होने से पहले फिर एक बार अडानी का मुद्दा गरमाया हुआ है।

न्यूयॉर्क फेडरल कोर्ट ने भारत के शीर्षस्थ उद्योगपति गौतम अडानी और 7 अन्य आरोपितों के खिलाफ गिरफ्तारी के वारंट जारी किए हैं। अमेरिकी निवेशकों, एजेंसियों और बैंकों को गुमराह करने, बेईमानी करने, धोखा देने और भारत में करीब 2200 करोड़ रुपए की घूसखोरी को छिपाने सरीखे गंभीर आरोप अडाणी समूह पर हैं। हालांकि समूह ने आरोपों को गलत और बेबुनियाद करार दिया है, लेकिन यही पर्याप्त नहीं है। अमेरिकी कानून और न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज के नियमानुसार ये बेहद गंभीर अपराध हैं। अडाणी समूह की कुछ कंपनियां न्यूयॉर्क स्टॉक एक्सचेंज में भी सूचीबद्ध हैं। चूंकि सौर ऊर्जा के भारत सरकार के अनुबंध के लिए अडाणी समूह ने अमेरिकी बाजार और बैंकों से करीब 25,000 करोड़ रुपए जुटाए थे। उसी में से 26.5 करोड़ डॉलर (करीब 2200 करोड़ रुपए) आंध्रप्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, छत्तीसगढ़ और जम्मू-कश्मीर के अधिकारियों को कथित रूप से घूस दी गई, ताकि इन राज्य सरकारों से सौर ऊर्जा के अनुबंध हासिल किए जा सकें।

रिश्वत और ठेकेदारी के इस खेल में अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड के साथ मॉरीशस की भी एक कंपनी थी, जिन्हें 'सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया' (सेकी) का 12 मेगावाट अर्थात 12,000 मेगावाट सौर ऊर्जा का ठेका मिला था। चूंकि ऊर्जा महंगी थी, लिहाजा राज्य सरकारें उसे खरीद नहीं पा रही थीं। सौदेबाजी के लिए घूस दी गई, यह आरोप है। समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने 2021 में आंध्र प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी से मुलाकात की थी और राज्य सरकार 7000 मेगावॉट बिजली खरीदने को राजी हुई थी। ओडिशा ने भी 500 मेगावॉट बिजली खरीदी थी। जिन सरकारों के साथ अडाणी समूह ने करार किए थे, वहां तब विपक्ष की सरकारें थीं। सिर्फ जम्मू-कश्मीर में राष्ट्रपति शासन था, लेकिन तब भी उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ही थे। बहरहाल अब अडाणी को अमेरिकी अदालत के कठघरे में पहुंच कर अथवा अपने वकीलों के जरिए अपना पक्ष रखना होगा।

देश की जनता और विपक्ष में शामिल कई दल भी कांग्रेस की अडानी वाली रणनीति को समझने लगे हैं। इस बार विपक्ष की एकता में फूट पड़ती हुई नजर आ रही है। तृणमूल कांग्रेस ने कहा है कि वह संसद के शीतकालीन सत्र में जनता के मुद्दों पर ध्यान देगी। पार्टी ने कहा है कि वह नहीं चाहती है कि संसद का ध्यान केवल अदाणी समूह के मुद्दे पर ही रहे। यह बात बीते 27 नवंबर को तृणमूल कांग्रेस के नेता काकोली घोष दस्तीदार ने कही। तृणमूल की रणनीति में आया यह बदलाव कांग्रेस के लिए एक बहुत बड़ा झटका है। जो संसद में केवल अदाणी समूह पर लगे आरोपों के नाम पर संसद को ठप करना चाहती है।

तृणमूल ने जिन मुद्दों पर ध्यान देने की बात कही है, उनमें मणिपुर के हालात और पश्चिम बंगाल के साथ केंद्र की योजनाओं के बजट में भेदभाव और अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक, 2024 को मंजूरी देने में हो रही देरी जैसे मुद्दे शामिल हैं। अपराजिता महिला एवं बाल विधेयक, 2024 को पश्चिम बंगाल के राज्यपाल ने राष्ट्रपति के पास मंजूरी के लिए भेजा है।

मीडिया रिपोर्ट की मानें तो संसद प्रत्येक कार्रवाई हर एक मिनट में ढाई लाख रुपये खर्च हो जाते हैं। इसका मतलब है कि एक घंटे में यह आंकड़ा डेढ़ करोड़ रुपये खर्च हो जाता है। संसद सत्र के 7 घंटों में से एक घंटे लंच के हटा भी दिए जाएं तो 6 घंटे के हिसाब से 9 करोड़ रुपये का प्रतिदिन खर्च होता है। अगर इन 6 घंटों में सिर्फ शोर-शराबा हो, हंगामा होता रहे तो आप इसे नुकसान नहीं कहेंगे तो क्या कहेंगे। यही इकोनॉमी को डेंट है और टैक्सपेयर्स के पैसे की बबार्दी है। पिछले लगभग पांच साल से विपक्ष का रवैया संसद को ठप करने का है। संसद सत्र को जनहित में प्रयोग करने की बजाय विपक्ष राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए कर रहा है।

सवाल यह है कि राहुल गांधी ने इस मामले में भी अडाणी के साथ प्रधानमंत्री मोदी का भी नाम जोड़ दिया है। वह मोदी-अडाणी जोड़ी की राजनीति अक्सर करते रहे हैं। उन्होंने यहां तक भी दावा किया है कि प्रधानमंत्री अडाणी को गिरफ्तार नहीं करने देंगे, क्योंकि अंततः वह भी जेल जाएंगे। राहुल गांधी की यह राजनीति अनैतिक है। वह खुद जमानत पर हैं। वह देश की प्रतिष्ठा और छवि को भी कलंकित कर रहे हैं। यदि उनके पास मोदी-अडाणी मिलीभगत के कोई ठोस प्रमाण हैं, तो वह अदालत में जा सकते हैं।

संसद सत्र जनहित के मुद्दों का उठाने और आम आदमी की भलाई और कल्याणकारी कार्यों के निष्पादित करने के लिए होता है। इसके अलावा तमाम दूसरे जरूरी संसदीय काम संसद सत्र में पूरे करने होते हैं। लेकिन जिस तरह विपक्ष संसद का ठप करने की राजनीति कर रहा है, उससे असल में देश के आम आदमी का ही नुकसान हो रहा है। पक्ष और विपक्ष को संसद सत्र का राजनीति चमकाने और एक दूसरे की छवि को नुकसान पहुंचाने की नीयत और नीति से बाज आना चाहिए। **– रोहित माहेश्वरी**

क्या मोदीजी को विपक्ष मुक्त संसद चाहिए?

रामशरण जोशी

संसद के शीतकालीन सत्र का आगाज हंगामेदार है. कोई रोज ऐसा नहीं है जब संसद के दोनों सदन ठप न होते रहे हों. संसदीय लोकतंत्र के सफल संचालन में रोजमर्रा के सत्तापक्ष बनाम प्रतिपक्ष टकराव अवरोध ही पैदा करते हैं. लेकिन, अवरोध के लिए प्रमुख रूप से सत्ता पक्ष जिम्मेदार है क्योंकि उसे उसकी हठधर्मिता हांकती आ रही है; वर्तमान सत्तारूढ़ पार्टी निर्वाचित एकतंत्र व अधिनायकवाद की विचारधारा के मार्ग पर चलना चाहती है. क्या इस स्थिति से संविधान सम्मत लोकतंत्र का अस्तित्व संकटग्रस्त नहीं होगा?

प्रतिपक्ष की संसदीय भूमिका को लेकर किसी भी प्रधानमंत्री के लिए अपशब्द कहना शोभाजनक नहीं है. लेकिन, वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र दामोदरदास मोदी ने विपक्ष के प्रति सम्मानजनक शब्दों के प्रयोग से दूरी बनाये रखने का संकल्प-सा ले रखा है. संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन ही प्रतिपक्ष ने दोनों सदनों में सिर्फ चर्चा की मांग की थी. लेकिन, मोदी जी ने उसे ठुकराते हुए फैसला दे दिया, नकारे गए लोग गुंडागर्दी कर रहे हैं. यह मोदी -उवाच प्रधानमंत्री पद की गरिमा को लजानेवाला है. हांलाकी, वे अपनी चुनावी सभाओं में इससे भी लज्जाजनक शब्दों का इस्तेमाल करने के लिए कुख्याति अर्जित कर चुके हैं. उनके अशोभनीय चुनावी - उवाचों को यहां दोहराने की जरुरत नहीं है. उनकी भाषण शैली से अपभाषाण -संस्कृति की गंध आती है. लेकिन, उनके ताजा उवाच पर कुछ याद दिलाने की दरकार है.

प्रधानमंत्री मोदी का कहना है कि विपक्ष को जनता ने 80 -90 बार नकार दिया है. अब उन्हें स्वयं के दल को नकारे जाने के दिन याद करने चाहिए. क्या उन्हें याद नहीं है कि 2004 के चुनावों में अटलबिहारी वाजपेयी के नेतृत्व ने भाजपा के विशाल गठबंधन ने चुनाव लड़ा था; इंडियन शाइनिंग और फील गुड फैक्टर के गगनभेदी नारों के साथ चुनाव लड़ा था. जनता ने उसे एक ही झटके में नकार दिया था. इसके बाद 2009 के चुनावों में भी भाजपा नेतृत्व के एनडीए को नकार दिया गया था. 2014 में भाजपा के सत्तारूढ़ होने के बाद मोदी जी ने कांग्रेस मुक्त भारत के नारे को उछाला था. लेकिन, 2024 के चुनावों में भाजपा 303 सीटों से धड़ाम के साथ नीचे गिर कर 240 पर सिमिट गई और आज वे दूसरों की बैसाखियों के सहारे सत्ता पर काबिज है.जबकि,कांग्रेस 44 से 100 तक पहुँच गई. अब प्रतिपक्ष का विधिवत नेता राहुल गांधी हैं. प्रतिपक्ष की तगड़ी उपस्थिति है. क्या यह माना जाए कि जून के चुनावों में जनता ने भाजपा को नकार दिया था?

वास्तव में, मोदी जी का ख्वाब प्रतिपक्ष मुक्त संसद का है। जब मोदी जी कहते हैं कि प्रतिपक्ष ने गुंडागर्दी मचा रखी है, तब उन्हें याद करना चाहिए कि मनमोहन सिंह -सरकार के दौरान भाजपा ने कितनी बार संसद नहीं चलने दी थी. कई कई दिन तक संसद को ठप रखा था. इससे पहले राजीव गांधी के समय भी बोफोर्स काण्ड पर प्रतिपक्ष ने कितना शोर मचाया था. संयुक्त संसदीय समिति की गठन की मांग की थी. राजीव गांधी चोर है के नारे उछले थे. प्रतिपक्ष की मांग पर समिति को गठित किया गया था. क्या मोदी जी ने प्रतिपक्ष की इस मांग को स्वीकार किया है? वे सेबी की मुखिया और गौतम अदाणी पर बहस से क्यों कतरा रहे हैं? संसद में पहले भी उद्योगपतियों के कारनामों पर बहस हो चुकी है. याद करें, नेहरू -शासन में कतिपय उद्योगपतियों के कारनामों को लेकर बहस हुई थी. उनके दामाद फिरोज गाँधी ने ही भ्रष्टाचार के काण्ड हुठाये थे. नेहरू सरकार को कटघरे में खड़ा किया था. एक -दो वरिष्ठ मंत्रियों को इस्तीफा भी देना पड़ा था. तब तो नेहरू जी ने प्रतिपक्ष की गतिविधियों को गुंडागर्दी से परिभाषित नहीं किया था. इतना ही नहीं, इंदिरा सरकार के समय कांग्रेस पार्टी के युवा तुर्क (चंद्र शेखर, कृष्ण कांत, मोहन धारिया,शशि भूषण , अमृत नाहटा, चंद्रजी यादव, अर्जुन अरोड़ा आदि) ने बिड़ला घराने पर करारे हमले किये थे. भूख हड़ताल तक की थी. इंदिरा जी ने गुंडागर्दी शब्द का प्रयोग नहीं किया था. मोहन सिंह-सरकार के समय कोयला खदान और 2 -जी स्पेट्रम को लेकर प्रतिपक्ष ने तूफान खड़ा कर दिया था. सम्बंधित मंत्रालय के मंत्री को तिहाड़ जेल जाना पड़ा था. डीएमके की सांसद कनिमोजही करूणानिधि को भी तिहाड़ जेल में रहना पड़ा था. तब भी गुंडागर्दी का शब्द नहीं उछला था.

जरा, इससे पीछे चलते हैं. मोदी जी को यह भी याद होगा कि 1996 में लाख कोशिशों के बावजूद अटल बिहारी वाजपेयी संसद में अपनी सरकार को सत्तारूढ़ रखने के लिए लोकसभा में बहुमत नहीं जुटा सके थे. दिसंबर, 1992 में बाबरी मस्जिद के ध्वस्त होने के बावजूद 1996 के चुनावों में भाजपा को बहुमत नहीं मिला था. इसी प्रकार 1999 में भी उनकी सरकार सदन में विश्वास मत हार गयी थी. 1991के चुनावों में भी भाजपा चुनावों में पराजित हो गयी थी. 1989 के चुनावों में विश्वनाथ प्रताप सिंह के कांधों के सहारे उसने अपनी संसदीय शक्ति में वृद्धि की थी. लेकिन, उससे पांच साल पहले 1984 के चुनाव में भाजपा सिर्फ दो सीटों को ही जीत सकी थी. उसके बड़े बड़े दिग्गज नेता इंदिरा गांधी की हत्या से उमड़ी हमदर्दी की सुनामी में चुनाव हार गए थे, जिसमें अटल जी भी शामिल थे. 1990 के चुनावों में भाजपा ने मंडल प्रभाव को निरस्त करने के लिए कमण्डल अभियान चलाया था. वह भी उसे पूर्ण बहुमत नहीं दिला सका था.

मोदी जी को यह भी याद करा दिया जाए कि 1980 के लोकसभा चुनावों में इंदिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस ने धमाकेदार सत्ता-वापसी की थी. जनता ने उसे नकारा नहीं था. आपातकाल के चुनावों के बाद हुए 1977 के चुनावों में जनता पार्टी जीती थी. उस समय भाजपा की मूल पहचान जनसंघ जनता पार्टी की सिर्फ एक घटक मात्र थी. उसका स्वतंत्र अस्तित्व नहीं था. मोदी जी को यह भी याद होगा कि जे.पी. आंदोलन में शामिल होने और जनता पार्टी की घटक बनने के बाद ही जनसंघ या भाजपा की राजनैतिक अस्पृश्यता समाप्त हुई थी. लेकिन, 1996 में भी अटल-सरकार उसकी शिकार फिर से हो गयी थी. विपक्ष की किसी भी पार्टी ने उसे समर्थन नहीं दिया था और उसका अंत तेरहवें दिन हो गया था. इसलिए तमगा चस्पा सरकार की तेहरवीं.

प्रधानमंत्री मोदी जी को यह भी याद होगा की 1992 में बाबरी मस्जिद को ढहाने के बाद कांग्रेस की राव-सरकार ने भाजपा की प्रदेश सरकारों को बर्खास्त कर दिया था. अगले वर्ष उत्तरप्रदेश में 1993 में हुए मध्यावधि चुनावों में कल्याण सिंह के नेतृत्व में भाजपा हारी और सपा+बसपा सरकार बनी थी. भाजपा को उम्मीद थी की रामलला -लहर में वह उत्तर प्रदेश और मध्यप्रदेश में चुनाव जीत लेंगी. लेकिन, जनता ने उन्हें नकार दिया था. 1971 में भी इंदिरा गांधी से जनसंघ परास्त हुआ थी. . 1951 -52 के चुनावों में जनसंघ, हिन्दू महासभा, राम राज्य परिषद सहित कुछ धर्म आधारित दलों ने चुनाव लड़ा था. क्या धर्मप्रेरित पार्टियां बहुसंख्यक हिन्दुओं का विश्वास जीत सकीं थी? 1947 में देश के विभाजन के बावजूद चरम दक्षिण पंथी पार्टियों को तगड़ी शिकस्त मिली थी. धर्मनिरपेक्षता के परचम के सामने वे लगातार परास्त होती रही हैं.इस परचम को थामे रखा नेहरू और अन्य प्रगतिशील दलों ने. इतना ही नहीं, 1967 के चुनावों में भी जनसंघ धर्मनिरपेक्षता और समाजवाद की धारा को निरस्त नहीं कर सका था . कांग्रेस की सीटें घटीं थी,लेकिन वामपंथी और समाजवादी अपनी तगड़ी उपस्थिति को संसद में दर्ज करा सके थे.

प्रधानमंत्री और उनका संघ परिवार आये दिन विपक्ष पर अल्पसंख्यकों के तुष्टिकरण का आरोप चस्पाते रहते आये हैं. अब क्या वे बहुसंख्यक समुदाय का तुष्टिकरण नहीं कर रहे हैं? जरूरत यह है कि देश के नागरिक की बुनियादी समस्याओं का हल निकाला किया जाये. इसमें धार्मिक भेदभाव का सहारा न लिया जाय.140 करोड़ नागरिक का तुष्टिकरण किया जाना चाहिए. लेकिन, जब बटेंगे तो कटेंगे -एक हैं तो सेफ है, ऐसे संवेदनशील और भड़काऊ नारों के निशाने पर कौन है? किस समुदाय का तुष्टिकरण किया जा रहा है? भाजपा सहित सम्पूर्ण संघ परिवार हिंदुत्व, विश्व गुरु, हिन्दू राष्ट्र, अखण्ड भारत, लव जिहाद, वोट जिहाद,गोरक्षा सैनिक, मंदिर-मस्जिद वितंडों आदि से मुक्ति लेकर, सिर्फ सबका विकास-सबका का साथ-विश्वास जैसे शुद्ध राजनैतिक नारों के बल पर चुनाव अखाड़े में उत्तर कर दिखलाये? लेकिन उन्हें श्मसान बनाम कब्रिस्तान, मंगल सूत्र, गाय-भैंस चोरी, घुसपैठिये जैसे बेतुके शब्दों से फुरसत कहां ? मोदी जी बतलायें, क्या भाजपा ने विभिन्न प्रदेशों में चुनाव नहीं हारे है? क्या विगत में भाजपा ने मध्यप्रदेश, राजस्थान, कर्णाटक, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, बिहार, झारखण्ड जैसे प्रदेशों के चुनाव नहीं हारे हैं ? वर्तमान में झारखण्ड में भाजपा की करारी हार हुई है. असम के मुख्यमंत्री हेमंत सरमा और मध्यप्रदेश के पूर्व व केंद के कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के अथक प्रयासों के बावजूद भाजपा और उसके स्थानीय दिग्गज हारे हैं. क्या यह माना जाय कि जनता ने भाजपा को नकार दिया है? झारखण्ड में इंडिया गठबंधन की जीत को कमतर नहीं आंका जाना जाना चाहिए. जब महाराष्ट्र में भाजपा की जीत का महिमामंडन किया जा रहा है, तो झारखण्ड में इंडिया -विजय की उपेक्षा नहीं होने चाहिए. दोनों ही प्रदेश संघीय व्यवस्था के हिस्से हैं और आदिवासी समाज देश का महत्वपूर्ण हिस्सा है. यह भी याद रखना चाहिए कि झारखण्ड की प्राकृतिक सम्पदा पर कॉर्पोरेट की गिद्ध दृष्टि गढ़ी हुई है.

उच्च शिक्षा की परम्परा और प्रयोग

गिरीश्वर मिश्र

भारत में उच्च शिक्षा का बड़ा समृद्ध प्राचीन इतिहास है जहां नालंदा, विक्रमशिला, ओदंतपुरी और तक्षशिला आदि कई विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों की ऋंखला थी जहां अनेक विषयों का अध्यापन और अनुसंधान किया जाता था। ये सभी संस्थान समाज द्वारा पोषित किंतु व्यवस्था की दृष्टि से स्वायत्त थे। यहाँ के प्राध्यापक अपने विषयों के प्रामाणिक विद्वान थे और उनकी उपलब्ध कृतियाँ उनकी प्रतिभा और बुद्धि का कायल बनाती हैं। वैदिक ज्ञान परम्परा से जो धारा प्रवाहित हुई वह काल क्रम में ज्ञान की साधना को दिशा देती रही। इसका प्रमाण ज्ञान का प्रतिमान स्वरूप अष्टाध्यायी, योगसूत्र, नाट्यशास्त्र, चरकसंहिता, अर्थशास्त्र, कामसूत्र और सूर्यसिद्धांत आदि अनेकानेक ग्रंथों में उपलब्ध होता है। दर्शन, धर्मशास्त्र, गणित, धातु-विद्या, साहित्य और कला आदि के क्षेत्रों में प्रचुर सामग्री आज भी उपलब्ध है। यह निश्चित है कि अध्ययन का क्षेत्र अत्यंत व्यापक था और वह कोरा सैद्धांतिक न होकर जीवन से जुड़ा होता था। वह शिक्षा विद्यार्थी को व्यवसायों के लिए तैयार करती थी। ज्ञान की यह परम्परा विकसित होती रही, उन पर चर्चा, खंडनझमंडन और टीका-टिप्पणी का भी अवसर बना रहा। यदि ज्ञान की शास्त्रीयता बहुलतामूलक थी तो बहुज्ञता शास्त्र जानने वाली की प्रवीणता या दक्षता की कसौटी थी। भर्तृहरि के शब्दों में 'सिर्फ. अपनी ही ज्ञान-परम्परा का ज्ञान अपर्याप्त होता है'। विचारों और सिद्धांतों में पर्याप्त विविधता थी और ज्ञान की प्रामाणिकता उसके प्रयोग से जाँची - परखी जाती रही। कुशलता और दक्षता को बढ़ावा दिया जाना प्रमुख सरोकार था। ज्ञान-विज्ञान के अर्जन को अवलोकन तथा तर्क की सहायता से आगे बढ़ाने का प्रयास ज्ञान की यात्रा की मुख्य विशेषता के रूप में उभरती है। सिद्धांतों को यथार्थ की ओर उन्मुख एक आलोचक दृष्टि द्वारा सतत प्रमाणित किया जाता रहा। इस पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य जीवन के क्लेशों से पार पाना था। विद्यार्जन का कार्य सभी तरह की समस्याओं का समाधान करने वाले उपाय के रूप में स्थापित हुआ। मनुष्य का सर्वतोमुखी विकास इस शिक्षा का उद्देश्य था। शिक्षा मूल्य-सृजनका माध्यम थी।

भारतीय परंपरा में शिक्षा को सामाजिक जीवन से जोड़े रखने को प्राथमिकता दी गई थी। शिक्षा और दीक्षा के द्वारा शास्त्र तथा लोक दोनों को पुष्ट किया जाता रहा और दोनों एक दूसरे को प्रभावित करते रहे । शिक्षा की चर्या कैसे हो इस पर भी वैदिक काल से ही चिंतन-मनन होता रहा। ज्ञान को आत्मसात करना और दूसरी पीढ़ी तक पहुँचाना ही आचार्य और उपाध्याय का मुख्य कार्य होता था। अध्यापक का प्रवचन यदि 'संधान' था तो गुरु (पूर्वपक्ष) तथा शिष्य (उत्तरपक्ष) के बीच विद्याविषयक सम्बन्ध को 'संधि' कहा गया। ज्ञान की सामाजिक भूमिका थी तो ज्ञानसृजन भी समाज की आशा-आकांक्षा के प्रति संवेदनशील था। अपने व्यापक अर्थ में दोनों का संचालन 'धर्म' की परिधि में करने पर जोर दिया गया। इसे जीवन-विस्तार और समाज में स्थापित किया जाता रहा । विभिन्न शास्त्रों, विद्याओं और कला-कौशलों का विस्तार आज भी विभिन्न ग्रंथों या टेक्स्ट में उपलब्ध है जो यह बताने के लिए पर्याप्त आधार प्रदान करता है कि भौतिक जगत, सामाजिक व्यवहार और आध्यात्मिक अनुभव सभी दृष्टियों से ज्ञान के उद्घाटन का प्रयास मुख्य है । इन सबके केंद्र में मनुष्यसमेत समस्त प्राणिजगत के साथ प्रकृति की रक्षा और संवर्धन का प्रयास है । इस सोच में शिक्षा मानव पूँजी में स्थायी निवेश है जिसका उद्देश्य दायित्वपूर्ण मनुष्य निर्मित करना है।

यह बात स्पष्ट हो चुकी है कि आधुनिक भारत में उच्च शिक्षा का वर्तमान रूप अंग्रेजी औपनिवेशिक काल की देन है जिसे योजनाबद्ध रूप में युक्तिपूर्वक प्रस्तुत और स्थापित किया गया । यह शिक्षा को देश की ज्ञान-परम्परा से काट कर और उसे अप्रासंगिक बना कर लागू की गई। अपरिचित विदेशी भाषा के माध्यम से पढ़ाई की व्यवस्था ने शिक्षा तक पहुँच को न केवल सीमित कर दिया बल्कि अंग्रेजी तहजीब और तौर तरीकों को मानक के रूप में स्थापित किया। संस्कृति और ज्ञान का नया आदर्श अनिवार्य रूप से श्रेष्ठ बना कर प्रचारित किया गया। उस अंगरेजीपरस्त भारत से परे वाला शेष भारत बड़ी आसानी से हाशिए पर पहुँचा दिया गया। अपने सामान्य रूप में यह शिक्षा ज्ञान के निर्माण और प्रसार की जगह सरकारी काम-काज के लिए जरूरी मुलाजिमों को तैयार करने लायक पढ़ाई पर ही केंद्रित रही। इस तरह वह एक तरह की बाबूगिरी को तरजीह देने वाली ज्ञानप्रणाली थी और उसका विस्तार उसी रूप में किया जाता रहा । इस शिक्षा में विद्यार्थी का एकांगी विकास हो रहा था। उसकी विषयवस्तु बाहर से उधार ली गई थी और शिक्षा के नाम पर उसी के अनुकरण तथा पुनरुत्पादन का काम जोर--शोर से शुरू हुआ जो बाद में भी चलता रहा। पश्चिम को ही मानक माना गया और उसकी मान्यता पाने पर जोर दिया जाता रहा । ऐसे में नवोन्मेष, सृजनात्मक पहल, मौलिकता और विचार-स्वातंत्र्य जैसे मानदंडों में देश पिछड़ता गया। शिक्षा की प्रक्रिया विशेषतया अध्यापन और परीक्षा के ढाँचा का प्रावधान इसी के अनुरूप किया गया।

ज्ञान-सृजन और प्रसार की दृष्टि से अंग्रेजों द्वारा आरम्भ की गई और उनके वर्चस्व के प्रभाव में स्वतंत्र भारत में भी कायम रही । यह उच्च शिक्षा ज्ञान के क्षेत्र में भारत को सदा के लिए दोयम बनाये रखने का पक्का नुस्खा बन गया। यह माडेल ज्ञान की प्रक्रिया का भारतीय आदर्श बन गया और अभी तक जारी है। लगातार अभ्यास के कारण दूसरे विकल्पों के प्रति हम उदासीन और तटस्थ होते गए। ज्ञान, कौशल और तकनीक के क्षेत्रों में परजीवी हो जाना स्वावलम्बन और विकास के लक्ष्य के विरुद्ध जाता है। उद्यमिता और सामाजिक प्रासंगिकता की दृष्टि से भी यह माडेल अधिक उपयोगी नहीं रहा। हम स्थानीय प्रश्नों को भी दरकिनार रखे और वैश्विक संदर्भ के प्रति भी आवश्यकतानुसार संवेदनशील नहीं हो सके। आज जब उदारीकरण, वैश्वीकरण और अंतरराष्ट्रीयकरण का दौर आ चुका है तथा 'डिजिटल' और 'स्मार्ट' विश्वविद्यालयों की बात हो रही है हमारे देश के अनेक विश्वविद्यालय सोचझविचार और प्रणाली की दृष्टि से स्तब्ध और किंकर्तव्यविमूढ़ बने हुए हैं। भारतीय समाज का बड़ा हिस्सा इस अर्थ में शिक्षा की दृष्टि से निरपेक्ष रहता है कि वह जो है उसके साथ अपना समायोजन बैठाने लगता है और शिक्षा यथास्थितिवाद का शिकार हो जाती है। सैद्धांतिक रूप से विश्वविद्यालय स्वायत्त संस्था होते हैं इसलिए सब अपने ढंग से कार्य करते हैं जिससे अच्छे बुरे हर तरह की पहल की छूट होती है। राज्य सरकार की अपनी मनमानी चलती है। वे अपने विवेक से काम करती है। उदाहरण के लिए कई प्रदेशों की सरकारें पूरे प्रदेश के विश्वविद्यालयों के लिए एक पाठ्यक्रम लागू करती हैं जिससे सर्जनात्मकता और विविधता को धक्का लगता है। आज उच्च शिक्षा की दृष्टि से देश संक्रमण की स्थिति में है। जिसके पास संसाधन हैं वह अपने बच्चों को जल्दी से जल्दी विदेश पढ़ने को भेजने की जुगत में है। देशी सरकारी संस्थान व्यवस्थागत कठिनाइयों से ग्रस्त हो रहे हैं। उनकी संख्या कम है और जो हैं वे संसाधनों के अभाव से जूझ रहे हैं। दूसरी ओर भारत में गैर सरकारी क्षेत्र में बड़ी संख्या में बेहद मंहगे निजी शिक्षा संस्थान तेजी से खड़े हो रहे हैं जो कई गुना फीस ले रहे हैं। वे शिक्षा की एक भिन्न संस्कृति विकसित कर रहे हैं। ज्यादातर सरकारी संस्थान संसाधनों के अभाव और व्यवस्था की खामियों से जूझ रहे हैं। कुलपतियों और अध्यापकों की नियुक्ति न होने से कई विश्वविद्यालयों में शिक्षा का माहौल बिगड़ रहा है। साथ ही विभिन्न कारणों से कई विश्वविद्यालयों में कुलपतियों को हटाना पड़ा और शैक्षिक परिवेश खराब हुआ। बढ़ते सरकारी हस्तक्षेप के कारण भी अनेक संस्थाओं का स्वाभाविक विकास नहीं हो पा रहा है। शोध की गुणवत्ता में ह्रास और शोध प्रकाशनों में धांधली घातक हो रही है।

शिक्षा संस्थानों के विकास के लिए स्वायत्तता अत्यंत आवश्यक है। उच्च शिक्षा का आम माहौल युवा भारत के लिए चिंताजनक हो रहा है। नई शिक्षा नीति व्यवस्था, प्रक्रिया, विषयवस्तु, सांस्कृतिक परिष्कार तथा शिक्षा के माध्यम आदि को लेकर अनेक प्रस्ताव लेकर जरूर उपस्थित हुई परंतु उसके कार्यान्वयन में अनेक बाधाएँ हैं।

भारतीय ज्ञान परम्परा और मातृभाषा में अध्ययन-अध्यापन को बढ़ावा देने के कार्य में कुछ प्रगति हुई है परंतु नीति के आने के चार साल बाद भी बहुत से सैद्धांतिक, व्यावहारिक और नीतिगत प्रश्न अभी भी अनुत्तरित हैं। इनको यथाशीघ्र सुलझाना होगा। गुणवत्ता, मौलिकता और प्रासंगिकता के अभाव में विश्व पटल पर भारतीय शिक्षा की प्रभावकारी उपस्थिति नहीं हो सकेगी। यदि शिक्षा के गिने-चुने कुछ उज्ज्वल द्वीपों (जैसेझआई आई टी, आई आई एम और भारतीय विज्ञान संस्थान) को छोड़ दें तो ज्यादातर संस्थान निराश करने वाले होते जा रहे हैं। उच्च शिक्षा के प्रति सरकार का कामचलाऊ रवैया विकसित भारत के राष्ट्रीय लक्ष्य को पाने में बाधक है। उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता का कोई विकल्प नहीं होता है। इसलिए शिक्षा के लिए गम्भीर प्रयास करने ही होंगे।

कलयुग के राम कब आएंगे

योगेश मोहन

भगवान राम हजारों वर्ष पूर्व त्रेतायुग में अवतरित हुए, उन्होंने विश्व के समक्ष एक आदर्श सुपुत्र की छवि प्रस्तुत की, जिसने अपने पिता के वचन की मयार्दा की रक्षा हेतु राजगद्दी के सुख वैभव का त्यागकर 14 वर्षों के लिए अपने अनुज भ्राता लक्ष्मण एवं पत्नी सीता संग वनवास हेतु चले गए। वनवास के अन्तराल में उनका लक्ष्य अपनी पत्नी की रक्षा हेतु वानरों और भालू की सेना के साथ विश्व के सर्वाधिक शक्तिशाली असुर लंकापति रावण से युद्ध करना था। युद्धकाल में ही अपने अनुज भ्राता लक्ष्मण के चेतना शून्य होने पर, उसको अपनी गोदी में लिटाकर शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की अन्यथा अपनी देह त्याग के लिए वचनबद्ध हो गए। रावण वध के उपरान्त, श्रीराम ने सोने की लंका निःस्वार्थ भाव से विभीषण को सोंप दी। ऐसे मयार्दा पुरूषोत्तम श्रीराम के लिए करोड़ों दीपक प्रतिवर्ष प्रज्जवलित होते हैं। परन्तु ये समस्त कार्य त्रेतायुग के आदर्श पुत्र राम ने किए।

कलियुग में माता-पिता त्रेतायुग के राम के सदृश पुत्र उत्पन्न होने का स्वप्न देखते हैं। ईश्वर की कृपा से पुत्र प्राप्ति के पश्चात उसका लालन पालन व शिक्षा, अपना कर्तव्य समझकर पूर्ण कराते हैं और शनै-शनै माता-पिता का स्पप्न मृगमरीचिका सदृश हो जाता है। जिस राम की कल्पना में वे अपने जीवन के 20-25 वर्ष व्यतीत कर देते हैं, तत्पश्चात उनको यह अहसास होता है कि उनका पुत्र त्रेतायुग का राम नहीं वरन् कलियुगी रावण है। माता-पिता अपनी वृद्धावस्था से पूर्व पुत्र का विवाह, अपनी संचित समस्त धनराशी का प्रयोग करके इस आशा से करते हैं कि शायद पुत्रवधु ही सीता सदृश मिल जाए, परन्तु कुछ समय पश्चात ही उनको ये आभास होता है कि वह सीता नहीं अपितु सुपर्णखा के सदृश है।

समय के व्यतीत होने पर पुत्र व पुत्रवधु विदेश चले जाते हैं अथवा देश में ही किसी बड़े शहर में रहने लगते हैं। इस प्रकार माता-पिता के समस्त स्पप्न खण्ड-खण्ड हो जाते हैं और वे वृद्धाश्रम में चले जाते हैं। कलियुगी राम की प्रतिक्षा में उनके अश्रु भी सूख जाते हैं। दिपावली का पर्व प्रतिवर्ष मनाया जाता है, परन्तु कोई भी दीपक अपने कलियुगी पुत्र के स्वागत में जलाने का साहस नहीं होता। सूखे हुए दीपक तेल और बाती बिना अग्रिम दीपावली की प्रतीक्षा में अपनी चमक खो देते हैं और उनकी प्रतीक्षा कभी समाप्त ही नहीं होती। माता-पिता वृद्धावस्था के अंतिम मोड़ पर दान में प्राप्त भोजन पर जीवन यापन करने के लिए विवश हो जाते हैं, परन्तु कलियुगी राम की एक आवाज की प्रतीक्षा में सुबह से शाम, शाम से सुबह तक फोन अथवा द्वार पर टकटकी लगाये रह जाते हैं।

समय के साथ-साथ हाथ-पैरो की शक्ति भी अत्यंत क्षीण हो जाती है और शीघ्र ही शरीर चारपाई पकड़ लेता है। ऐसी अवस्था में औषधि देने वाला भी कोई निकट नहीं होता और एक दिन कलियुगी राम की प्रतीक्षा में नेत्र बंद हो जाते हैं और आश्रम वाले अथवा किसी दान दाता के सहयोग से उनका अंतिम संस्कार हो जाता है। इस प्रकार उनका सम्पूर्ण जीवन ही एक इतिहास बन जाता है, परन्तु कलियुगी राम अस्थियाँ एकत्र करने भी नहीं आता।

लेखक के मन में जिज्ञासावश एक प्रश्न उठता है कि हम कब तक लाखों दिए त्रेतायुगी राम के लिए प्रज्जवलित करते रहेंगे, जिन्हें हमने कभी नहीं देखा है। हे ईश्वर ऐसा आशीर्वाद प्रदान करें कि जीवन में प्रतिवर्ष कितने ही दिये क्यों न जलाने पड़े, परन्तु कलियुग में भी त्रेतायुग सदृश राम की भावना से युक्त संतान माता-पिता को प्राप्त हो। यदि ऐसा हुआ तो मेरा देश स्वर्ग बन जाएगा, देश से घृणा, परस्पर वैमनस्य, भ्रष्टाचार आदि बुराईयाँ समाप्त हो जाएगीं और देश पुनः सोने की चिड़िया बन जाएगा। श्रीराम एक बार पुनः फिर किसी माता कौशल्या की गोद में आकर बस जाओ, यही हम समस्त भारतवासियों की आपसे करबद्ध प्रार्थना है। **(वरिष्ठ पत्रकार और आईआईएमटी यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति)**

पाक क्रिकेट बोर्ड हाइब्रिड मॉडल पर तैयार नहीं

आईसीसी बोर्ड की बैठक : चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी के लिए हाइब्रिड मॉडल पर होगी बात

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) बोर्ड की शुक्रवार को अहम बैठक होने वाली है। इसमें अगले साल पाकिस्तान में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम और उसे हाइब्रिड मॉडल पर आयोजित करने को लेकर फैसला होगा। चैम्पियंस ट्रॉफी की मेजबानी पाकिस्तान कर रहा है पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि वह सुरक्षा कारणों से अपनी टीम को पाकिस्तान नहीं भेजेगा। वहीं पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) हाइब्रिड मॉडल पर तैयार नहीं है। आईसीसी बोर्ड की बैठक वर्चुअल तरीके से होगी और इसमें चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम को लेकर कोई हल निकलने की संभावना है। माना जा रहा है कि इस समय हाइब्रिड मॉडल सबसे अच्छा विकल्प है।

आईसीसी के सदस्य पीसीबी को यह समझाने की कोशिश कर रहे हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच मैच के बिना चैंपियंस ट्रॉफी की चमक फीकी पड़ जाएगी और सबसे अहम बात यह है कि इससे बड़े पैमाने पर आर्थिक नुकसान होगा। टूनामेंट के प्रसारक भी कार्यक्रम में हो रही देरी पर नाराज हैं। आईसीसी और प्रसारणकर्ता के बीच हुए अनुबंध के अनुसार संचालन संस्था से अपेक्षा की गई थी कि वह टूनामेंट का कार्यक्रम कम से कम 90 दिन पहले दे, लेकिन यह समय सीमा पहले ही पार कर ली गई है। भारत ने 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के बाद से पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है। आईसीसी ने भी कई बार कहा है कि वह वह किसी भी सदस्य बोर्ड से सरकार की सलाह के विरुद्ध जाने की अपेक्षा नहीं करता है। सरकार ने यह तक कह दिया है कि अगर पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने चैंपियंस ट्रॉफी करवाने से मना किया तो भारत इसकी मेजबानी करेगा। अगर ICC ने भारत को मेजबानी सौंपी तो सरकार की ओर से पूरा सपोर्ट मिलेगा। इतना ही नहीं, चैंपियंस ट्रॉफी खेलने के लिए भारत आने वाली टीमों के प्लेयर्स को वीजा मिलने में भी दिक्कत नहीं आएगी।

पाक टीम को भी आने वाले समय में भारत नहीं भेजेंगे : नकवी : लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा कि जिस प्रकार भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) ने चैम्पयंस ट्रॉफी के लिए दौरे से इंकार किया है। उसको देखते हुए भविष्य में पाक टीम भी भारत का दौरा नहीं कर पायेगी।

नकवी ने गद्दाफी स्टेडियम में निर्माण कार्य का निरीक्षण करने के बाद कहा, ह्ययह संभव ही नहीं है कि हम भारत में जाकर सभी टूनामेंट खेलें और भारतीय अधिकारी अपनी टीम भेजने को तैयार नहीं हों। हम ऐसी विषम स्थिति नहीं होने दे सकते। नकवी का रुख हालांकि चैंपियंस ट्रॉफी के लिए ह्यहाइब्रिड मॉडल को लेकर नरम दिखा। उन्होंने इससे पहले उन्होंने कहा था कि पीसीबी इस तरह के प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करेगा।

इस दौरान उन्होंने कहा कि मैं केवल इतना आश्वासन दे सकता हूं कि बैठक में जो भी होगा, हम अच्छी खबर और फैसले लेकर आएंगे, जिसे हमारे लोग स्वीकार करेंगे। नकवी ने उम्मीद जताई कि पांच दिसंबर को आईसीसी के चेयरमैन का पद संभालने वाले जय शाह विश्व क्रिकेट और सभी सदस्य बोर्डों के हित में निर्णय लेंगे।

रोनाल्डो, मेसी के 100 गोल वाले क्लब में शामिल हुए लेवांडोव्स्की

रोम। पोलैंड के पेशेवर फुटबॉलर रॉबर्ट लेवांडोव्स्की चैंपियंस लीग फुटबाल टूनामेंट में 100 गोल करने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। इससे पहले ये उपलब्धि केवल पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी के नाम थी। लेवांडोव्स्की ने ब्रेस्ट के खिलाफ बार्सिलोना की 3-0 से जीत के दौरान ही चैंपियंस लीग में अपने 100वां गोल पूरे किये। इस स्टार स्ट्राइकर ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में प्रतियोगिता में अपना 101वां गोल दागा। चैंपियंस लीग में सबसे अधिक 140 गोल रोनाल्डो के नाम हैं जबकि मेसी के नाम 129 गोल दर्ज हैं। लेवांडोव्स्की ने 100 गोल करने पर कहा, यह बहुत अच्छी संख्या है। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं चैंपियंस लीग में इतने गोल कर पाऊंगा। मैं क्रिस्टियानो और मेसी के क्लब में शामिल होकर उत्साहित हूं। लेवांडोव्स्की चैंपियंस लीग में अपने 125वें मैच में यहां तक पहुंचे हैं।

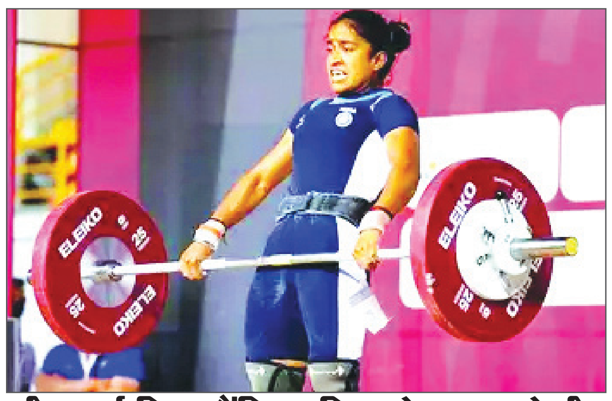

मीराबाई विश्व चैंपियनशिप से बाहर रहेगी ज्ञानेश्वरी करेंगी भारतीय दल का नेतृत्व

नई दिल्ली। मीराबाई चानू अगले सप्ताह 6 दिसंबसर से बहरीन के मनामा में होने वाली भारोत्तोलन विश्व चैंपियनशिप में भाग नहीं लेंगी। चानू ने कहा है कि उन्होंने ये फैसला अपना रिहैबिलिटेशन जारी रखने के लिए लिया है। चानू ने अगस्त में पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 49 किग्रा श्रेणी में चौथे स्थान पर रहने के बाद से किसी प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लिया है। मुख्य राष्ट्रीय कोच विजय शर्मा ने कहा कि पेरिस ओलंपिक के बाद से ही मीरा अभी भी रिहैबिलिटेशन में हैं। वह इस विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा नहीं लेगी।कोच के अनुसार चानू के नहीं रहने से राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता ज्ञानेश्वरी यादव छह दिसंबर से शुरू होने वाली विश्व चैम्पियनशिप में भारतीय चुनौती का नेतृत्व करेंगी। पिछले साल एशियाई खेलों में चोट लगने के बाद से ही मीराबाई की फिटनेस को लेकर पेरिस ओलंपिक के दौरान भी चर्चा होती रही। एशियाई खेलों में पदक जीतने का उनका सपना पिछले साल टूट गया था क्योंकि वह सिर्फ यही ट्रॉफी नहीं जीत पाई हैं। कोच ने कहा कि चानू के लिए स्वस्थ होना अहम है क्योंकि हमें 2026 राष्ट्रमंडल खेलों और एशियाई खेलों की तैयारी शुरू करनी होगी। चानू के नहीं रहने से राष्ट्रमंडल चैम्पियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता ज्ञानेश्वरी शुरू होने वाली विश्व चैम्पियनशिप में भारतीय चुनौती का नेतृत्व करेंगी।

जमकर चला श्रेयस का बल्ला

हैदराबाद। आईपीएल नीलामी के बाद श्रेयस अय्यर का बल्ला जमकर चलता नजर आया। मुम्बई की कप्तानी कर रहे श्रेयस ने शानदार अर्धशतक लगाया जिससे मुम्बई टीम ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप-सी के मैच में महाराष्ट्र को पांच विकेट से हरा दिया। श्रेयस ने 39 गेंद में आठ चौकों और तीन छक्कों की सहायता से 71 रन बनाए। वहीं रहाणे ने 34 गेंद में 52 रन बनाये। इसके बाद मुंबई ने जीत के लिए 172 रन का लक्ष्य 17.1 ओवर में हासिल कर लिया। वहीं इससे पहले गेंदबाजी करते हुए शार्दुल ठाकुर और मोहित अवस्थी ने दो दो विकेट लिए जिससे महाराष्ट्र की टीम 9 विकेट पर 171 रन ही बना सकी। आईपीएल की मेगा नीलामी में पंजाब किंग्स ने श्रेयस को 26 करोड़ 75 लाख रुपये में खरीदे था। इसका प्रभाव उनकी बल्लेबाजी पर भी दिखा।

वहीं पंजाब किंग्स की सह मालकिन प्रीति जिंटा भी इस पारी को देखकर बेहद खुश नजर आयीं। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से श्रेयस ने महाराष्ट्र के गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। आईपीएल नीलामी के बाद ये श्रेयस का पहल मैच था जिसमें वह पूरी लय में दिखे। अब पंजाब की को-ओनर प्रीति जिंटा उनके प्रदर्शन से खुश होंगी। वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में वापसी अच्छी नहीं रही है। शमी की गेंदों को एक नये बल्लेबाज मोहित जांगड़ा ने जमकर पीटा है। बंगाल की ओर से खेलते हुए शमी इस मैच में मिजोरम की टीम के खिलाफ 4 ओवर में 46 रन देकर एक भी विकेट नहीं ले पाये। बंगाल टीम इसके बाद भी इस मैच को जीतने में सफल रही। मिजोरम ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 4 विकेट पर 157 रन बनाए। मोहित जांगड़ा ने 80 रन जबकि अग्नि चोपड़ा ने 13 रन बनाए। वहीं बंगाल की ओर से कनिष्क सेठ, सयान घोष और करन लाल ने एक-एक विकट लिए।

इसके बाद 158 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बंगाल की टीम ने आसानी से मैच जीत लिया। सलामी बल्लेबाज अभिषेक पोरेल ने 45 गेंद में 81 रन बनाये। इस दौरान उन्हें साथी सलामी बल्लेबाज करन लाल का भी अच्छा साथ मिला। करन ने 67 रन बनाए। इन दोनों के आउट होने के बाद हबीब गांधी और ऋत्विक रॉय चौधरी ने 16वें ओवर में टीम को जीत दिला दी। वहीं एक अन्य मैच में मुंबई ने महाराष्ट्र को 5 विकेट से हराया। इस मैच में मुंबई के कप्तान श्रेयस अय्यर ने 39 गेंद में 71 रन बनाये। वहीं अजिंक्य रहाणे ने 34 गेंद में 52 रन बनाए। आईपीएल नीलामी में नहीं बिके पृथ्वी शॉ इस मैच में भी शून्य पर ही आउट हो गये। महाराष्ट्र ने पहले खेलते हुए 9 विकेट पर 171 रन बनाए। मुंबई ने ये लक्ष्य 17.1 ओवर में 5 विकेट पर ही हासिल कर लिया।

टेस्ट के पहले दिन का खेल बारिश से धुला

डरबन। दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका के बीच यहां पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल बारिश के कारण नहीं हो पाया। इस मुकाबले में पहले सत्र में ही तेज बारिश आ गयी।इस कारया समय से पहले लंच-ब्रेक लेना पड़ा। इसके बाद बारिश नहीं रुकी जिससे खेल दोबारा शुरू नहीं हो पाया और अंत में दिनभर का खेल समाप्त घोषित करना पड़ा। पहले दिन का खेल समाप्त होने पर दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 4 विकेट पर 80 रन था। मेजबान कप्तान तेम्बा बवूमा 28 रन बनाकर खेल रहे थे। वहीं काइल वरेन 9 रन बनाकर उनका साथ दे रहे थे। बल्लेबाज एडेन मार्करम 9 और टोनी डी जॉर्जी 4 रन बनाकर आउट हुए जबकि ट्रिस्टन स्टब्स 16 और डेविड बेडिंघम 4 रन बनाकर पैवेलियन लौटे। दक्षिण अफ्रीका के चार बल्लेबाजों में से 2 बल्लेबाजों को लाहिरु कुमार ने आउट किया। वहीं विश्वा फर्नांडो और असिथ फर्नांडो को एक-एक विकेट मिला।

भारतीय टीम 'मैच' के लिए कैनबरा पहुंची

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होगा छह दिसम्बर को दूसरा टेस्ट मैच

शौर्य न्यूज इंडिया

कैनबरा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा टेस्ट 6 दिसंबर से एडिलेड में शुरू होगा। भारतीय क्रिकेट टीम बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट मैच में शानदार जीत के बाद अब एडीलेड में होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए तैयारी कर रही है।

दूसरा टेस्ट दिन-रात का होने के कारण आसान नहीं रहेगा। ऐसे में अपनी तैयारी को और बेहतर करने के लिए भारतीय टीम कैनबरा में दिन-रात का दो दिवसीय अभ्यास मैच भी खेलेगी। जब भारतीय टीम पर्थ से कैनबरा के लिए रवाना हुई, तो खिलाड़ी मस्ती करते दिखे।ऋषभ पंत को हर्षल पटेल को लॉलीपॉप देते हुए भी देखा गया। इसका एक वीडियो भी बीसीसीआई ने जारी किया है। इसमें एयरपोर्ट पर भारतीय टीम को देखा जा सकता है। कप्तान रोहित शर्मा भी टीम के साथ थे। वह दूसरे टेस्ट से एक बार फिर कप्तानी करेंगे। गुलाबी गेंद का अभ्यास मैच उनके लिए भी और भी अहम है क्योंकि वे अभी-अभी भारत से लौटे हैं और वे जल्द से जल्द अभ्यास करके ऑस्ट्रेलियाई हालातों के अनुसार ढ़लना चाहेंगे। बीसीसीआई के वीडियो में शुभमन गिल भी हैं पर उंगली की चोट के कारण उनके अभ्यास मैच से बाहर रहने की संभावना है। उनका दूसरे टेस्ट में खेलना भी संदिग्ध है और चूंकि रोहित शर्मा फिर से पारी शुरू करने की स्थिति में आ गए हैं, इसलिए राहुल दूसरे टेस्ट में नंबर 3 पर खेलेंगे। भारतीय टीम ने पहला टेस्ट मैच 295 रनों के बड़े अंतर से जीता था और अब वह एडिलेड ओवल में उसी लय को जारी रखना चाहेगी।

ऑस्ट्रेलिया ने वेबस्टर को शामिल किया

एडीलेड। ऑस्ट्रेलिया ने यहां भारतीय टीम के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए चोटिल मिचेल मार्श के विकल्प के तौर पर तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर ब्यू वेबस्टर को शामिल किया है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा टेस्ट 6 दिसंबर से एडिलेड में शुरू होगा। पर्थ में खेले गए शुरूआती टेस्ट के दौरान मार्श की मांसपेशियों में खिचांव आ गया था। इस कारण उनका दूसरे टेस्ट में खेलना संदिग्ध माना जा रहा है। वेबस्टर ने हाल में ऑस्ट्रेलिया ए की ओर से अच्छा प्रदर्शन किया था। वेबस्टर ने टीम में बुलाये जाने पर कहा, ऑस्ट्रेलिया ए के लिए कुछ रन और विकेट हासिल करना सुखद रहा। जब भी आप ए टीम के लिए खेलते हैं, तो यह टेस्ट से एक स्तर नीचे होते हैं, इसलिए यह आपको अच्छी स्थिति में रखता है। मैच खत्म होने के बाद चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली का फोन कॉल आना मेरे लिए सुखद था। मैं टीम से जुड़ने का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। वेबस्टर ने अब तक अंतरराष्ट्रीय पदार्पण नहीं किया है पर पिछले दो साल में शेफील्ड शील्ड में बेहतरीन प्रदर्शन किया है। इस 30 वर्षीय खिलाड़ी ने पांच शतक और 9 अर्द्धशतक की सहायता से 1788 रन बनाए हैं। ब्यू वेबस्टर ने इस सप्ताह के शुरू में न्यू साउथ वेल्स के खिलाफ तस्मानिया के शेफील्ड शील्ड मैच में शानदार प्रदर्शन किया था। वेबस्टर ने उस मैच में 61 और 49 रन बनाने के अलावा पांच विकेट भी लिए थे।

फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही ने रिलीज के तीन दिन के भीतर कमाए 17.12 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। राजकुमार राव और जाह्नवी कपूर अभिनीत फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही ने अपने रिलीज के शुरूआती तीन दिन में 17.12 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। फिल्म के निर्माताओं ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस फिल्म का निर्देशन शरण शर्मा ने किया है और यह जी स्टूडियोज और धर्मा प्रोडक्शन्स द्वारा बनाई गई है। 'रोमांटिक स्पोर्ट्स ड्रामा' फिल्म शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और इसे दर्शकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली।

धर्मा प्रोडक्शन्स ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया मंच एक्स पर बॉक्स ऑफिस पर फिल्म के प्रदर्शन के बारे में जानकारी साझा की है। निमार्ता ने पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा है कि फिल्म ने अपनी रिलीज के तीन दिन के भीतर घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 17.12 करोड़ रुपये की शुद्ध कमाई की है। मिस्टर एंड मिसेज माही में जाह्नवी कपूर ने महिमा की भूमिका निभाई है। वह एक डॉक्टर है जिसका पति महेंद्र (राजकुमार राव द्वारा अभिनीत किरदार) उसमें क्रिकेट खेलने की प्रतिभा को पहचानता है और उसके सपनों को पूरा करने के लिए उसका प्रशिक्षक बन जाता है।

बोले मलाइका-अर्जुन, हमारे पास दो ऑप्शन हैं

मुंबई। मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर एक साथ मजबूत रिश्ते में हैं और इस जोड़े ने यह बात जोरदार और साफ तौर पर कही है। सोशल मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि इस जोड़े का ब्रेकअप हो गया है, जिसके बाद यह जोड़ी ट्विटर पर टॉप ट्रेंड में शामिल हो गई। हालाँकि, रिपोर्ट्स के वायरल होने के तुरंत बाद, ब्रेकअप की अफवाहों के बीच अर्जुन कपूर ने इंस्टाग्राम पर एक रहस्यमयी बयान शेयर किया।

इंस्टाग्राम स्टोरीज में बयान में लिखा गया है, ₹हमारे पास जीवन में दो विकल्प हैं। हम अपने अतीत के कैदी हो सकते हैं या भविष्य की संभावनाओं के खोजकर्ता हो सकते हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो, रोहित शेट्टी की अगली फिल्म सिंघम अगेन में मुख्य प्रतिपक्षी की भूमिका निभाने वाले अर्जुन कपूर ने अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर उन्होंने लिखा, 'रोहित शेट्टी के कॉप यूनिवर्स का विलेन!!! मैंने ' सिंघम अगेन' पर अपना काम पूरा कर लिया है!!! मेरी 20वीं फिल्म और मेरे करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक, एक ऐसे निर्देशक के साथ जो मास सिनेमा का बॉस है!!!'

रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित, सिंघम अगेन, सिंघम (2011) और सिंघम रिटर्न्स (2014) के बाद तीसरी किस्त है। हालांकि, यह रोहित की प्रतिष्ठित कॉप यूनिवर्स की पांचवीं फिल्म होगी। इस फिल्म में कई किरदार पिछली किस्तों से अपनी भूमिकाएँ दोहराते हुए नजर आएंगे, जिसमें अक्षय कुमार वीर सूर्यवंशी, करीना कपूर अवनी कामत सिंघम और रणवीर सिंह संग्राम भालेराव की भूमिका में नजर आएंगे। मलाइका ने अपने करियर की शुरूआत की थी मॉडलिंग की और जल्द ही रनवे पर अपने शानदार लुक और ग्रेस के लिए पहचान हासिल कर ली। उन्होंने फिल्म 'दिल से' (1998) में अपने प्रतिष्ठित डांस नंबर 'छैय्या छैय्या' से फिल्म उद्योग में कदम रखा। वह 'झलक दिखला जा' और 'इंडियाज गॉट टैलेंट' सहित विभिन्न डांस रियलिटी शो की जज रह चुकी हैं। उन्हें आखिरी बार आयुष्मान खुराना और जयदीप अहलवात अभिनीत फिल्म 'एन एक्शन हीरो' के गाने 'आप जैसा कोई' में देखा गया था। वह 'तेरा ही ख्याल' म्यूजिक वीडियो में भी नजर आई थीं। इस गाने को गुरु रंधावा ने गाया था, जिसे संजय ने कंपोज किया था और रॉयल मान ने लिखा था। अभिनेत्री ने पहले अरबाज खान से शादी की थी। हालांकि, 2017 में दोनों अलग हो गए। वह अब अभिनेता अर्जुन कपूर के साथ रिलेशनशिप में हैं।

ब्लैक बिकनी पहन नेहा शर्मा ने पानी में लगाई डुबकी वीडियो शेकर करके गर्मी में तापमान और बढ़ाया

मुंबई। नेहा शर्मा निश्चित रूप से तापमान बढ़ाना जानती हैं! अपने बेहतरीन फैशन सेंस के लिए जानी जाने वाली अभिनेत्री ने हाल ही में अपने नवीनतम सोशल मीडिया पोस्ट में लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा। ब्लैक स्विमसूट में ठंड में डुबकी लगाते हुए वह बेहद खूबसूरत लग रही थीं। उन्होंने अपने पोस्ट को कैप्शन दिया, यह अद्भुत लगा...धकेलने के लिए शुक्रिया दोस्तों @siddharth_kotak @aishasharma25...#icebath #fitnessjourneybegins नेहा अपने वीडियो में बेहद खूबसूरत लग रही थीं और उन्होंने अपने दोस्तों को चौंका दिया। नेहा 21 नवंबर को 36 साल की हो गईं। उन्होंने दुबई में अपनी बहन, अभिनेत्री आयशा शर्मा के साथ अपना जन्मदिन मनाया। आयशा ने अपनी बहन के लिए एक भावनात्मक नोट लिखा। आयशा ने अपनी पोस्ट की शुरूआत की 'जन्मदिन की पोस्ट ऐसी पोस्ट होती हैं जिन्हें लोग सोशल मीडिया पर पढ़कर बंधन को समझने की कोशिश करते हैं। पार्टनर, बहन, दोस्त, जो भी हो, के बीच का बंधन। लेकिन इंस्टाग्राम पोस्ट से किसी को यह समझने में मदद नहीं मिल सकती कि असल में हमारे बीच क्या रिश्ता है, कम से कम तब तो नहीं जब बात मेरी बहन और मेरे रिश्ते की हो। फिर भी यह किया जाना चाहिए, इसलिए यह रहा। उन्होंने आगे कहा- 'आप नेहा को तब तक नहीं जान सकते जब तक आप नेहा को वास्तव में नहीं जानते। वह बहुत ही पालन-पोषण करने वाली, सहानुभूति रखने वाली और संवेदनशील है, और वह ऐसी व्यक्ति है जो वास्तव में प्यार करना जानती है, और मेरी राय में, प्यार करने का गुण सबसे बड़ा गुण है जो किसी के पास हो सकता है। नेहा किसी और की तरह प्यार और पालन-पोषण नहीं करती। एक महान, अदम्य भावना और इच्छाशक्ति वाली व्यक्ति। हैप्पी बर्थडे, नेहा।

बीते वित्त वर्ष में 18 रियल एस्टेट कंपनियों ने 1.17 लाख करोड़ रुपये की संपत्तियां बेचीं

नई दिल्ली। पिछले वित्त वर्ष (2023-24) के दौरान 18 प्रमुख सूचीबद्ध रियल एस्टेट कंपनियों ने 1.17 लाख करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियां बेचीं हैं। इसमें गोदरेज प्रॉपर्टीज 22,527 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग के साथ सबसे बड़ी कंपनी रही। कुछ रियल एस्टेट कंपनियों को छोड़कर सभी प्रमुख डेवलपर्स की 2023-24 में बिक्री बुकिंग वित्त वर्ष 2022-23 के आंकड़ों से ज्यादा रही है। इसका मुख्य कारण प्रमुख शहरों में आवासीय संपत्तियों, विशेषकर बड़े और महंगे घरों की मजबूत मांग थी। उपभोक्ता मांग में उछाल के कारण कई डेवलपर्स ने वित्त वर्ष 2023-24 में रिकॉर्ड ऑर्डर बिक्री दर्ज की।

शेयर बाजार को दी गई सूचनाओं के अनुसार, 18 प्रमुख सूचीबद्ध रियल्टी कंपनियों ने वित्त वर्ष 2023-24 में लगभग 1,16,635 करोड़ रुपये की संयुक्त बिक्री बुकिंग दर्ज की है, जो इसके पिछले वर्ष के लगभग 88,000 करोड़ रुपये से 33 प्रतिशत अधिक है। लगभग 1.17 लाख करोड़ रुपये की इन संयुक्त बिक्री बुकिंग में से अधिकांश आवासीय क्षेत्र से हैं। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि प्रमुख सूचीबद्ध कंपनियों की बिक्री बुकिंग में इस उछाल का कारण कोविड-19 महामारी के बाद मजबूत आवास मांग और उन कंपनियों और ब्रांड की ओर मांग का स्थानांतरण है, जिनके पास परियोजनाओं को क्रियान्वित करने का बेहतर रिकॉर्ड है।

बिक्री बुकिंग के मामले में, गोदरेज प्रॉपर्टीज 22,527 करोड़ रुपये के साथ वित्त वर्ष 2023-24 में सबसे आगे रही है। बेंगलुरु की प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स ने 21,040 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग दर्ज की और इस मामले में दूसरी सबसे बड़ी सूचीबद्ध कंपनी बन गई। बाजार पूंजीकरण के लिहाज से देश की सबसे बड़ी रियल्टी कंपनी डीएलएफ ने पिछले वित्त वर्ष में 14,778 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल की। 'लोढ़ा' ब्रांड के तहत संपत्तियां बेचने वाली मुंबई की मैक्रोटेक डेवलपर्स ने 14,520 करोड़ रुपये बिक्री दर्ज की है।

पिछले साल सूचीबद्ध हुई गुरुग्राम की सिग्नेचर ग्लोबल ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और पिछले वित्त वर्ष में 7,270 करोड़ रुपये की बिक्री बुकिंग हासिल की, जो इससे पिछले वित्त वर्ष से दोगुने से भी अधिक थी।

असम के गुवाहाटी में खुलेगा IIM, केंद्र सरकार ने दी मंजूरी

गुवाहाटी। केंद्र ने असम में गुवाहाटी के पास एक भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) स्थापित करने की मंजूरी दे दी है। प्रदेश के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व शर्मा ने रविवार को यह जानकारी दी। इसके साथ ही गुवाहाटी देश के उन कुछ शहरों में शामिल हो जाएगा, जहां शीर्ष शैक्षणिक संस्थान हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार पिछले 18 महीनों से केंद्र के साथ इस मामले को आगे बढ़ा रही थी, और नया संस्थान राज्य में उच्च शिक्षा के लिए 'क्रांतिकारी कदम' होगा।

शर्मा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'एक बड़ी खबर साझा कर रहा हूं! 2023 में हमारे अनुरोध के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुवाहाटी के पास एक भारतीय प्रबंध संस्थान को मंजूरी देकर असम के लोगों को एक विशेष उपहार दिया है। इससे यह उन कुछ शहरों में शामिल हो गया है जहां आईआईटी, एम्स, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय और अब आईआईएम है।'

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और उनके मंत्रालय के समक्ष अपना मामला पेश किया था, साथ ही प्रधानमंत्री मोदी को भी पत्र लिखा था। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने नए संस्थान के लिए भूमि और रसद सहायता की पेशकश की है, जिसका मार्गदर्शन आईआईएम-अहमदाबाद करेगा।

अडानी बने एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति

नई दिल्ली। सेब से लेकर हवाई अड्डा क्षेत्र में सक्रिय अडाणी समूह की सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों में उछाल के बाद गौतम अडाणी एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। उन्होंने रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुकेश अंबानी को पीछे छोड़ दिया है। ह्यब्लूमबर्ग बिलियनयर्स इंडेक्सह्ण के अनुसार, 111 अरब अमेरिकी डॉलर की संपत्ति के साथ अडाणी अब दुनिया के 11वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं। अंबानी 109 अरब डॉलर की संपत्तियों के साथ 12वें स्थान पर हैं।

अडाणी समूह ने अगले दशक के दौरान विस्तार की योजना के तहत 90 अरब डॉलर के पूंजीगत व्यय की योजना बनाई है। इसके बाद अमेरिकी ब्रोकरेज कंपनी जेफरीज ने समूह के बारे में बेहतर राय पेश की है। इन घटनाक्रमों के बाद शुक्रवार को समूह की सभी कंपनियों के शेयर 14 प्रतिशत तक चढ़ गए। इससे अडाणी समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में 84,064 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। शुक्रवार को कारोबार बंद होने के समय अडाणी समूह की 10 सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 17.51 ??लाख करोड़ रुपये हो गया। समूह की कंपनियों के शेयरों में उछाल के बाद पहली पीढ़ी के उद्यमी और अडाणी समूह के चेयरमैन गौतम अडाणी ने अंबानी को पीछे छोड़ दियाहै और वह एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। अंबानी इस समय अपने छोटे पुत्र अनंत के विवाह-पूर्व समारोहों के लिए यूरोप में है। अडाणी (61) 2022 में अपनी व्यक्तिगत संपत्ति बढ़ने के बाद एशिया के सबसे अमीर आदमी बन गए थे। हालांकि, उस समय वैश्विक अर्थव्यवस्था की रफ्तार काफी सुस्त थी। इसके बाद जनवरी, 2023 में अमेरिकी शॉर्ट सेलिंग कंपनी हिंडनबर्ग की समूह पर हेराफेरी के आरोपों की रिपोर्ट के बाद अडाणी की कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में जबर्दस्त गिरावट आई थी। हिंडनबर्ग ने आरोप लगाया था कि अडाणी का कारोबारी साम्राज्य धोखाधड़ी के माध्यम से बनाया गया था, जिससे समूह के शेयरों की कीमतें 150 अरब डॉलर तक गिरकर अपने सबसे निचले स्तर पर आ गईं और वह दुनिया के शीर्ष 20 अरबपतियों की सूची से बाहर हो गए। इससे अंबानी 2022 में एक बार फिर एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति बन गए। हालांकि, अडाणी समूह ने इन सब आरोपों को खारिज कर दिया था।

मानव तस्करीः NIA की कार्रवाई, गोरखपुर में मिले सुराग

उनवल (गोरखपुर)। मानव तस्करी व गलत तरीके से लेनदेन करने के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) पटना की टीम ने खजनी के खतुआभार गांव में छापा डाला। कंबोडिया की जेल में बंद अभय दुबे के घर की तलाशी लेने के साथ ही उनकी पत्नी, पिता और भाई से चार घंटे तक पूछताछ की। परिवार के सभी सदस्यों की आइडी (पहचान पत्र) लेकर तहसील से सत्यापन कराने के साथ ही फोटो भी लिया।जांच के बाद टीम अयोध्या रवाना होग गई।

सतुआभार गांव का अभय नाथ दुबे 21 वर्ष पहले रोजगार की तलाश में कंबोडिया गया था। गलत संगत में फंसकर वह मानव तस्करी के करने लगा। इस आरोप में चार माह से कंबोडिया की जेल में बंद है। इस मामले की जांच एनआइए पटना के अधिकारी कर रहे हैं।

गुरुवार की सुबह पांच बजे एनआइए के अधिकारी खजनी थाने पहुंचे।थानेदार सदानंद सिन्हा और तहसीलदार कृष्णपाल तिवारी को साथ लेकर अभय नाथ दुबे के घर पहुंचे। पत्नी मनोरमा दुबे और बड़े भाई सिद्धनाथ दुबे की मौजूदगी में घर की तलाशी ली। इस दौरान पत्नी के नाम पर जमा किए गए करीब छह लाख की एफडी, बैंक पासबुक और अन्य कागजात एकत्रित कर टीम ने उसे अपने कब्जे में ले लिया।

अभय की पत्नी मीरा दुबे ने बताया कि मायके और रिश्तेदारों के सहयोग से घर चल रहा है। पति विदेश में जेल में बंद है, उनका कोई समाचार नहीं मिल पाता है। बड़े भाई सिद्धनाथ दुबे ने बताया कि अभयनाथ की दो बेटियां हैं, जो कि दिल्ली में रहकर एमसीए और बीसीए की पढ़ाई करती हैं। बेटियों के पास खाने पीने के लिए रुपये नहीं थे, तो उन्होंने दो दिन पहले ही उनके बैंक खाते में चार हजार भेजे हैं। जांच एजेंसी ने बेटियों के बैंक खाते सीज कर दिए हैं।

बड़े भाई मुक्ति नाथ दूबे ने बताया

कि वर्ष 2003 से ही अभय नाथ कंबोडिया में रहता है।वहां फेरी लगाकर कपड़ा व मच्छरदानी बेचता था। 16 जुलाई 2024 कंबोडिया की पुलिस ने कमरे पर छापा डाल 17 भारतीयों को गिरफ्तार किया।अभय के कमरे से एक लैपटाप भी मिला था।पूछताछ व जांच के बाद 14 भारतीयों को दूतावास भेज दिया गया।

अभय के साथ ही जानीपुर व बिहार के दो युवकों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।कंबोडिया की पुलिस ने जब छापा डाला तो बिहार के समस्तीपुर का रहने वाला मुन्ना सिंह भाग गया,जो मानव तस्करी करता है।उसके न मिलने पर कंबोडिया की पुलिस ने अभय को आरोपित बना दिया। खजनी के सतुआभार गांव निवासी अभय नाथ दुबे व उसके चार साथियों के विरुद्ध बड़हलगंज थाने में जालसाजी करने का मुकदमा दर्ज है।कोड़ारी गांव के रहने वाले अनिल सिंह की शिकायत पर यह कार्रवाई हुई थी।पुलिस ने इस मामले में एक आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

अनिल सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में लिखा था कि उसके गांव के राहुल चौबे ने विदेश में नौकरी दिलाने का झांसा देकर अपने खाते में 80 हजार रुपये आनलाइन ट्रांसफर करवाए थे।इसके अलावा एक लाख रुपये नकद लिया था। 25 फरवरी 2024 को एक माह का टूरिस्ट वीजा लगवाकर कोलकाता से कंबोडिया भिजवा दिया।

वहां पहुंचने पर उससे अभय नाथ दुबे मिले। उसने उसका पासपोर्ट ले लिया और आनलाइन नौकरी करने के लिए कंप्यूटर दिया। आरोप है कि उसे जो काम दिया गया उसमें भारतीयों को टारगेट कर उनके अकाउंट से फ्राड करके रुपये निकालना था। उसने जब यह काम करने से मना किया तो अभय नाथ ने जानमाल की धमकी देते हुए यही काम करने को कहा।

पासपोर्ट मांगने पर देने से मना कर दिया। इसके बाद उसने कंबोडिया स्थित भारतीय दूतावास से संपर्क कर उसने आपबीती सुनाई। दूतावास की मदद से दूसरा पासपोर्ट बनवाकर 14 अप्रैल 2024 को उसे कोलकाता भिजवाया गया। पीड़ित ने बताया कि आरोपियों का एक सिंडिकेट है जो बेरोजगार युवकों को विदेश में नौकरी देने के नाम पर न सिर्फ पैसा ऐंठता है बल्कि मजबूर करके ऑनलाइन फ्राड भी कराता है।इस मामले में पुलिस ने अभय नाथ, राहुल चौबे सहित चार आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया था। जांच में आरोप की पुष्टि होने पर राहुल चौबे को गिरफ्तार कर जेल भेजा था।

बांदा में विकास कार्यों को दी जाएगी गति, रानी दुर्गावति की प्रतिमा का अनावरण करते हुए बोले सीएम योगी

बांदा। सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मेडिकल कॉलेज में रानी

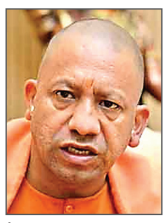

दुर्गावती की प्रतिमा का अनावरण किया। भाजपा नेताओं से बोले की बांदा में विकास कार्यों को गति दी जाएगी। बहुत जल्द दोबारा जनपद आएंगे। कई योजनाओं व प्रतिमाओं का लोकार्पण करेंगे। जनप्रतिनिधियों से बोले की जनता के हित में अधिक से अधिक विकास कार्य किए जाएं। तेलांगना के भाजपा संगठन महामंत्री चंद्रशेखर की मां को उनके पैतृक गांव महुआ में श्रद्धांजलि दी। पीड़ित परिवार से संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री अपने जारी किए गए प्रोटोकाल से करीब 15 मिनट पहले 10:45 बजे रानी दुर्गावती मेडिकल कालेज हेलीपैड पहुंचे। जहां उन्होंने जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी, भाजपा जिलाध्यक्ष संजय सिंह आदि भाजपा नेताओं से चलते चलते बात की। कहा कि जनता की हित में अधिक से अधिक कार्य कराएं। जहां दिक्कत आए वह उनसे आकर मिलें। बाद में उन्होंने मेडिकल कालेज के गेट पर लगी रानी दुर्गावती की प्रतिमा का बटन दबाकर अनावरण किया। वहां से वह बाई कार तेलांगना के संगठन महामंत्री की मां के तेरहवीं कार्यक्रम स्थल महुआ गांव पहुंचे। जहां उन्होंने संगठन महामंत्री की मां के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए शोक संवेदना व्यक्त की।

संगठन महामंत्री के साथ कुछ देर बैठने के बाद वह वापस कार से 11:43 पर रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज पहुंचे। जहां से वह हेलीकॉप्टर से चित्रकूट के लिए रवाना हुए। उनके यहां आने के दौरान अफसरों का काफिला उनके साथ चलता रहा। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही है।

यूपी से अब एमपी का सफर होगा आसान

बांदा। जिले की चारों विधानसभाओं में आवागमन में हो रही समस्या को देखते हुए मंत्री समेत तीनों विधायकों ने पुल निर्माण के प्रस्ताव शासन को भेजे थे। जिसमें से सदर समेत तिंदवारी, नरैनी व बबेरू विधानसभाओं में नौ पुलों की मंजूरी मिली है। यह लघु पुल 22 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किए जाएंगे।

इनके बनने से करीब आठ लाख से ज्यादा आबादी को आवागमन में सुविधा मिलेगी। इसमें सदर विधान सभा क्षेत्र में खुरहंड से गिरवां गोहड़िया होते हुए स्योढ़ा घाट (मध्य प्रदेश सीमा) तक मार्ग के किमी दस में लघु सेतु के निर्माण से यूपी से एमपी का सफर भी आसान होगा। बांदा जिले के कई स्थानों का सफर जल्द सुगम होगा। खास कर वर्षा काल में उफनाए रपटों में होने वाली दिक्कतों और होने वाली घटनाओं से निजात मिलेगी। जिले में नौ पुलों के बनने से एक स्थान से दूसरे कस्बे जाने का आवागमन तो आसान होगा।

दरअसल शासन ने लघु सेतु के प्रस्तावों की मंजूरी दी है। जिसमें जिले की सदर विधान सभा क्षेत्र में खुरहंड से गिरवां गोहड़िया होते हुए स्योढ़ा घाट (मध्य प्रदेश सीमा) तक मार्ग के किमी दस में लघु सेतु का निर्माण कार्य 1.71 करोड़ रुपये की कीमत से किया जाएगा। इसी प्रकार से हस्तम

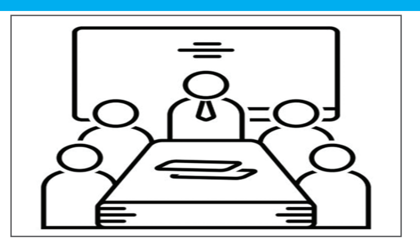

संपर्क मार्ग के गड़ा नाला में सकरी पुलिया के स्थान पर लघु सेतु का निर्माण कार्य 1.6 करोड़ रुपये, शहर में इलाहाबाद बैंक से जिलाधिकारी आवास होते हुए रोडवेज तक लघु सेतु का निर्माण कार्य 0.21 करोड़ रुपये की लागत से किया होगा।

तिंदवारी विधानसभा में बांदा बहराइच मार्ग से चहितारा पचुल्ला मार्ग के किमी छह में स्थित रपटे के निर्माण 9.06 करोड़ की लागत से किया जाएगा। नरैनी विधान सभा में नेढुवा सम्पर्क मार्ग के किमी तीन में पुल का निर्माण 2.04 करोड़ की लागत से होगा। बांदा-बिसंडा-ओरन-नादी-भौरी मार्ग (राज्य मार्ग संख्या-133) के किमी 33 में सकरी पुलिया के स्थान पर लघु सेतु का निर्माण कार्य 1.74 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। वहीं बबेरू विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत बबेरू-तिंदवारी-सुमेरपुर राज्य मार्ग संख्या-134 पर दो लघु सेतु का जिसमें पहला 3.92 करोड़ व दूसरा 0.96 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किए जाएगें। इसी प्रकार से अतर्रा-ओरन-कमासिन-दांदौ मार्ग (प्रमुख जिला मार्ग) पर किमी 20 में क्षतिग्रस्त रपटे के स्थान पर दस मीटर स्पान की आरसीसी बाक्स कलवर्ट का निर्माण 0.82 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। मंत्री व विधायकों के भेजे गए करीब 22 करोड़ रुपये की लागत के नौ पुलों के निर्माण की मंजूरी शासन से मिल गई है। जिले में इन नौ लघु सेतु बन जाने से यहां से गुजरने वाले करीब आठ लाख आबादी का सफर सुगम होगा। खास बात यह है कि रपटों के स्थान पर बने पुलों से वर्षा काल में होने वाली घटनाओं और आवागमन में कई किलोमीटर का चक्कर मंजिल तक पहुंचना आसान होगा।

सदर विधायक प्रकाश द्विवेदी ने बताया कि आवागमन में लोगों को हो रही समस्या को लेकर पुल निर्माण के लिए प्रस्ताव भेजा गया था, जिसको मंजूरी मिली है। जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होंगे। पुल के बनने से आवागमन आसान होगा। रामकेश निषाद, जल शक्ति राज्य मंत्री लोगों की समस्या को देखते हुए पुल निर्माण आवश्यक थे, पुलों को निर्माण को लेकर काफी समय से प्रयासरत रहे। इनके बनने से लगने वाले जाम से निजात मिलेगी व आवागमन सुगम होगा।

होटलों में घुसकर लड़कियों की बनाते थे वीडियो

बदायूं। होटलों पर छापेमारी करना, कमरे खुलवाकर देखना, वहां मिलने वाले प्रेमी युगलों के वीडियो बनाने और उन्हें प्रसारित करने की धमकी देकर वसूली करने, लड़कियों के हाथ पकड़ कर खींचने, होटल मालिक से रंगदारी मांगने समेत अन्य धाराओं में विश्व हिंदू महासंघ के जिलाध्यक्ष विशाल ठाकुर समेत छह नामजद व तीन अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी पंजीकृत की गई है।

हिंदू संगठन की आड़ लेकर यह गिरोह कई दिनों से वसूली और रंगदारी वसूलने का धंधा कर रहा था। पूर्व में भी मिली शिकायतों को आधार बनाते हुए पुलिस ने यह कार्रवाई की है। इसमें कुछ तथाकथित मीडियाकर्मी भी शामिल हैं। पुलिस ने विश्व हिंदू महासंघ के जिलाध्यक्ष समेत तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

शहर के मुहल्ला कबूलपुर निवासी धर्मेंद्र कुमार का सिविल लाइंस थाना क्षेत्र के पटेल चौक के पास मिडटाउन होटल है। जिसमें ओयो की फ्रेंचाइजी है। धर्मेंद्र ने पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि गुरुवार को होटल के कुछ कमरों में लोग ठहरे हुए थे। नियमानुसार उन सभी की पहचान पत्र आदि उन्होंने जमा करने के बाद ही कमरे दिए थे। कमरों में रुके सभी लोग बालिग थे।

बताया कि दोपहर के समय विशाल ठाकुर, करन पटेल, तेजेंद्र कुमार, बब्लू अपने चार-पांच अन्य साथियों के साथ आए और होटल के कमरों में ठहरे ग्राहकों की जबरदस्ती पहचान पत्र चैक करने लगे। विरोध करने पर जबरन उनके कमरों में घुस गए और आइडी देखी। सभी ग्राहकों की आइडी ठीक होने के बाद भी वहां रुकी लड़कियों का हाथ पकड़ा। छेड़छाड़ के उद्देश्य से उन्हें खींचा। इसके बाद उनके साथ गाली गलौज करते हुए धमकाने लगे। उन सभी ने अपने अपने मोबाइल में ग्राहकों की वीडियो बना ली थी। जिनमें कुछ जोड़ों के वीडियो थे। उन सभी को प्रसारित करने की धमकी देने लगे।

आरोप है कि कहा कि अगर अगर चाहते हो कि वीडियो प्रसारित न हो तो रुपये दो। उन्होंने ग्राहकों और उनसे रुपये की मांग की। पुलिस ने शिकायती पत्र के आधार पर विशाल ठाकुर, करन पटेल, तेजेंद्र कुमार, बब्लू व अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी। पुलिस के अनुसार तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया। इनमें खुद को विश्व हिंदू महासंघ का जिलाध्यक्ष बताने वाला विशाल ठाकुर, अमित पिप्पल व करन पटेल शामिल हैं। तीनों को जेल भेज दिया है।

सिविल लाइंस इंस्पेक्टर संजय सिंह ने बताया कि आरोपितों ने होटल पर छापामारी करने का वीडियो प्रसारित भी कर दिया है। जिसमें लड़कियों का हाथ पकड़ने वाला बबलू व कुछ अन्य लोग दिख रहे हैं। वह सभी फरार हैं। फरार आरोपितों की तलाश की जा रही है। मुकदमे के बाद बढ़े दो नाम पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज होने के बाद जांच शुरू की और वीडियो और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दो और नाम और बढ़ा दिए। जिसमें अमित पिप्पल तो पुलिस को पहले ही मिल गया था। बढ़ाए गए नामों में अजय और अमित पिप्पल के नाम बढ़ाए हैं।

वहीं कुछ अन्य आरोपितों को चिन्हित कर लिया गया है, लेकिन उनके नाम पता नहीं मिल सके हैं। कुछ दिन पहले प्रसारित हुआ था आडियो कुछ दिन पहले ही विश्व हिंदू महासंघ के जिलाध्यक्ष विशाल ठाकुर का एक आडियो और वीडियो प्रसारित हुआ था।

गैंगस्टर की एक करोड़ की संपत्ति जब्त

कार्रवाई : गैंगस्टर एक्ट के तहत दर्ज हुआ था मुकदमा

आरती यादव

आगरा। आगरा के मंटोला क्षेत्र में सक्रिय गैंगस्टर इमरान कुरैशी के खिलाफ हरीपर्वत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उसकी एक करोड़ रुपये की संपत्ति को जब्त किया है। इमरान कुरैशी मुंडापाड़ा मंटोला का निवासी है। उसके खिलाफ हरीपर्वत थाने में गैंगस्टर एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने यह कार्रवाई गैंगस्टर की अवैध कमाई से जुड़ी संपत्ति को जब्त करने के लिए की है, जो उसने अपने पिता के नाम पर बनवायी थी। शनिवार को हरीपर्वत पुलिस और डीसीपी सिटी सूरज कुमार राय के नेतृत्व में कई थानों की पुलिस टीम ने गैंगस्टर इमरान कुरैशी के कोतवाली कचहरी घाट स्थित घर पर छापा मारा। जांच के दौरान यह खुलासा हुआ कि इमरान ने अपनी अवैध संपत्ति अपने पिता ग्यासुद्दीन के नाम पर बनाई थी। पुलिस ने आरोपित के दो मकानों को जब्त करके सील कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि इन संपत्तियों का कुल मूल्य एक करोड़ रुपये के आसपास है। डीसीपी सूरज कुमार राय ने बताया कि इमरान कुरैशी के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है, जिसमें अपराधी अपनी अवैध कमाई से संपत्ति इकट्ठा करता है और उसे छिपाने के लिए अक्सर दूसरों के नाम पर पंजीकरण करवा देता है। इस मामले में इमरान ने अपने पिता के नाम पर इन संपत्तियों को पंजीकृत करवाया था, ताकि पुलिस और कानून से बच सके। लेकिन पुलिस ने गहरी छानबीन के बाद यह संपत्ति जब्त करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने इस कार्रवाई को प्रदेश सरकार की कड़ी नीतियों के तहत अंजाम दिया है, जो संगठित अपराधियों और गैंगस्टरों के खिलाफ मुहिम चला रही है। गैंगस्टर एक्ट के तहत अब इमरान कुरैशी के खिलाफ और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि ऐसे अपराधियों के खिलाफ भविष्य में भी इसी प्रकार की कार्रवाइयां की जाएंगी, ताकि उनका अवैध नेटवर्क और संपत्ति नष्ट की जा सके।

लड़ाई के बाद पत्नी घर आने के लिए नहीं हुई राजी तो होश खो बैठा शख्स

बदायूं। सोशल मीडिया पर साली का अश्लील फोटो वायरल कर फैसले का दबाव बनाने वाले जीजा के खिलाफ थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन जमानतीय अपराध के चलते शांति भंग की धाराओं में चालान करना पड़ा। एसडीएम के यहां से उसे जमानत मिल गई। आरोपी युवक का उसकी पत्नी से पारिवारिक विवाद चल रहा है, जिसका अभियोग दहेज एक्ट की धाराओं में न्यायालय में विचाराधीन है। आरोपी जीजा इसी मामले में फैसले के लिए लगातार दबाव बना रहा है। इसी के चलते उसने अपनी साली का फोटो आपत्तिजनक शब्दों के साथ सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया। लड़की के स्वजन को जानकारी होने पर उन्होंने शिकायती पत्र देकर प्राथमिकी पंजीकृत कराई थी। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक व्यक्ति ने चार साल पहले अपनी बड़ी बेटी की शादी शाहजहांपुर के मदनापुर थाना अंतर्गत एक गांव निवासी युवक से की थी। शादी के कुछ समय बाद युवक अपनी पत्नी को दहेज के नाम पर प्रताड़ित करने लगा। काफी समझाने के बाद भी वह नहीं सुधरा तो उसकी पत्नी की तरफ से दहेज एक्ट का मुकदमा दर्ज करा दिया गया। आरोप है कि अब युवक लगातार अपनी पत्नी के घरवालों पर समझौते के लिए अनैतिक दबाव डाल रहा है।

अश्लील बातें करने वाले लेखपाल के खिलाफ मुकदमा : बिसौली। विरासत दर्ज करने और आय प्रमाण पत्र और किसान सम्मान निधि का सत्यापन करने के नाम पर विधवा से अश्लील वातार्लाप करने का ऑडियो वायरल होने के मामले में पीड़ित महिला ने कोतवाली में पुलिस को तहरीर दी, जिस पर पुलिस ने देर रात प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। इधर, एसडीएम राशि कृष्णा ने देर रात को आरोपित लेखपाल को निलंबित कर तहसीलदार विजय शुक्ला को मामले की जांच सौंप दी है। एसडीएम राशि कृष्णा ने बताया कि जांच।

ऑस्ट्रेलिया में देवरिया का डंका

देवरिया। देवरिया जिले के गौरा बरहज के मूल निवासी प्रदीप तिवारी ने मंगलवार को आस्ट्रेलिया के मैरीबर्नान्ग शहर में मेयर बनकर क्षेत्र और भारत का नाम रोशन किया है।

उनकी इस ऐतिहासिक सफलता की खबर मिलते ही उनके पैतृक गांव में जश्न का माहौल है। मिठाइयां बांटी जा रही हैं, और उनके रिश्तेदार व ग्रामीण उनकी इस उपलब्धि पर गर्व महसूस कर रहे हैं। प्रदीप तिवारी 1985 में अपनी बुआ मीरा शुक्ला और धर्मदेव शुक्ल के माध्यम से ऑस्ट्रेलिया गए। धर्मदेव शुक्ल वहां वैज्ञानिक के रूप में कार्यरत थे। प्रदीप आस्ट्रेलिया पहुंचने के बाद 1986 में नौकरी शुरू की। उनके पिता मारकंडेय तिवारी पहले ही वहां व्यवसाय स्थापित कर चुके थे। इसी प्रेरणा से प्रदीप ने भी ₹भारत ट्रेडर्स₹ नामक व्यवसाय शुरू किया, जो समय के साथ सफल होता गया।

कोविड-19 महामारी के दौरान

प्रदीप तिवारी ने सामुदायिक सेवा में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने जरूरतमंदों को सहायता प्रदान की और अपनी विनम्रता और सेवाभाव से लोगों के दिलों में जगह बनाई। उनके इस सेवाभाव ने उनकी लोकप्रियता को और बढ़ाया और उन्हें समाज में सम्मानित स्थान दिलाया। पैतृक गांव देवरिया जिले के गौरा बरहज में प्रसन्न मुद्रा में उनकी बड़ी अम्मा कंचन तिवारी एवं पड़ोसी।

प्रदीप तिवारी ने वर्ष 2000 में पहली बार आस्ट्रेलिया में पार्षद पद के लिए चुनाव लड़ा, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और सामाजिक व राजनीतिक गतिविधियों में निरंतर सक्रिय रहे। आखिरकार, 2024 में उन्होंने मेरी विनम्र शहर से मेयर पद के लिए चुनाव लड़ा और जीत हासिल की।

उनकी सफलता की खबर सुनते ही उनके पैतृक गांव गौरा बरहज में हर्षोल्लास का माहौल है। उनकी बड़ी माता ने कहा, प्रदीप बचपन से ही होनहार थे। उन्होंने हमेशा अपने काम और मेहनत से कुछ बड़ा हासिल करने की इच्छा जताई।₹ प्रदीप की शादी राखी से आस्ट्रेलिया ससुराल के लोग इलाहाबाद के रहने वाले हैं। लेकिन परिवार सहित आस्ट्रेलिया में रहते हैं।

चोरों के धावे से दहशत में 422 दुकानदार

शौर्य न्यूज इंडिया

आगरा। कोतवाली के व्यस्त पुराने बाजार लुहार गली में चोरों शुक्रवार आधी रात दो दुकानों के ताले चटका दिए। दोनों दुकानों के गल्ले में रखे 35 हजार रुपये ले गए। शनिवार सुबह नौ बजे व्यापारियों को ताले टूटने की जानकारी हुई। बल्केश्वर के पीके अग्रवाल की लुहार गली में पीके ट्रेडर्स के नाम से कास्मेटिक का थोक का काम है। खंदारी के मयंक अग्रवाल की मयंक प्लास्टिक के नाम दुकान है।

चोरों ने दोनों दुकानों के शटर के ताले तोड़ दिए। पीके अग्रवाल की दुकान के गल्ले से 20 हजार रुपये और मयंक अग्रवाल की दुकान के गल्ले से 15 हजार रुपये ले गए। जानकारी होने पर लुहार गली व्यापार समिति के अध्यक्ष संदीप गुप्ता और पदाधिकारी राकेश बंसल, संजीव अग्रवाल समेत अन्य पदाधिकारी वहां पहुंच गए। घटना से व्यापारियों में आक्रोश है।

व्यापारियों का कहना है कि लुहार गली में 400 से अधिक दुकाने हैं। तीन वर्ष पहले गिरोह ने एक साथ आठ दुकानों के ताले तोड़े थे। लाखों की नकदी और माल ले गए थे।जिसके बाद यहां दुकानों के बीच पुलिस पिकेट तैनात की गई थी। पिकेट के बाद तीन वर्ष से यहां कोई घटना नहीं हुई थी। एक महीने पहले पिकेट हटाने के बाद चोरों ने फिर से धावा बोल दिया। व्यापारियों को आशंका है कि इसके पीछे कोई संगठित गिरोह है। उन्होंने दोबारा पिकेट लगाने की मांग की है। संभल प्रकरण के बाद कमिश्नरेट में पुलिस अधिकारियों ने बलवा होने की स्थिति पर नियंत्रण की क्षमता को देखने के लिए पुलिस लाइन के परेड ग्राउंड में मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया।इस दौरान डीसीपी सिटी सूरज राय समेत सभी एसीपी ने पुलिसकर्मियों को जरूरी निर्देश दिए और अभ्यास कराया। शुक्रवार सुबह पुलिस लाइन के परेड ग्राउंड में परेड के बाद अचानक माहौल बदल गया। पुलिस कर्मियों की एक टोली बलवाई बन कर आई और बाकी फोर्स ने बलवा होने से रोकने के जरूरी प्रयास किए। डीसीपी सिटी सूरज राय ने बताया कि पुलिसकर्मियों के कौशल को परखने के लिए माक ड्रिल का आयोजन किया गया था। इसका उद्देश्य पुलिस कर्मियो को आकस्मिक परिस्थितियों में किसी भी विवाद से निपटने में और अधिक दक्ष करना था।ड्रिल के दौरान पुलिसकर्मियों को रबर बुलेट,लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले छोड़ने आदि शस्त्र संचालन के बारे में जानकारी दी गई।

एसीपी लाइन्स/हरीपर्वत आदित्य कुमार, एसीपी सदर विनायक भोंसले, एसीपी कोतवाली राजेश पांडे, एसीपी ताजसुरक्षा सैयद अरीब अहमद, एसीपी छत्ता हेमंत कुमार आदि के द्वारा भी पुलिसकमियों को ब्रीफ किया गया।आपातकाल में मिलकर त्वरित निर्णय लेने की महत्वता के बारे में बताया गया।

विशाल हत्याकांडः भोर में तड़-तड़ड़ाई गोलियां

देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले की पुलिस को एक बहुत बड़ी सफलता मिली है। जिले के एकौना थाना क्षेत्र के नगवा खास के समीप शनिवार की भोर में गोलियां तड़तड़ा उठी। पुलिस ने विशाल सिंह हत्याकांड के आरोपित राहुल अली को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। इनामी राहुल अली के पैर में गोली लगी है। गोली लगने के बाद उसे महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है। उधर अधिकारियों ने मेडिकल कालेज पहुंच जानकारी ली।

एकौना थाना क्षेत्र के हौलीबलिया के रहने वाले छात्र नेता विशाल सिंह की 16 नवंबर की रात चाकू मारकर हत्या कर दी गई। हत्याकांड की जांच कर रही पुलिस टीम को भोर में सूचना मिली कि घटना में शामिल नामजद आरोपित व 25 हजार रुपये का इनामी राहुल अली निवसी रानीपुर भिटहां थाना कौड़ीराम जिला गोरखपुर नगवा खास सीकट बंधे के पास से जाने वाला है। सूचना के बाद पुलिस सक्रिय हो गई और मौके पर पहुंच गई। पुलिस टीम ने उसे रोकने का प्रयास किया तो वह पुलिस टीम पर ही फायर झोंक दिया। पुलिस टीम अपना बचाव करते हुए जवाबी कार्रवाई की। जिससे राहुल अली के पैर में गोली लग गई और वह मौके पर ही गिर गया। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

उसके पास से कट्टा व बाइक बरामद किया गया है। इसके बाद पुलिस उसे मेडिकल कालेज लेकर पहुंची। विशाल सिंह हत्या कांड में गोरखपुर जनपद के शाहपुर थाना क्षेत्र के घोषीपुरवा निवासी मोहम्मद रजा, फैज रैनी, कौड़ीराम के रानीपुर निवासी राहुल अली व विनोद जायसवाल के विरुद्ध हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। मुख्य आरोपित मोहम्मद रजा खान को पुलिस पहले ही मुठभेड़ में गिरफ्तार कर चुकी है। अब फैज रैनी व विनोद जायसवाल की गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। राहुल अली को शरण देने में दो दिन पहले दो लोगों को पुलिस जेल भेज दी थी। इसके बाद से ही राहुल पर लगातार पुलिस का दबाव बढ़ रहा था।

ऐसा आदेश देंगे कि ताउम्र याद रहेगाः एससी

सत्ता का आनंद ले रही पुलिस खतरनाक क्षेत्र में प्रवेश कर रही, उसे संवेदनशील बनने की जरूरत

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश पुलिस को सुप्रीम कोर्ट ने कड़ी फटकार लगाई है। पुलिस की कार्यशैली पर टिप्पणी करके हुए सर्वोच्च अदालत ने कहा कि यूपी पुलिस पावर एंजॉय कर रही है। उसे संवेदनशील होने की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट गैंगस्टर अनुराग दुबे की अग्रिम जमानत अर्जी पर सुनवाई कर रही थी। इस दौरान जस्टिस सूर्यकांत ने यूपी पुलिस को लेकर यह सनसनीखेज टिप्पणी की है।

कोर्ट ने पुलिस को चेतावनी देते हुए कहा कि आप अपने डीजीपी को बता दें कि हम ऐसा कठोर आदेश दे देंगे कि सारी जिंदगी याद रहेगा।दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में गैंगस्टर अनुराग दुबे की अग्रिम जमानत अर्जी पर सुनवाई हो रही थी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जवल भुयान की पीठ इस मामले को देख रही थी। पीठ ने पाया कि याचिकाकर्ता के खिलाफ कई एफआईआर दर्ज हैं और उसे डर है कि अगर वह जांच के लिए कोर्ट में पेश हुआ तो उसके खिलाफ एक और नया मामला दर्ज किया जाएगा। यह देखते हुए कोर्ट ने निर्देश दिया कि याचिकाकर्ता जांच अधिकारी की ओर से उसके मोबाइल फोन पर दिए गए किसी भी नोटिस का पालन करे। कोर्ट ने यह भी साफ कर दिया कि अदालत की पूर्व अनुमति के बिना उसे पुलिस हिरासत में नहीं लिया जाएगा।

यूपी राज्य की पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता राणा मुखर्जी ने कोर्ट को बताया कि अदालत के पिछले आदेश के बाद याचिकाकर्ता को नोटिस भेजा गया था, लेकिन वह जांच अधिकारी के सामने पेश नहीं हुआ। इसके बजाय उसने एक हलफनामा भेजा। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि याचिकाकर्ता शायद इस डर में जी रहा है कि यूपी पुलिस उसके खिलाफ एक और झूठा मामला दर्ज कर देगी। वो शायद इसलिए पेश नहीं हो रहा होगा क्योंकि उसे पता है कि आप कोई और झूठा केस दर्ज करके उसे गिरफ्तार कर लेंगे। जज ने पुलिस पर सख्त होते हुए कहा कि आप अपने डीजीपी को बता सकते हैं कि जैसे ही वह (अनुराग दुबे) छू गया, हम ऐसा कठोर आदेश देंगे कि सारी ज़िंदगी याद रहेगा। हर बार आप उसके खिलाफ एक नई एफआईआर लेकर आते हैं। अभियोजन पक्ष कितने मामलों को बरकरार रख सकता है? कोर्ट ने आगे कहा कि जमीन हड़पने का आरोप लगाना बहुत आसान है। जिसने रजिस्टर्ड सेल डीड से खरीदा हो, उसे आप जमीन हड़पने वाला कहते हैं? यह सिविल विवाद है या क्रिमिनल विवाद? कोर्ट ने कहा कि हम सिर्फ. यह बता रहे हैं कि आपकी पुलिस किस खतरनाक क्षेत्र में घुस गई है और उसका मजा ले रही है। सत्ता से कौन चूकना चाहेगा? अब आप पुलिस की सत्ता संभाल रहे हैं। अब आप सिविल कोर्ट की सत्ता संभाल रहे हैं और इसलिए आप मौज-मस्ती कर रहे हैं। वकील राणा मुखर्जी ने इस पर कहा कि अगर याचिकाकर्ता को छुआ गया तो उनका ब्रीफ यूपी राज्य को वापस भेज दिया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट भड़का

अनुराग दुबे मामले की सुनवाई के दौरान उठाए सवाल, कार्यशैली पर कटाक्ष

बता दें, फरुर्खाबाद के गैंगस्टर अनुराग दुबे उर्फ डब्बन के खिलाफ धोखाधड़ी, मारपीट और जालसाजी के कई मामले दर्ज हैं। एनएसए, गुंडा एक्ट के तहत भी केस दर्ज हैं। अनुराग दुबे के भाई का नाम अनुपम दुबे है और वह बसपा नेता है। उसके खिलाफ भी हत्या समेत कई गंभीर मामले दर्ज हैं। उनकी फरुर्खाबाद जिले में खूब दादागिरी चलती है। माना जाता है कि इन दोनों का 100 करोड़ से ऊपर का साम्राज्य है। इनकी गिनती यूपी के बाहुबली में की जाती है।

संभलः मुख्य आरोपी में एक गिरफ्तार, कार्रवाई

संभल। 24 नवंबर को हुए पथराव और हिंसा के मामले में पुलिस ने अफवाह फैलाने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि उसकी पहचान फरहत के रूप में हुई है। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इससे पहले वरिष्ठ अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने दावा किया था कि हिंसा के बाद उन्हें धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी, संभल के सांसद जियाउर्रहमान बर्क, एसपी मीडिया सेल और ज्ञानवापी मस्जिद समिति के सचिव पर गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया। जैन ने स्पष्ट किया कि उन्होंने मौके पर कोई नारेबाजी नहीं की और एएसआई सर्वे के बाद पुलिस के संरक्षण में वहां से लौटे थे। उन्होंने कहा, ₹मेरे खिलाफ आरोप लगाए गए कि मैं जय श्रीराम के नारे लगाते हुए वहां भीड़ लेकर गया और हिंसा भड़काई, यह पूरी तरह गलत है।

आम आदमी के खर्चों पर अब पड़ने वाला है असर

नई दिल्ली। ऐसी उम्मीद है कि लंबे समय से स्थिर 14 किलोग्राम वाले घरेलू गैस सिलेंडर में संशोधन किया जा सकता है। एलपीजी सिलेंडर की कीमतों के साथ ही महीने की पहली तारीख को तेल वितरण कंपनियों द्वारा एयर टर्बाइन फ्यूल के दाम में भी संशोधन किया जाता है। इस बाद पहली दिसंबर को भी हवाई ईंधन की कीमतों में चेंज देखने को मिल सकता है। इसमें होने वाले बदलाव का सीधा असर हवाई यात्रियों पर देखने को मिल सकता है। पहली दिसंबर 2024 से तीसरा बड़ा बदलाव क्रेडिट कार्ड यूजर्स से जुड़ा हुआ है। दरअसल, अगर आप खासतौर पर डिजिटल गेमिंग प्लेटफॉर्म/मर्चेंट से जुड़े लेन-देन के लिए एसबीआई क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं, तो फिर दिसंबर महीने की पहली तारीख से नए नियम लागू हो रहे हैं। हर महीने की तरह इस महीने की पहली तारीख को यानी 1 दिसंबर 2024 से कई नियमों में बदलाव होने जा रहा है, जिसका सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ने वाला है। दिसबंर माह अपने साथ कई बड़े बदलाव लेकर आने वाला है। इन फाइनेंशियल बदलावों का सीधा असर हर घर और हर जेब पर देखने को मिल सकता है। नए महीने की पहली तारीख के साथ देश में लागू होने वाले इन बड़े बदलावों में एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम में संशोधन से लेकर देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई के क्रेडिट कार्ड के जुड़े चेंज शामिल हैं। नवंबर महीने की पहली तारीख को 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम में इजाफा देखने को मिला था। बता दें ऑयल एंड गैस वितरण कंपनियां हर महीने के पहले दिन कीमतों में संशोधन करती हैं और इस बार भी ऐसा देखने को मिल सकता है।

महायुति की मीटिंग कैंसिल

शिंदे गए सतारा, विभागों के बंटवारे को लेकर फंसा पेंच?

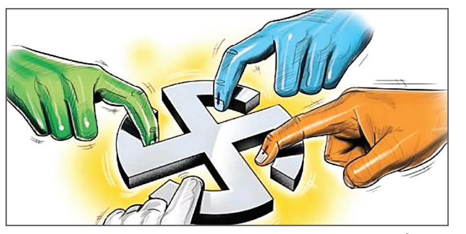

मुंबई। महाराष्ट्र में महायुति की आज होने वाली बैठक को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। आज होने वाली बैठक फिलहाल टल गई है। सूत्रों के मुताबिक सीएम एकनाथ शिंदे आज सतारा जिले में स्थित अपने गांव जा रहे हैं और उनके कल वापस आने की संभावना है। इससे पहले महायुति के तीनों बड़े नेताओं-सीएम शिंदे, बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस और एनसीपी प्रमुख अजित पवार की दिल्ली में अमित शाह के साथ करीब 3 घंटे की मैराथन बैठक हुई थी।

बैठक के बाद तीनों नेता मुंबई लौट आए थे और आज विभागों पर चर्चा के लिए मुंबई में महायुति के तीनों नेताओं के बीच बड़ी बैठक होनी थी। कहा जा रहा है कि अचानक एकनाथ शिंदे सतारा जिले में अपने गांव के लिए रवाना हो गए हैं इसलिए आज होने वाली बैठक स्थगित हो गई है। शनिवार को उनके सतारा से लौटने के बाद यह बैठक फिर से होगी और बचे हुए तमाम मुद्दों पर चर्चा होगी। इससे पहले कल देर शाम दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह ने अपने आवास पर देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे और अजित पवार से अलग-अलग बात की। बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, एनसीपी के कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल, एनसीपी सांसद सुनील तटकरे भी शाह के घर पहुंचे थे। बैठक करीब तीन घंटे चल चली लेकिन फिर भी सीएम का नाम तय नहीं हो पाया। बैठक के बाद एकनाथ शिंदे, देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार तीनों देर रात ही मुंबई लौट गए। इस बैठक को लेकर कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा है कि ये मीटिंग अच्छी और सकारात्मक रही। ये पहली बैठक थी। इसमें शाह और जेपी नड्डा से मुलाकात हुई।

शिंदे के मुताबिक महायुति के नेता मुंबई में दूसरी बैठक करेंगे जिसमें सीएम के नाम पर फैसला लिया जाएगा। इससे पहले शिंदे ने दोहराया कि मुख्यमंत्री पद को लेकर कोई बाधा नहीं है और लाडला भाई एक ऐसा टाइटल है जो उनके लिए किसी भी चीज से अधिक मायने रखता है। मैंने कल प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपनी भूमिका स्पष्ट कर दी थी कि महायुति के मुख्यमंत्री को लेकर कोई बाधा नहीं है। शिंदे ने बैठक में कहा, यह लाडला भाई दिल्ली आ चुका है और लाडला भाई मेरे लिए किसी भी पद से बड़ा है।

सड़क निर्माण घोटाले में 16 अभियंता सस्पेंड

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हरदोई में सड़कों का घटिया निर्माण होने पर कड़ी कार्रवाई की है। इसके लिए जिम्मेदार मिले एक अधीक्षण अभियंता और दो अधिशासी अभियंता समेत 16 अभियंता निलंबित कर दिए गए हैं। हाल ही में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हरदोई समेत 10 जिलों की सड़कों की जांच के आदेश दिए थे। हरदोई में सड़कों की जांच के लिए प्रमुख सचिव अजय चौहान की अध्यक्षता में एक टीम गए थे। इस टीम में पीडब्ल्यूडी सलाहकार वीके सिंह और पीडब्ल्यूडी विभागाध्यक्ष योगेश पंवार भी शामिल थे। हरदोई में चार नवनिर्मित सड़कों के नमूने लिए गए। लैब में इन नमूनों की जांच कराई गई तो ये सभी नमूने फेल हो गए। तारकोल की मात्रा कम मिली। गिट्टी समेत अन्य सामग्री भी मानक से कम मिली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर तत्कालीन अधीक्षण अभियंता सुभाष चंद्र, अधिशासी अभियंता सुमंत कुमार व शरद मिश्रा को सस्पेंड कर दिया गया है।

पहली दिसंबर से हर घर-हर जेब पर दिखेगा असर

नई दिल्ली। हर महीने की तरह इस महीने की पहली तारीख को यानी 1 दिसंबर 2024 से कई नियमों में बदलाव होने जा रहा है, जिसका सीधा असर आम लोगों की जेब पर पड़ने वाला है। दिसबंर माह अपने साथ कई बड़े बदलाव लेकर आने वाला है। इन फाइनेंशियल बदलावों का सीधा असर हर घर और हर जेब पर देखने को मिल सकता है। नए महीने की पहली तारीख के साथ देश में लागू होने वाले इन बड़े बदलावों में एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम में संशोधन से लेकर देश के सबसे बड़े बैंक एसबीआई के क्रेडिट कार्ड के जुड़े चेंज शामिल हैं।

नवंबर महीने की पहली तारीख को 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम में इजाफा देखने को मिला था। बता दें ऑयल एंड गैस वितरण कंपनियां हर महीने के पहले दिन कीमतों में संशोधन करती हैं और इस बार भी ऐसा देखने को मिल सकता है। ऐसी उम्मीद है कि लंबे समय से स्थिर 14 किलोग्राम वाले घरेलू गैस सिलेंडर में संशोधन किया जा सकता है। एलपीजी सिलेंडर की कीमतों के साथ ही महीने की पहली तारीख को तेल वितरण कंपनियों द्वारा एयर टर्बाइन फ्यूल के दाम में भी संशोधन किया जाता है। इस बाद पहली दिसंबर को भी हवाई ईंधन की कीमतों में चेंज देखने को मिल सकता है। इसमें होने वाले बदलाव का सीधा असर हवाई यात्रियों पर देखने को मिल सकता है। पहली दिसंबर 2024 से तीसरा बड़ा बदलाव क्रेडिट कार्ड यूजर्स से जुड़ा हुआ है। दरअसल, अगर आप खासतौर पर डिजिटल गेमिंग प्लेटफॉर्म/ मर्चेंट से जुड़े लेन-देन के लिए एसबीआई क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं, तो फिर दिसंबर महीने की पहली तारीख से नए नियम लागू हो रहे हैं।

हिंदू पुजारी की गिरफ्तारी का किया विरोध

नई दिल्ली। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने चटगांव में एक वकील की हत्या और बांग्लादेशी हिंदू भिक्षु चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए उनकी रिहाई की मांग की। पुलिस ने कहा कि मंगलवार को सुरक्षा बलों और चिन्मय कृष्ण दास के अनुयायियों के बीच हिंसक झड़प के दौरान एक वकील की मौत हो गई, जिसकी पहचान सहायक लोक अभियोजक सैफुल इस्लाम के रूप में हुई। राजद्रोह के एक मामले में चटगांव अदालत द्वारा दास को जमानत देने से इनकार किए जाने के बाद विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। हसीना ने लिखा कि सनातन धार्मिक समुदाय के एक शीर्ष नेता को अन्यायपूर्वक गिरफ्तार किया गया है, उन्हें तुरंत रिहा किया जाना चाहिए। चटगांव में एक मंदिर जला दिया गया है। पहले, अहमदिया समुदाय की मस्जिदों, धर्मस्थलों, चर्चों, मठों और घरों पर हमला किया गया। उन्होंने आगे कहा कि सभी समुदायों के लोगों की धार्मिक स्वतंत्रता और जीवन और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए। बांग्लादेश के पूर्व विदेश मंत्री हसन महमूद ने कहा है कि भारत विरोधी बयानबाजी और कट्टरपंथियों एवं आतंकवादी ताकतों को बढ़ावा देना परस्पर संबंधित रणनीतियां हैं, जिन्होंने बांग्लादेश को पूर्ण अराजकता की ओर धकेल दिया है। उन्होंने मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लेदश की अंतरिम सरकार पर लोकतंत्र को भीड़तंत्र में तब्दील करने का आरोप लगाया। बांग्लादेश में छात्र आंदोलन के बाद बिगड़े हालात के बाद अपना देश छोड़कर आए महमूद ने हाल ही में एक अज्ञात स्थान से एक विशेष साक्षात्कार में बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की स्थिति को खतरनाक करार दिया।

अब जाकिर नाइक की याचिका पर उठे सवाल

नई दिल्ली। इस्लामिक उपदेशक जाकिर नाइक द्वारा सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका पर केंद्र सरकार ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। सरकार ने जाकिर नाइक की याचिका पर सवाल उठाया है, जिसमें 2012 में गणपति उत्सव के दौरान दिए उसके कथित आपत्तिजनक बयानों को लेकर कई राज्यों में दर्ज एफआईआर को एक साथ जोड़ने का अनुरोध किया है।

जस्टिस अभय एस ओका, जस्टिस एहसानुद्दीन अमानुल्ला और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच के सामने पेश सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता ने पूछा कि एक ऐसा व्यक्ति जिसे भगोड़ा घोषित किया गया है, वह याचिका कैसे दायर कर सकता है। मेहता ने कहा कि मुझे उसके वकील ने बताया कि वे मामला वापस ले रहे हैं। हमारा जवाब तैयार है। नाइक की तरफ से पेश वकील ने कहा कि उसे मामला वापस लेने के संबंध में कोई निर्देश नहीं मिला है और याचिका में कई राज्यों में दर्ज 43 एफआईआर को एक साथ जोड़ने का अनुरोध किया गया है। वकील ने कहा कि उसके मुवक्किल के खिलाफ छह एफआईआर विचाराधीन हैं और वह इन्हें रद्द करने के लिए हाईकोर्ट जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने जाकिर नाइक के वकील को हलफनामा दायर कर यह बताने का निर्देश दिया कि वह मामला जारी रखेंगे या इसे वापस लेंगे। इसके साथ ही अदालत ने मेहता से मामले में जवाब दाखिल करने को कहा। मामले की अगली सुनवाई 23 अक्टूबर को होगी। नाइक फिलहाल विदेश में है। एनआईए कथित आतंकवादी गतिविधियों में उसकी संलिप्तता की भी जांच कर रहा है।

फिर से सीएम बनाए जा सकते फडणवीस

नई दिल्ली। महाराष्ट्र में मुख्यमंत्री पद को लेकर हो रही खींचतान कम होती नजर नहीं आ रही है। यही वजह है कि यह मामला मुंबई से दिल्ली पहुंच गया है। सूत्रों के मुताबिक देवेंद्र फडणवीस एक बार फिर से मुख्यमंत्री बनाए जा सकते हैं। गुरुवार को एकनाथ शिंदे ने एलान कर दिया था कि बीजेपी जिसे भी सीएम बनाना चाहे, शिवसेना उसका समर्थन करेगी। शिंदे ने साफ कर दिया कि उन्हें पीएम मोदी और अमित शाह का हर फैसला मंजूर होगा। दिल्ली में शाह की बैठक के बाद सीएम के नाम का एलान हो जाएगा। केंद्रीय नेतृत्व को महाराष्ट्र में गैर-मराठा मुख्यमंत्री बनाए जाने पर मराठा समुदाय के नाराज होने की चिंता है। इसलिए, इस बात पर चर्चा हुई कि अगर राज्य में फिर से देवेंद्र फडणवीस को मुख्यमंत्री बनाया जाता है तो मराठा वोटों को किस तरह बरकरार रखा जाए। शिंदे द्वारा खुद को सीएम पद की रेस से बाहर कर लेने से देवेंद्र फडणवीस रेस में आगे हो गए हैं। हालांकि अगला सीएम कौन होगा, बैठकों का दौर खत्म होने के बाद ही पता चल सकेगा। इससे पहले बुधवार रात को नए मुख्यमंत्री के नाम के ऐलान के लिए दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह और पार्टी महासचिव विनोद तावड़े के बीच एक अहम बैठक हुई। एक तरफ एनसीपी के नेता प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे ने दिल्ली में अमित शाह से मुलाकात की तो वहीं एनसीपी नेता छगन भुजबल और गिरीश महाजन ने मुंबई देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की। इन सबके बीच खबर है कि अब सीएम की कुर्सी से लेकर मंत्रालय को लेकर भी रोडमैप तैयार किया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक महायुति सरकार में बीजेपी को 20, शिवसेना को 11-12 और एनसीपी को 10 मंत्रिपद मिल सकते हैं। हालांकि डिप्टी सीएम के ओहदे पर महायुति की नई सरकार में कौन कौन चेहरे होंगे इस पर अभी सस्पेंस बरकरार है। शिंदे की घोषणा के बाद शिवसेना के नेताओं ने जोरदार मांग की कि वह मुख्यमंत्री बने रहें, क्योंकि सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन ने उनके नेतृत्व में शानदार जीत हासिल की है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि शिंदे के इस कदम से नई सरकार के शपथ लेने का रास्ता साफ हो गया है। संभावना है कि बीजेपी के देवेंद्र फडणवीस नई सरकार का नेतृत्व करेंगे। ठाणे में अपने घर पर एक खचाखच भरे संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए शिंदे (60) ने कहा कि वह अगले मुख्यमंत्री के नाम के लिए बीजेपी नेतृत्व के फैसले का पूरी तरह से समर्थन करेंगे और इस प्रक्रिया में बाधा नहीं बनेंगे। उधर बीजेपी ने पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री अरुण सिंह को महाराष्ट्र का केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त कर दिया है।

बेटे को डीप्टी सीएम बनाना चाहते हैं एकनाथ शिंदे : मुंबई। मुख्यमंत्री की कुर्सी को लेकर महाराष्ट्र में महासंग्राम जारी है। इसी बीच खबर आ रही है कि शिवसेना प्रमुख और कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे कथित तौर पर अपने बेटे श्रीकांत शिंदे को आगामी देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली कैबिनेट में उपमुख्यमंत्री नियुक्त करने की वकालत कर रहे हैं। इसके अलावा, एक रिपोर्ट के अनुसार, शिंदे ने कथित तौर पर अनुरोध किया है कि अगर उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाया जाता है, तो कम से कम उन्हें महायुति सरकार का संयोजक नियुक्त किया जाना चाहिए। उन्होंने यह तर्क इसलिए दिया क्योंकि चुनाव उनके नेतृत्व में ही हुए थे। 4 फरवरी, 1987 को जन्मे श्रीकांत एकनाथ शिंदे एक राजनेता और 17वीं लोकसभा के सदस्य हैं, जो महाराष्ट्र के कल्याण निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। वह शिवसेना पार्टी से जुड़े हैं और महाराष्ट्र के वर्तमान कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बेटे हैं।

जीएसटी धोखाधड़ी मामले में ईडी की गुजरात में छापेमारी

अहमदाबाद। प्रवर्तन निदेशालय ने जीएसटी धोखाधड़ी से जुड़े धन शोधन मामले में गुजरात के कई शहरों में छापे मारे जिसमें गुजरात पुलिस ने एक पत्रकार समेत आठ लोगों को हिरासत में लिया है। सूत्रों ने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज करने के बाद संघीय एजेंसी ने राजकोट, जूनागढ़, अहमदाबाद, भावनगर और वेरावल शहरों में करीब 23 परिसरों पर छापे मारे। इस मामले में गिरफ्तार पत्रकार महेश लांगा एक प्रमुख अखबार में काम करते हैं जिनके परिसरों पर भी छापे की कार्रवाई की गई है। धन शोधन का यह मामला अहमदाबाद पुलिस अपराध शाखा की प्राथमिकी से संबंधित है। अहमदाबाद पुलिस की अपराध शाखा ने फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट और धोखाधड़ी वाले लेनदेन के जरिए सरकार को धोखा देने के इरादे से फर्जी कंपनियों से जुड़े एक कथित घोटाले को लेकर केंद्रीय जीएसटी से मिली शिकायत के बाद कई व्यक्तियों और संस्थाओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। पत्रकार लांगा को सात अन्य लोगों के साथ गिरफ्तार तब किया जब केंद्रीय जीएसटी ने जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल कर उनकी पत्नी और पिता के नाम पर बनाई गई फर्जी कंपनियों में कुछ संदिग्ध लेनदेन पाया गया है। एजेंसी

एआई सीसीटीवी से अभेद्य होगी महाकुंभ की सुरक्षा

लगेंगे 25 सौ से ज्यादा सीसीटीवी, संदिग्ध की पहचान कर कंट्रोल रूम को अलर्ट करेगा 'एआई'

योगी सरकार का बड़ा कदम

क्राउड मैनेजमेंट सिस्टम की भी कंट्रोल रूम को जानकारी देंगे एआई आधारित कैमरे, मेला क्षेत्र होगा सुरक्षित

प्रयागराज/लखनऊ। योगी सरकार महाकुंभ-25 को दिव्य, भव्य और नव्य बनाने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रही है। महाकुंभ से पहले पूरे शहर को जहां भव्य रूप से सजाने का काम जोरों पर चल रहा है, वहीं दूसरी ओर महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर भी खास इंतजाम किये जा रहे हैं। योगी सरकार की पुलिस जहां एक तरफ चप्पे-चप्पे पर नजर रखेगी। वहीं, दूसरी ओर टेक्नोलॉजी के जरिये सुरक्षा व्यवस्था को और भी पुख्ता करने की तैयारी चल रही है। इसमें सबसे अहम रोल एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आधारित सीसीटीवी कैमरे निभाएंगे। योगी सरकार पूरे शहर में 2500 से ज्यादा सीसीटीवी लगाएगी। इनमें एआई आधारित सीसीटीवी कैमरे भी शामिल हैं, जिन्हे सीधे कंट्रोल रूम से जोड़ा जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में प्रयागराज में महाकुंभ के कार्यों की समीक्षा की थी। मेला अधिकारी विजय किरण आनंद ने बताया कि सीएम ने अधिकारियों को 15 दिसंबर तक सारे काम पूरे करने के निर्देश दिये थे। साथ ही सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने के निर्देश दिये थे ताकि महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। इसके बाद विकास कार्यों ने और तेज रफ्तार पकड़ ली है। वहीं सीएम योगी के निर्देश पर पूरे शहर में सुरक्षा व्यवस्था को अभेद्य करने के लिए हाईटेक 2,750 सीसीटीवी लगाने का काम चल रहा है। वहीं कई प्रमुख स्थानों और मेला क्षेत्र में एआई आधारित सीसीटीवी कैमरे भी लगाए जाएंगे। अब तक एक हजार सीसीटीवी को विभिन्न स्थानों पर इंस्टॉल भी किया जा चुका है। वहीं इन सभी कैमरों को कंट्रोल रूम से सीधा जोड़ा जाएगा। यहां से आने-जाने वाले श्रद्धालुओं पर सीधी नजर रखी जाएगी। इसके अलावा शहर के विभिन्न स्थानों पर 80 वीएमडी टीवी स्क्रीन को लगाया जाएगा। इसके जरिये विभिन्न महत्वपूर्ण जानकारियों को डिस्पले किया जाएगा।

एआई आधारित रियल टाइम अलर्ट महाकुंभ में करीब 25 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। ऐसे में मेला क्षेत्र, मेला को जाने वाले मार्ग और शहर के प्रमुख मार्गों पर क्राउड मैनेजमेंट सिस्टम वाले एआई आधारित रियल टाइम अलर्ट सीसीटीवी भी लगाए जा रहे हैं। इसकी मॉनीटरिंग के लिए कंट्रोल रूम में अलग से व्यवस्था की जा रही है। वहीं महाकुंभ मेला हेल्पलाइन 1920 के लिए डेडिकेटेड 50 सीटर कॉल सेंटर स्थापित किया जा रहा है, जहां पर 24 घंटे पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। यह सभी पल-पल की अपडेट अधिकारियों के साथ शेयर करेंगे। वहीं कोई संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु या फिर अगर किसी स्थान पर ज्यादा भीड़ एकत्रित होने पर संबंधित चौकी और थाने को सूचना देंगे ताकि वहां से भीड़ को कम किया जा सके। साथ ही भीड़ को एक जगह एकत्रित होने से रोकने के लिए रियल टाइम अलर्ट सीसीटीवी अहम रोल निभाएगा।

ब्यूरोक्रेट्स सिस्टम पर अहम टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट बोला- विशेषकर महिलाओं पर हुक्म चलाते

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गांवों में सरपंचों और अधिकारियों के बीच के काम से जुड़े मामलों पर अहम टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने ब्यूरोक्रेट्स के बीच औपनिवेशिक मानसिकता को चिह्नित किया। शीर्ष अदालत का कहना था कि अधिकारी आदतन जमीनी स्तर के लोकतांत्रिक संस्थानों में निर्वाचित प्रतिनिधियों, विशेषकर महिलाओं पर हुक्म चलाते हैं। शीर्ष अदालत ने कहा कि अधिकारियों को इसके बजाय शासन में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व को प्रोत्साहित करना चाहिए। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जवल भुइयां की पीठ ने कहा कि यह पंचायतों में निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों के साथ होने वाले व्यवहार का एक बार-बार दोहराने वाला पैटर्न है। इसमें प्रशासनिक अधिकारी महिला सरपंचों के खिलाफ प्रतिशोध लेने के लिए पंचायत सदस्यों के साथ मिलीभगत करते हैं। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले की ग्राम पंचायत में महिला सरपंच सोनम लाकड़ा को बहाल करने का आदेश दिया। महिला सरपंच के खिलाफ भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के दौरान मामूली आधार पर कार्रवाई शुरू की गई थी। वहीं, विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली बीजेपी सरकार ने उनका बचाव किया था। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने 27 वर्षीय लकड़ा द्वारा किए गए विकास कार्यों की प्रशंसा की। बेंच ने कहा कि जनपद पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने ऐसी परियोजनाओं के लिए आवश्यक समय के बारे में तकनीकी विशेषज्ञता की कमी के बावजूद 16 दिसंबर, 2022 को एक कार्य आदेश जारी किया।

नौकरशाही की मनमानी के कारण हटाया : पीठ ने कहा कि उनके स्पष्टीकरण के बावजूद नौकरशाही ने उन्हें 18 जनवरी, 2024 को पद से हटाया। हाईकोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी थी। जस्टिस कांत और भुइयां ने उनके खिलाफ आरोपों को बेबुनियाद और उनके पद से हटाने को जल्दबाजी वाला कदम बताया। पीठ ने कहा कि अपनी औपनिवेशिक मानसिकता के साथ प्रशासनिक अधिकारी फिर निर्वाचित जनप्रतिनिधि और चयनित लोक सेवक के बीच मूलभूत अंतर को पहचानने में विफल रहे हैं।

बुनकरों ने 450 वर्ष पुरानी परम्परा निभाई

अगहनी जुमे पर नमाज अदा करने के लिए उठे हजारों हाथ, पुराना पुल पुलकोहना में जुटे लोग

वाराणसी। मुस्लिम बंधुओं ने शुक्रवार को अगहनी जुमे की नमाज अदा की। मुस्लिमों ने 450 साल पुरानी परम्परा का निर्वहन किया। अगहनी जुमे की नमाज को लेकर मुसलमानों ने समृद्धि की कामना की। अगहनी जुमे की नमाज पुरानापुल पुलकोहना के अलावा ज्ञानवापी, सरैया आदि जगहों पर अदा की गई। इस दौरान हर जगहों पर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किये गये थे।

धर्म की नगरी काशी में हर परंपरा अनूठी है। ऐसी ही एक परंपरा है जिसे मुस्लिम भाई अगहन माह के दुसरे शुक्रवार को निभाते हैं। शहर के पुराने पुल स्थित पुलकोहना ईदगाह में शुक्रवार को 30 हजार से अधिक मुस्लिम भाइयों ने 450 साल से अधिक पुरानी परंपरा के तहत अगहनी नमाज के दौरान सभी अकीदतमंदों ने मुल्क की तरक्की और हिफाजत के लिए दुआख्वानी की। सभी तंजीमों के सरदार और सदस्यों ने मिलकर बनारस के बुनकारी के कारोबार से जुड़े लोगों के साथ बैठक की। इस दौरान तमाम मुसीबतों और अन्य मसलों पर चर्चा हुई। चार सौ 50 साल पहले, जब देश में सूखे ने सभी क्षेत्रों को प्रभावित किया, तब काशी के बुनकरों ने एक अद्वितीय प्रयास किया। उन्होंने पुरानेपुल पुलकोहना ईदगाह में अगहन महीने के जुमे में नमाज अदा की। इस नमाज की अदायगी के साथ ही, चमकीली बूंदें गिरीं और समृद्धि की किरणें फैलीं। आज भी यह परंपरा जारी है, जब हर साल अगहन माह के दूसरे जुमे को इस ईदगाह में मुल्क की तरक्की और खुशहाली के लिए नमाज पढ़ी जाती है। इस नमाज में हजारों बुनकर एकत्रित होते हैं और आज के दिन मुर्री (कारोबार) भी बंद रहती है। यह परंपरा काशी के बुनकरों की एकता और समृद्धि की कामना का प्रतीक है। बुनकर तंजीम बाईसी के सरदार ने बताया कि अगहनी जुमे की नमाज अदा करने की परंपरा 450 साल से अधिक पुरानी है। यह परंपरा उस समय शुरू हुई जब देश में अकाल पड़ा और कारोबार ठप हो गए थे। लोग दाने-दाने को मोहताज हुए तो उस समय के लोगों ने इस ईदगाह में अगहनी जुमे की नमाज अदा की। उन्होंने बताया कि अल्लाह की बारगाह में बारिश और मुल्क की तरक्की के लिए हाथ बलंद किया तो उसने भी मायूस नहीं किया और जमकर बारिश हुई। तभी से यह परंपरा शुरू हुई और आज हम उसे निभाते आ रहे हैं। इस नमाज में बुनकर समाज के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए और तरक्की और समृद्धि की कामना की।

अगहनी जुमे के दिन मुस्लिम समुदाय के लोगों ने अपने कारोबार बंद रखे और नमाज अदा की। इसके बाद, सभी तंजीमों के सरदार और सदस्यों ने मिलकर बनारस के बुनकारी के कारोबार से जुड़े लोगों के साथ बैठक की। इस बैठक में कारोबार में हो रही दिक्कतों के बारे में चर्चा की गई और उनके समाधान के लिए रणनीति बनाई गई। इस बैठक की खास बात यह रही कि इसमें मुल्क की तरक्की और खुशहाली के लिए दुआख्वानी के साथ ही साथ आगे की रणनीति भी बनाई गई। इस बैठक में जो फैसला हुआ उसे सर्वसम्मति से माना गया।

गंगा की तलहटी से निकाला कुल्हड़

रिम्मी कौर

वाराणसी। पीएसी संस्थापना दिवस 2024 के अवसर पर प्रदेश की श्रेष्ठ बाढ़ राहत दल चयन प्रतियोगिता के क्रम में जोन स्तर पर (पूर्वी जोन, प्रयागराज) श्रेष्ठ बाढ़ राहत दल चयन प्रतियोगिता का आयोजन रामनगर किला घाट, बलुआ घाट पर किया गया, जिसमें 36 वीं वाहिनी पीएसी रामनगर,वाराणसी की बाढ़ राहत दल ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर जोन स्तर पर गठित चयन समिति के अध्यक्ष मनीष कुमार शांडिल्य (आईपीएस) सेनानायक,4th BN तथा समिति के सदस्य डॉ. मनोज कुमार -उप सेनानायक, 42BN, अतुल कुमार सिंह - सहायक सेनानायक, 36BN उपस्थित रहे। प्रतियोगिता को देखने हेतु गंगा घाट पर वाहिनी के अधिकारी/ कर्मचारीगण रहे।

तैराकी, चापू चलाना, पतवार संभालना, जरिकेन द्वारा बचाना, गोताखोरी, पानी की पहचान करना, लंगर का प्रयोग, नेट फिसिंग का प्रयोग, प्राथमिक चिकित्सा समेत कुल 14 प्रकार की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. जिसमें सभी प्रतियोगिता में 36 वीं वाहिनी पीएसी रामनगर, वाराणसी के जवानों द्वारा कम समय में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया। गोताखोरी में 36वीं वाहिनी के जवान आरक्षी रविंद्र मौर्य एवं उनके सहायक आरक्षी आशुतोष मिश्रा द्वारा गंगा की तलहटी से कुल्हड़ एवं बालू निकाला गया. समस्त प्रतियोगिताओं में जवानों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को देख कर अध्यक्ष महोदय द्वारा सराहना की गई. बाढ़ राहत दल द्वारा बचाव राहत से संबंधित उपकरणों की प्रदर्शनी भी लगाई गई एवं उसके उपयोग के संबंध में विस्तृत से बताया गया. बाढ़ राहत दल के दलनायक श्री अजीत प्रताप सिंह एवं ढउ श्री दीप नारायण राय द्वारा साल भर में किए गए बचाव कार्य एवं डूबते हुए व्यक्ति को बचाने के संबंध में चयन समिति को अवगत कराया गया.अंत में चयन समिति द्वारा वाहिनी पहुंचकर बाढ़ राहत दल (इ- दल) कार्यालय एवं स्टोर का भी निरीक्षण किया गया. साफ -सफाई एवं सुसज्जित कार्यालय /स्टोर रूम को देखकर काफी सराहना की गई। इस अवसर पर रामनगर किला घाट पर राजेश कुमार -सहायक सेनानायक, श्री कैलाश नाथ यादव -शिविरपाल, अजीत प्रताप सिंह-दलनायक, बाढ़ राहत दल मनोज कुमार मिश्र सूबेदार मेजर आदि रहे।

कथा का समापन हुआ भंडारा

रोशनी

वाराणसी। कपसेठी लखन सैनपुर में चंद्रप्रभा पब्लिक स्कूल में श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ एवं श्री राम कथा का समापन के उपलक्ष में 21 तारीख को विशाल भंडारा का आयोजन किया गया। लक्ष्मी नारायण महायज्ञ एवं श्री राम कथा 13 नवंबर से 20 नवंबर तक प्रतिदिन 3:00 बजे से 6:00 बजे तक लगातार चल रहा था। कथा सुनने के लिए गांव के अलावा दूर दराज एवं अदरजनपद से काफी लोग ने श्री राम कथा सुनने के लिए शिरकत किया आज 21 नवंबर को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है मीडिया से बात चीत के दौरान चंद्रप्रभा स्कूल के मालिक वह प्रबंधक अजीत सिंह ने बताया कि शुरू से ही हमारा स्वभाव है कि मैं लोगों का सेवा करूं गरीब हुआ आशाएं लोगों का मदद करूं परेशान लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलकर उनके साथचलू मेरे जीवन का यही उपदेश है आज श्री राम कथा के समापन पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया है अजीत सिंह ने बताया की लगभग 6 000 लोग प्रसाद ग्रहण करेंगे क्षेत्र के लोगों ने प्रसाद का खूब प्रशंसा किया प्रशंसा क्यों न करें प्रसाद में पनीर की सब्जी के अलावा तीन किस्म की सब्जी पूरी स्पेशल राइस पापड़ सलाद मीठा बूंदी वह मिठाई ऐसे तमाम बेयजन बने थे जिससे भक्ति गानों ने प्रसाद ग्रहण किया चंद्रप्रभा पब्लिक के मालिक अजीत सिंह ने कहा कि मेरा यही उपदेश है और उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश रहेगी कि हर साल हम इस तरीके का आयोजन करता रहूं इस मौके पर चंद्रप्रभा पब्लिक स्कूल के संस्थापक राजेंद्र सिंह अजय सिंह विकास सिंह संतोष सिंह प्रमोद सिंह विभव श्रीवास्तव सुबोध त्रिपाठी संदीप सिंह विवेक सिंह मंटू सिंह अंकित सिंह प्रतिभा सिंह श्वेता सिंह कुसुम सिंह सुशिमा सिंह किरण सिंह लता सिंह रीना सिंह रिया सिंह एवं सारे साथी गढ़ मौजूद रहे।

निजीकरण: महंगी बिजली का दंश झेलेगी जनता

वाराणसी। संघर्ष समिति उत्तर प्रदेश के आह्वान पर शुक्रवार को विद्युतकर्मियों ने भिखारीपुर स्थित विभागीय कार्यालय पर प्रदर्शन कर प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान हुई सभा में वक्ताओं ने कहा कि बिजली का निजीकरण हुआ तो महंगी बिजली का दंश झेलने को जनता विवश होगी। वक्ताओं ने कहा कि निजीकरण का फैसला व्यापक जनहित में नही है। महंगी बिजली तो मिलेगी ही, गरीब, किसान या अन्य जिन लोगों के बच्चे आईटीआई, पॉलिटेक्निक, बीटेक कर बिजली विभाग में नौकरी का सपना देख रहे हैं, उनको भी एक बड़ा झटका लगेगा और उनकी आकांक्षाओं पर पानी फिर जाएगा। संघर्ष समिति के पदाधिकारी जनप्रतिनिधियों से निजीकरण के नुकसान को बताते हुए प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री से निजीकरण का फैसला जनहित में निरस्त कराने का पत्र लिखने का अनुरोध करेगी।

यूपी कॉलेज के पास सुरक्षा, पीएसी तैनात

वक्फ बोर्ड की नोटिस के मामले में सुरक्षा बढ़ी, छात्रों ने जताई भारी नाराजगी

वाराणसी। जुमे की नमाज को लेकर काशी विश्वनाथ मंदिर के पास जिला प्रशासन के लोग तैनात रहे। वहीं, यूपी कॉलेज के बाहर भी सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई थी। कॉलेज के छात्रों ने जुमे की नमाज को लेकर अपनी नाराजगी जताई है। ज्ञात रहे कि दो दिन पहले ही कॉलेज के स्थापना दिवस के अवसर पर सीएम योगी आदित्यनाथ पहुंचे थे। वाराणसी के भोजूबीर स्थित यूपी कॉलेज पर वक्फ बोर्ड ने अपना दावा किया है। इसको लेकर यहां के छात्रा और प्रबंधन के लोगों में गुस्सा है। इसको लेकर तमाम तरह की कानूनी कागजातों को भी कॉलेज प्रबंधन ने पेश किया है। वहीं संभल मामले को देखते हुए काशी विश्वनाथ मंदिर के पास भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। यूपी कॉलेज को वक्फ बोर्ड के नोटिस के मामले में छात्रों के गुस्से के बाद कैंपस में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। कैंपस में पीएसी और पुलिस की तैनाती कर दी गई है और संदिग्धों पर निगाह रखी जा रही है। यूपी कॉलेज परिसर छावनी में तब्दील हो गया है। शुक्रवार को जुमे की नमाज को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। इसको लेकर उदय प्रताप कॉलेज में छात्रों और कॉलेज प्रशासन के साथ बैठक हुई, जिसमें छात्रों ने ऐसी किसी भी मंशा से इनकार किया है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया है कि कोई भी अप्रिय घटना नहीं होने देंगे। यह प्रश्नगत नोटिस 2018 का है और कॉलेज प्रशासन ने साक्ष्यों के साथ जवाब दिया है।

अब अवैध निर्माण को पकड़ेगा जियोट्रिक्स सॉफ्टवेयर : वाराणसी। शहर में अब अवैध निर्माण की आसानी से जहां पहचान होगी,वही उसके गतिविधियों को सैटेलाइट इमेज के द्वारा चिह्नित भी किया जा सकेगा। इसको लेकर वीडीए ने नई तकनीकन अपनाया है। विभाग अत्याधुनिक जिओट्रिक्स सॉफ्टवेयर का उपयोग शुरू किया है। इस सॉफ्टवेयर के जरिए सेटेलाइट इमेज की मदद से शहर के 200 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में अवैध निर्माणों को चिह्नित किया जाएगा।

वीडीए उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई बैठक में सॉफ्टवेयर के तकनीकी नेतृत्वकर्ता एडवांस सैटेलाइट परिवर्तन सॉफ्टवेयर द्वारा नियोजित विकास में नई तकनीक के बारे में एक्सपर्ट्स ने जोनल अधिकारियों और अवर अभियंताओं को इसका प्रशिक्षण दिया। उन्होंने सॉफ्टवेयर की कार्यप्रणाली और इसकी क्षमताओं को विस्तार से समझाया। सॉफ्टवेयर का उपयोग न केवल अवैध निर्माण की पहचान के लिए होगा,बल्कि यह जानकारी भी देगा कि 4शहर में नए प्लॉटिंग कहां-कहां हुई है।

संरक्षित रेल संचलन के लिए सेफ्टी निरीक्षण

वाराणसी। पूर्वोत्तर रेलवे के प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी मुकेश मेहरोत्रा ने शुक्रवार को गोरखपुर छपरा रेलखण्ड पर ठंडक व कोहरे के मौसम में सुरक्षित एवं संरक्षित रेल संचलन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से सेफ्टी निरीक्षण किया। इसके साथ ही उन्होंने कोहरे के मौसम में इस सेक्शन के सिगनलों की दृश्यता को दुरूस्त बनाये रखने का भी निर्देश दिया। विण्डो ट्रेलिंग निरीक्षण के दौरान प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी श्री मुकेश मेहरोत्रा ने इस खण्ड पर संरक्षा के साथ-साथ इस खण्ड पर चल रहे विकास कार्यों के दौरान सेफ्टी उपकरणों एवं यात्रियों की संरक्षा की जाँच की । निरीक्षण के क्रम में प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी श्री मुकेश मेहरोत्रा ने अपने निरीक्षण यान से विन्डो ट्रेलिंग निरीक्षण करते हुए छपरा स्टेशन पहुँचे। प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी मुकेश मल्होत्रा ने छपरा रेलवे स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्यो का गहन निरीक्षण किया। उन्होनें छपरा स्टेशन के विस्तार के साथ रूट रिले इंटरलॉकिंग पैनल,परिचलनिक व्यवस्था , प्लेटफार्मो के शेड तथा यात्रियों की सुरक्षा हेतु विभिन्न व्यवस्था, ग्लोशाइन स्टेशन नाम बोर्ड, साइनेजेज, ,रनिंग रुम, क्रू लाँबीर का यात्री सुधार समेत यात्री सुख-सुविधाओं के विभिन्न कार्यों का निरीक्षण किया तथा छपरा स्टेशन पर चल रहे विकास कार्यो की गति बढ़ाने और सभी कार्य तय समय सीमा में सम्पन्न कराने का भी निर्देश दिया साथ ही उन्होंने रनिंग रुम का गहन निरीक्षण किया और निरीक्षण के बाद प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी मुकेश मेहरोत्रा ने रनिंग रुम के परिसर में स्थित ओपेन जीम का फीता काटकर उद्धाटन किया। इस निरीक्षण के अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री राजेश कुमार सिंह, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (आपरेशन) अनिल कुमार श्रीवास्तव,वरिष्ठ मंडल संरक्षा वरिष्ठ मंडल विधुत इंजीनियर (सामान्य) पंकज केशरवानी, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर अभिनव पाठक स्टेशन डायरेक्टर श्री राजेश प्रसाद,सहायक मंडल सिंगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर अशोक कुमार, कोचिंग डिपो अधिकारी अजित कुमार आदि लोग रहे।

मंत्री दयालु ने दिए बेहतर इलाज के निर्देश

गैस रिसाव हादसा : एसआईसी को इलाज में लापरवाही न बरतने की चेतावनी

वाराणसी। आदमपुर थाना क्षेत्र के धोबी घाट (कोनिया) में गुरुवार को गैस सिलेंडर के पाइप फटने से बड़ा हादसा हो गया। घटना में एक महिला की मौत हो गई, जबकि एक ही परिवार के छह लोग गंभीर रूप से झुलस गए। पीड़ितों का कबीरचौरा स्थित मण्डलीय अस्पताल में इलाज चल रहा है। हादसे की जानकारी मिलते ही उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु' अस्पताल पहुंचे। उन्होंने डॉक्टरों से मुलाकात कर घायलों का हालचाल लिया और बेहतर इलाज सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मंत्री ने झुलसे लोगों की हालत और इलाज का जायजा लेने के बाद कहा कि घायलों के इलाज में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने मृतका के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की ईश्वर से कामना की। मंत्री ने मण्डलीय अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस)डॉ एस. पी. सिंह और अन्य डॉक्टरों से स्पष्ट कहा कि घायलों के इलाज में हर संभव सुविधा मुहैया कराई जाए।जनसम्पर्क अधिकारी गौरव राठी ने बताया कि इस मौके पर आयुष मंत्री डॉ दयाशंकर मिश्र दयालु ने अस्पताल प्रशासन को यह भी हिदायत दी कि सभी मरीजों को समय पर उपचार मिले और किसी भी परिवार को असुविधा का सामना न करना पड़े।

नीति-निर्माण के मंचों पर महिलाओं की हो बराबर की भागीदारी : वाराणसी। राष्ट्रीय बीज सम्मेलन 2024 के दूसरे दिन शुक्रवार को कृषि में महिलाओं की परिवर्तनकारी भूमिका, बीज प्रणाली में नवीन दृष्टिकोण और वैश्विक कृषि चुनौतियों से निबटने के लिए स्थिरता पर चर्चा की गयी। उप्र की कृषि उत्पादन आयुक्त मोनिका एस गर्ग ने कहा कि भारत में महिलाएं कृषि श्रमशक्ति का लगभग 33% से 50% हिस्सा हैं, फिर भी उनके काम को अक्सर मान्यता नहीं मिलती। उन्होंने महिलाओं को भूमि, वित्त, प्रौद्योगिकी और नीति-निर्माण के मंचों तक पुरुषों के बराबर पहुंच देने की आवश्यकता बतायी। उन्होंने कहा कि कृषि भारत की अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा है, जो 50% से अधिक श्रमशक्ति को रोजगार देती है। इस क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका अमूल्य है। महिलाएं न केवल खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करती हैं, बल्कि भारत के सतत विकास की नींव भी रखती है, लेकिन संसाधनों की सीमित पहुंच और निर्णय- निर्माण प्रक्रियाओं में उनकी भागीदारी कम है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन ग्रामीण महिलाओं को सबसे अधिक प्रभावित करते हैं। सूखा और अनियमित बारिश जैसी समस्याएं इन महिलाओं के जीवन को और कठिन बनाती हैं। इन बाधाओं के बावजूद, महिलाएं कृषि में परिवर्तनकारी बदलाव ला रही हैं। वे स्थायी खेती के तरीकों और स्थानीय बीजों को संरक्षित करने जैसे नवाचारों की अग्रणी हैं। अन्य सत्रों में भारतीय बीज क्षेत्र की नीतियों में प्रगति और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए फसल सुधार कार्यक्रमों के भविष्य पर चर्चा की गई।

डॉ. वंदना व डॉ. मार्कंडेय की पुस्तकों का विमोचन

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में शुक्रवार को कुलपति प्रो. आनंद कुमार त्यागी ने डा. वंदना सिंह एवं डा. मारकंडेय सिंह यादव की पुस्तकों प्रयोगात्मक भूगोल एवं मानव भूगोल का विमोचन किया। लेखक द्वय ने बताया कि प्रयोगात्मक भूगोल के अंतर्गत भौगोलिक तथ्यों के सर्वेक्षण, विश्लेषण, प्रदर्शन तथा निष्कर्ष, निरूपण के लिए प्रयोगात्मक भूगोल की विभिन्न विधियों का प्रयोग किया गया है। वहीं, मानव भूगोल एलिमेंट्स ऑफ ह्यूमन जियोग्राफी नवीन पाठ्यक्रम एनईपी के अनुसार लिखी गई है। यह दोनों पुस्तक स्नातक एवं स्नातकोत्तर, जेआरएफ एवं सिविल सर्विसेज के लिए अति उपयोगी सिद्ध होगी। डा. मार्कंडेय सिंह यादव की अभी तक चार पुस्तक प्रकाशित हो चुकी हैं एवं डा. वंदना सिंह की तीन पुस्तक प्रकाशित हो चुकी है। इस अवसर पर कुलानुशासक प्रो. केके सिंह, वित्त अधिकारी संतोष शर्मा, जनसंपर्क अधिकारी डा. नागेन्द्र कुमार सिंह, उप कुलसचिव हरीश चन्द आदि लोग मौजूद रहे।

टेक्नोलॉजी के दौर में समय के साथ चलने से ही तरक्की संभव : काका

एक्सपो मार्ट में कुछ न कुछ आयोजन होते रहना चाहिए

फारूक जाफरी

भदोही। नगर के हर दिल अजीज प्रतिष्ठित कालीन निर्यातक यादवेंद्र राय काका ने कालीन उद्योग की वर्तमान स्थिति व उद्योग कैसे आगे बढे आदि से सम्बंधित चर्चा करते हुए सीईपीसी पदाधिकारियों की प्रशंसा व सुझाव दिये। कालीन निर्यातक ने कहा कि आज टेक्नोलॉजी के दौर में बहुत सहूलियत हुई है हालाकि इसका भरपूर लाभ तभी संभव है जब आप इसकी अच्छी जानकारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि निरंतर प्रगति के लिए आवश्यक है कि समय के हिसाब से अपने को ढाले।

अर्थात आज कालीन के क्षेत्र में विश्व बाजार में प्रतिष्पर्धा का दौर है ऐसे में बाजार में बने रहने के लिए जरुरी है कि बाजार पर लगातार ध्यान केंद्रित रखते हुए नये नये डिजाइन इजात करें गुणवत्ता का खास ख्याल रखते हुए कार्य करें। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि सीईपीसी के सभी प्रशासनिक समिति सदस्य अनुभवी व अच्छे है। लेकिन मै सभी सीओए को आग्रह के साथ सुझाव देना चाहता हूं कि सरकार के सहयोग से एक्सपो मार्ट बना है जिसका लुक अंतर्राष्ट्रीय है। साल में एक अंतर्राष्ट्रीय फेयर लगता ही है इसके अलावा कभी लोकल स्तर पर फेयर लगे और भी फेयर जूट लेदर आदि लोकल स्तर पर आयोजन हो सकता है कहने का मतलब यह है कि इतने लागत से एक्सपो मार्ट बना है तो उसका लाभ भी उद्योग को मिलता रहना चाहिए।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं **प्रधान संपादक अजीत कुमार सिंह, स्थानीय संपादक प्रिया दूबे,** कुतुलूपुर रामनगर वाराणसी से प्रकाशित व मीडियाटेक्स्ट प्राइवेट लिमिटेड आराजी संख्या 68, मौजा गोविंदपुर, जीटी रोड रोहनिया, वाराणसी से मुद्रित। **आरएनआई नम्बर** : UPBIL05106 । इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बंधित विवादों का न्याय क्षेत्र वाराणसी होगा।
सम्पर्क : 9473893322
7309842122 (विज्ञापन)

कृषि उद्यमियों ने सब्जियों से कमाई का तरीका जाना

वाराणसी। भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान में कृषि उद्यमियों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण में सब्जी उत्पादन के जरिए आय बढ़ाने पर चर्चा हुई। यूपी-बिहार के 27 कृषि उद्यमियों ने जैविक कृषि की विधि, ग्राफ्टिंग विधि से पोमैटो, ब्रीमेटो बनाने की तकनीक, संरक्षित खेती, पौधशाला प्रबंधन, सब्जी प्रसंस्करण, माइक्रोबियल उत्पाद, हाइब्रिड बीज उत्पादन, रोग नियंत्रण, निर्यात और मार्केटिंग, स्टार्ट-अप आदि पर विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे। प्रशिक्षण सत्र में कृषि व्यवसायियों को सब्जी उत्पादन बढ़ाने तथा ऐसी तकनीकी का उपयोग करने जिससे उत्पादकता बढ़े तथा कौन- कौन की प्रजाति की सब्जियां मुनाफा दे सकती है, इसके बारे में जानकारी दी। प्रतिभागियों ने सब्जी उत्पादन व्यवसाय से जुड़े ज्ञान में वृद्धि, नई तकनीकों की जागरूकता, तकनीकों और सब्जी व्यवसाय को बढ़ावा देने पर सवाल-जवाब किया।

रोप-वे स्टेशन के बीच होगा जवाहर मार्केट का पुनर्निर्माण

वाराणसी। वीडीए उपाध्यक्ष पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई बैठक में जवाहर लाल नेहरू व्यावसायिक कॉम्प्लैक्स, इंग्लिशिया लाईन के पुनर्निर्माण के संबंध में एनबीसीसी के साथ एमओयू हेतु टर्म एंड कंडीशन निर्धारित किया गया। इसको लेकर विभाग ने जहां पूरी तैयारी करनी शुरू कर दी हैं ,वही निर्माण कार्य के लिए टर्म एंड कंडीशन भी तय कर ली हैं। शहर के प्रमुख कैण्ट रेलवे स्टेशन से सिगरा को जाने वाले मार्ग में जवाहरलाल नेहरू कॉम्प्लेक्स का पुनर्निर्माण होगा। वीडीए क्षेत्रीय व्यापार और प्रशासनिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए जल्द ही यहां बहुमंजिलि ईमारत भवन बनवायेगा। जिसमें व्यवसाय के साथ ही तीर्थ यात्रियों के लिए सुविधाएं मुहैया होगी।

कैंट रेलवे स्टेशन के सामने इंग्लिशिया लाइन के पास स्थित जवाहर मार्केट जो यात्रियों और स्थानीय निवासियों की सुविधा के लिए बनाया गया था जो कैण्ट रेलवे स्टेशन,बस अड्डे व महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ, कमलापति त्रिपाठी इण्टर कालेज के समीप लैण्ड मार्क की भांति मौजूद है। उक्त भवन के समीप रोप-वे के 02 प्रमुख स्टेशन भवन भी प्रस्तावित है। जिसे पूर्व में वीडीए बोर्ड की बैठक में जवाहर लाल नेहरू व्यावसायिक काम्पलेक्स, इंग्लिशिया लाईन के री-डेवलपमेन्ट हेतु एमएसई और वाई एलएलपी द्वारा तैयार की गयी हैं । जिसे ईओएल के ई-टेण्डर के माध्यम से आमंत्रित की जाएगी। जिसमें व्यावसायिक कॉम्पलैक्स को पुनर्विकास किये जाने हेतु बोर्ड द्वारा स्त्रीकृत किया गया। इस अवसर पर अपर सचिव गुडाकेश शर्मा,एनबीसीसी के महाप्रबन्धक अनिल कुमार यादव, वीडीए के अधीक्षण अभियन्ता अजय पवार, नगर नियोजक आदि लोग उपस्थित रहे।